देशबन्धु

वर्ष – 7 । अंक – 236 । नर्मदापुरम, सोमवार 2 दिसम्बर 2024 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 2.00 रुपए

नशा सबसे बड़ी चुनौती, बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार देना जरूरी : डॉ. गोवर्धनराम पृष्ठ 3

▸ कांग्रेस : समस्याओं की पहचान हो गई अब दूर कौन करेगा!
▸ कांग्रेस के सामने चुनौतियों भरे कार्य पृष्ठ 4

▸ ××××
▸ ×××× पृष्ठ 6

अच्छी सोच और बेहतर प्रबंधन के साथ बनाई गई है योजना पृष्ठ 8

सार समाचार

नड्डा ने महाकाल मंदिर में की पूजा अर्चना

उज्जैन, देशबन्धु। भाजपा अध्यक्ष एवं केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने उज्जैन में विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में भगवान महाकाल के दर्शन और पूजन-अभिषेक किया। श्री नड्डा दोपहर में उज्जैन प्रवास पर पहुंचे। उनके साथ उनकी पत्नी भी मौजूद थीं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा भी श्री नड्डा के साथ थे।

अर्थव्यवस्था बढ़ाने के लिए समान अवसर जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि देश के आर्थिक हालात लगातार खराब हो रहे हैं और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की दर दो साल में सबसे निचले स्तर पर आ गई है इसलिए सबको समान अवसर देकर अर्थव्यवस्था को बढ़ाने की जरूरत है। श्री गांधी ने यहां पार्टी की रैली को संबोधित करते हुए कहा, भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट दो साल में सबसे नीचे 5.4 प्रतिशत पर आ गई है।

ईडी का राज कुंद्रा को पेश होने का निर्देश

मुंबई, एजेंसी। पोर्नोग्राफी मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई की है। ईडी की ओर से इस मामले में बिजनेसमैन राज कुंद्रा, एक्ट्रेस गहना वशिष्ठ समेत अन्य कई संदिग्धों को समन भेजा गया है। इन सभी को इस सप्ताह में ईडी के समक्ष जांच के लिए पेश होने का आदेश दिया गया है। ईडी के अधिकारियों ने शनिवार को जुहू स्थित राज कुंद्रा के आवास पर तलाशी अभियान चलाया, जिसके बाद इन सभी को समन जारी किया गया।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता लगातार 7वें दिन भी खराब

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की वायु गुणवत्ता सुधरने का नाम नहीं ले रही है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता रविवार को लगातार सातवें दिन भी 'बहुत खराब' श्रेणी में रही है। दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 346 दर्ज किया गया है। शहर के निगरानी स्टेशनों में से शादीपुर में सबसे खराब वायु गुणवत्ता दर्ज की गई है। यहां का एक्यूआई 400 से अधिक दर्ज किया गया है, जो गंभीर श्रेणी में आता है।

इंदौर में विश्व एड्स दिवस पर हुआ राष्ट्रीय कार्यक्रम, केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा-

स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार में मप्र देश में अग्रणी

इंदौर/भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार में देश में सबसे आगे है और सबसे तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में तेजी से नए मेडिकल कॉलेज खोले गए हैं, आगे भी नए मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे। भोपाल में एम्स की स्थापना भी की गई है। मेडिकल कॉलेजों में सीटों की संख्या बढ़ाई गई है। आयुष्मान भारत योजना के क्रियान्वयन में भी मध्यप्रदेश देश में अव्वल है। यह बात आज केन्द्रीय लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा ने कही। केन्द्रीय मंत्री श्री नड्डा आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में इंदौर में आयोजित विश्व एड्स दिवस के राष्ट्रीय आयोजन को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि एड्स के खिलाफ भारत में एकजुट होकर लड़ाई लड़ी जा रही है। इसमें आशातीत सफलता भी मिल रही है। देश में एचआईवी/एड्स नियंत्रण के लिए संकल्पबद्ध होकर तेजी से प्रयास किए जा रहे हैं। इसके सार्थक परिणाम भी मिल रहे हैं। एचआईवी प्रभावितों के अधिकारों की रक्षा की जा रही है। उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा 2017 से एड्स नियंत्रण के लिए तेजी से प्रयास शुरू किए गए हैं। उन्होंने कहा कि सतत् विकास लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये सभी का सहयोग जरूरी है। एचआईवी से प्रभावित व्यक्तियों को मौलिक अधिकारों के साथ उन्हें मानव अधिकार भी प्राप्त हो। उनके साथ किसी भी तरह का भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा एचआईवी/एड्स से प्रभावित लोगों की संख्या में कमी लाने और मृत्यु की संख्या को कम करने के लिये सतत विकास लक्ष्य निर्धारित किये है। यह लक्ष्य वर्ष 2030 तक पूर्ण कर लिया जाएगा। केन्द्रीय मंत्री श्री नड्डा ▪ शेष पृष्ठ 8 पर

अगले 2 वर्षों में प्रदेश में 50 मेडिकल कॉलेज होंगे : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कोरोना काल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कोविड से जंग लड़ी गई और सफलता हासिल की गई, उसे देखकर लगता है कि हम एचआईवी/एड्स के खिलाफ जंग में भी विजय हासिल करेंगे। उन्होंने मेडिकल कॉलेज खोलने की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी और केन्द्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। डॉ. यादव ने कहा कि अब प्रदेश में तेजी से नए मेडिकल कॉलेज स्थापित हो रहे हैं। 2 साल में प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 50 हो जाएगी। उन्होंने कहा कि चिकित्सा शिक्षा के साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार भी तेजी से किया जा रहा है।

केन्द्रीय मंत्री व मुख्यमंत्री ने हुनर हॉट में हस्त निर्मित सामग्री खरीदी

केन्द्रीय मंत्री श्री नड्डा और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आयोजन के दौरान एचआईवी/एड्स से प्रभावित व्यक्तियों को मुख्य धारा में शामिल करने के लिए लगाई गई हुनर हॉट का अवलोकन भी किया। इसमें लाभार्थियों द्वारा बनाई गई हस्त निर्मित वस्तुओं की विविधता को प्रदर्शित किया गया। केन्द्रीय मंत्री श्री नड्डा और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लाभार्थियों से चर्चा की और उनके द्वारा उत्पादित हस्त कलाओं को देखा तथा सराहना की। उन्होंने लाभार्थियों द्वारा बनाई गई हस्त निर्मित सामाग्री भी खरीदी। ▪ शेष पृष्ठ 8 पर

महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री आज तय होगा

शिंदे मुंबई पहुंचे, किसी भी मदभेद से किया इनकार

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे आए हुए एक सप्ताह से ज्यादा का समय हो चुका है, लेकिन मुख्यमंत्री को लेकर स्थित अभी भी साफ नहीं हुई है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने शनिवार को कहा था कि नई सरकार का शपथ ग्रहण 5 दिसंबर को मुंबई के आजाद मैदान में होगा। प्रधानमंत्री मोदी भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। लेकिन मुख्यमंत्री के नाम का जिक्र नहीं किया था। अब महाराष्ट्र के कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को सतारा में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उनके सवालों के जवाब दिए। उन्होंने कहा, मैं अब ठीक हूं। व्यस्त चुनावी कार्यक्रम के बाद मैं यहां आराम करने आया था। महायुति में कोई मतभेद नहीं है। मुख्यमंत्री पर फैसला पीएम मोदी और अमित शाह लेंगे। 2 दिसम्बर को महाराष्ट्र का अगला मुख्यमंत्री तय होगा। गृह मंत्रालय पर खींचतान को लेकर उनसे तीन बार सवाल किया गया। शिंदे ने जवाब नहीं दिया। देर शाम को वे मुंबई पहुंच गए।

जनता ने हमें ढाई साल में इतना बड़ा आशीर्वाद दिया है कि पूरी तरह विपक्ष को विपक्ष नेता भी नहीं मिला है। इससे पता चलता है कि हमने इतने कम समय में जो इतना काम किया है ये उसका नतीजा है। मैंने अपनी भूमिका साफ कर दी है। वो जो कहेंगे उन्हें हमारा समर्थन है। सरकार स्थापित हो जाएगी। हमारे सभी तीनों दलों में समन्वय है। हमें क्या मिला यह हमारा फैसला नहीं है, महाराष्ट्र की जनता को क्या मिले यह हमारा फैसला है। हमारी जिम्मेदारी बढ़ गई है, क्योंकि महाराष्ट्र की जनता ने हमें बहुत दिया है अभी हमें उनका विकास करना है। जन कल्याणकारी योजनाओं को आगे बढ़ाना है।

महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन लगे

शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने रविवार को दावा किया कि विधानसभा चुनाव के नतीजों की घोषणा के एक सप्ताह से अधिक समय बाद भी महायुति द्वारा मुख्यमंत्री का फैसला न कर पाना और सरकार न बना पाना महाराष्ट्र का अपमान है। महायुति के सबसे बड़े घटक भाजपा पर निशाना साधते हुए ठाकरे ने कहा- सरकार बनाने का दावा किए बिना ही शपथ ग्रहण की तारीख एकतरफा घोषित करना पूरी तरह अराजकता है। राज्य में अभी तक राष्ट्रपति शासन क्यों नहीं लगाया गया है।

महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में ईवीएम मशीनों की जांच के आवेदन

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में 11 उम्मीदवारों ने अपने जिलों की 137 इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) के माइक्रो-कंट्रोलरों की जांच की मांग की है। इसके लिए कुल मिलाकर 66.64 लाख रुपए का भुगतान भी किया है। इन उम्मीदवारों में एनसीपी (एसपी) के बारामती उम्मीदवार युगेंद्र पवार, एनसीपी (एसपी) के हडपसर उम्मीदवार प्रशांत जगताप और कांग्रेस के पुणे छावनी उम्मीदवार रमेश बागवे शामिल हैं। इन्होंने ईवीएम की जांच के लिए जिला प्रशासन को आवेदन सौंपा है। यह आवेदन चुनाव परिणाम घोषित होने के सात दिनों के अंदर जमा करने थे। यह समय सीमा शुक्रवार को खत्म हो गई।

सड़क हादसे में 3 लोगों की मौत

सिवनी, एजेंसी। मध्य प्रदेश के सिवनी जिले में रविवार को एंबुलेंस के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से तीन लोगों की मृत्यु हो गई और छह अन्य घायल हो गए। एंबुलेंस में सवार व्यक्ति बिहार के पश्चिम चंपारण जिले के निवासी बताए गए हैं।

पुलिस के मुताबिक धूमा थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 34 पर यह हादसा हुआ। घायलों को लखनादौन के अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन हालत गंभीर होने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए जबलपुर भेज दिया गया। आंध्रप्रदेश से एक परिवार एंबुलेंस के जरिए मरीज को लेकर जा रहा था। तभी सिवनी जिले के धारपाठा गांव के पास एंबुलेंस वाहन अनियंत्रित हो गया और सड़क पर पैदल चल रहे क्षेत्रीय निवासी एक व्यक्ति को टक्कर मार दी। इस घटना के बाद अनियंत्रित हुआ एंबुलेंस वाहन सड़क किनारे खंभे से टकराकर कुछ फीट नीचे मैदानी क्षेत्र में जाकर पलट गया। एंबुलेंस में बिहार के पश्चिम चंपारण जिला निवासी शाह परिवार के लोग सवार थे, जो अपने एक घायल परिजन का उपचार कराने के बाद आंध्र प्रदेश के कर्नूल जिले से वापस उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जा रहा था। एंबुलेंस में ड्राइवर और मरीज सहित नौ व्यक्ति सवार थे।

इस भीषण सड़क दुर्घटना में एंबुलेंस में सवार एक महिला और बच्चे सहित तीन लोगों की मौत घटनास्थल पर ही हो गयी। दुर्घटना में घायल छह व्यक्तियों को हाइवे पेट्रोलिंग दल और पुलिस बल की मदद से उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

संभल हिंसा : न्यायिक आयोग ने घटनास्थल पर पहुंचकर जुटाई जानकारी

लखनऊ, एजेंसी। संभल की सदर कोतवाली क्षेत्र में रविवार 24 नवंबर को शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा की जांच के लिए गठित न्यायिक आयोग की टीम रविवार को कोतवाली परिसर पहुंची। हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त जज देवेंद्र कुमार अरोड़ा की अध्यक्षता में टीम ने जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर मौजूदा हालात का जायजा लिया। आयोग की टीम शाही जामा मस्जिद में पहुंचकर वहां की स्थिति का भी जायजा लिया। मुरादाबाद के मंडल आयुक्त आंजनेय कुमार सिंह ने मीडिया को बताया, शासन द्वारा नियुक्त की गई जांच आयोग की टीम ने एक स्थल का दौरा किया। इस दौरान अध्यक्ष और अन्य सदस्य वहां पहुंचे और उस स्थान का निरीक्षण किया। उनका मुख्य उद्देश्य उस स्थान की स्थिति का मूल्यांकन करना था, खासकर उस क्षेत्र का जो हाल ही में हुई घटनाओं से प्रभावित था। जांच आयोग ने वहां उपस्थित लोगों से सवाल किए और उनसे जानकारी प्राप्त की। उनका दौरा सिर्फ निरीक्षण तक सीमित था, और किसी तरह के ▪ शेष पृष्ठ 8 पर

संसदीय समिति ने राज्य सरकारों से जानकारी मांगी

वक्फ की संपत्तियों पर अनधिकृत कब्जे की दें जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार कर रही संसदीय समिति ने विभिन्न राज्य सरकारों से वक्फ संपत्तियों की प्रामाणिकता और अद्यतन विवरण के बारे में जानकारी मांगी है। जिन्हें सच्चर समिति ने अनधिकृत कब्जे वाली संपत्ति बताई थी। संसदीय समिति का कार्यकाल लोकसभा द्वारा अगले बजट सत्र के आखिरी दिन तक बढ़ा दिया गया था। समिति ने वक्फ अधिनियम की धारा 40 के तहत राज्यों से वक्फ बोर्ड द्वारा दावा की गई संपत्तियों का विवरण भी मांगा है।

जेपीसी ने राज्यों से उन संपत्तियों का भी विवरण तलब किया है जिस पर वक्फ बोर्डों ने वक्फ अधिनियम की धारा 40 का इस्तेमाल करते हुए दावा जताया गया था। सूत्रों ने बताया कि संसदीय समिति केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के माध्यम से यह जानकारी एकत्र कर रही है। विभिन्न राज्य वक्फ बोर्डों ने 2005-06 में सच्चर समिति को बताया था कि उनकी जमीन पर अनधिकृत कब्जा है। वक्फ बोर्डों ने कथित तौर पर दावा किया था कि इन संपत्तियों पर विभिन्न राज्य सरकारों या उनकी आधिकारिक एजेंसियों का कब्जा है।

जेपीसी ने अब इन्हीं संपत्तियों का ब्योरा जुटाना चाहती है। भाजपा सांसद जगदंबिका पाल की अध्यक्षता वाली समिति ने पाया कि सच्चर समिति को दी गई जानकारी के मुताबिक, दिल्ली में 316, राजस्थान में 60 और कर्नाटक में 42 ऐसी संपत्तियां हैं। इनके अलावा मध्य प्रदेश में 53, उत्तर प्रदेश में 60 और ओडिशा में 53 ऐसी संपत्तियां हैं। सूत्रों ने बताया कि समिति ने इन सभी छह राज्यों से इस पर मौजूदा स्थिति की अपडेट जानकारी मांगी है।

चतुर्थ पुण्यतिथि

स्व. ललित सुरजन

(22 जुलाई 1946-2 दिसम्बर 2020)

बस्तरः सत्य की कथा

सुबह पाँच बजे
पूरनमासी के दिन
बहुत से घरों में जब
शुरु हो गई हो तैयारी
सत्यनारायण की कथा की,
बस्तर के विलुप्त वनों में
डूबते चंद्रमा के सामने

अपने सच होने का बयान
देने के लिए खड़े हैं उदास
भूरे, बदरंग, नीलगिरि के वृक्ष,
सब कुछ सच-सच कहने के लिए
बैठी हैं, बरसों से
थकी-प्यासी चट्टानें
नदियों के निर्जल विस्तार में

21.05.2000

देशबन्धु परिवार
पुण्य स्मरण करता है

कांग्रेस अध्यक्ष ने रामलीला मैदान में आयोजित विशाल रैली को किया संबोधित, कहा-

भाजपा करती है काटने और बांटने का काम

- किया कटाक्ष- कभी ईवीएम से वोट चुराती है तो कभी एमएलए चुराती है
- संविधान बचा तो हम सब लोग बचेंगे

नई दिल्ली, देशबन्धु। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दरगाह के नीचे शिवलिंग होने संबंधी विवाद पर रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को आड़े हाथों लिया और कहा कि वह सबकी सुरक्षा की बात करती है लेकिन सच यह है कि भाजपा और उसकी विचारधारा काटने के साथ ही बांटने का भी काम करती है। श्री खड़गे ने आज यहां रामलीला मैदान में आयोजित विशाल रैली को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा आरएसएस की नीति विवाद खड़े करना है। इसी नीति का परिणाम है कि आज सर्वेक्षण करवा कर विवाद खड़ा कर समाज को बांटने की राह पर चलते हुए समाज को बांटने का भी काम चल रहा है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, आज देश में हर जगह सर्वे वाले ये पता लगा रहे हैं कि कहां पहले मंदिर थे और कहां मस्जिद थी। लेकिन 2023 में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था- 'हमारा लक्ष्य राम मंदिर बनाने का था, हर मस्जिद के नीचे शिवालय ढूंढना गलत है।' जब भाजपा आरएसएस वाले ही ये बातें कह रहे हैं तो फिर सर्वे के नाम पर खोद-खोदकर झगड़ा क्यों लगाया जा रहा है। हम सभी तो एक हैं।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहते हैं-'एक हैं तो सेफ हैं'.. लेकिन आप सेफ रहने ही नहीं दे रहे। सच्चाई ये है कि काटने वाले भी आप हैं और बांटने वाले भी आप हैं। भाजपा पर अनैतिकतापूर्ण काम करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, भाजपा नैतिकता की सिर्फ बातें करती है, लेकिन अनैतिक काम करती है। वो कभी ईवीएम से वोट चुराती है तो कभी आपके चुने हुए एमएलए चुराती है। कभी आपकी पेंशन चुराती है तो कभी किसानों की एमएसपी चुराती है। कई बार शिकायतें आती हैं कि चुनाव हो जाने के बाद भी ईवीएम में 99 प्रतिशत बैटरी बची रह गई, तो कभी एक घंटे में हजार वोट डाल दिए गए। इसलिए ये बहुत जरूरी है कि हम साथ मिलकर लोकतंत्र को बचाएं। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने लोगों से एकजुट होकर संविधान को बचाने की बात कही। खड़गे ने कहा कि जब हम लोगों को किसी चीज को हासिल करना है तो एकता होनी बहुत जरूरी है। जब तक एकता नहीं आएगी, तब तक आप लोग कुछ भी हासिल नहीं कर पाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि मैं इसलिए कह रहा हूं कि अगर हम टुकड़े टुकड़ों में बाटेंगे और कन्याकुमारी से कश्मीर तक एक नहीं होंगे, तब तक हम कोई चीज हासिल नहीं कर सकते। आपका एक संगठन नहीं, देश के सभी संगठन चाहते हैं कि इस देश में संविधान को बचाना चाहिए। संविधान बचा तो हम सब लोग बचेंगे। इसलिए हमको एक रहकर इस संविधान को बचाना होगा और हर पार्टी के लोग अपने-अपने हिसाब से काम कर रहे हैं। उसके साथ ही हमको लोकतंत्र को भी बचाना है। लोकतंत्र नहीं बचेगा तो आपकी हिस्सेदारी नहीं बढ़ेगी। संविधान बाबा साहेब अंबेडकर की देन है। अंग्रेजों के जमाने में सिर्फ कुछ लोगों को ही वोटिंग का अधिकार था, जिनमें जमींदार और अमीर लोग हुआ करते थे। लेकिन पंडित जवाहरलाल नेहरू ने प्रधानमंत्री बनने के बाद सार्वभौमिक मताधिकार के साथ सभी को वोटिंग का अधिकार दिया था।

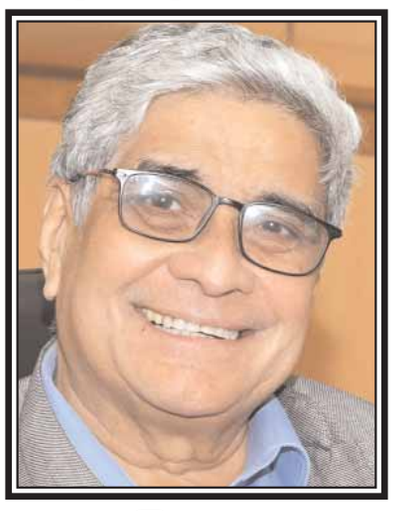

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ सकल हिंदू समाज का प्रदर्शन कल

बैतूल, देशबन्धु। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार, और कट्टरपंथियों के विरोध में सकल हिंदू समाज द्वारा 3 दिसंबर, मंगलवार को न्यू बैतूल स्कूल ग्राउंड से विशाल रैली का आयोजन किया जाएगा। यह रैली दोपहर 1 बजे शुरू होकर शिवाजी ऑडिटोरियम पहुंचेगी, जहां सभा का आयोजन होगा। आयोजकों ने सभी हिंदू भाई-बहनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस प्रदर्शन को सफल बनाने की अपील की है। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर अत्याचारों का सिलसिला बढ़ता जा रहा है। 5 अगस्त 2024 से शुरू हुए इन हमलों में सैकड़ों हिंदुओं की हत्या और उनके घरों को जलाने की घटनाएं सामने आई हैं। मंदिरों को तोड़ा जा रहा है, मूर्तियों को खंडित किया जा रहा है, और हिंदू महिलाओं को निशाना बनाया जा रहा है। खुलना, चटगांव, सिल्हट और ढाका सहित बांग्लादेश के कई हिस्सों में हिंदुओं पर हमले हो रहे हैं। खुलना डिवीजन के जशोर शहर में 5 अगस्त की रात को 200 हिंदू परिवारों के घरों को लूटकर आग के हवाले कर दिया गया। महिलाओं को अगवा किया गया, और पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। सिर्फ आम हिंदू नागरिक ही नहीं, बल्कि शिक्षक, कलाकार और उद्योगपति भी इन हमलों का शिकार हो रहे हैं। चांदपुर जिले के गल्लक आदर्श डिग्री कॉलेज के प्राचार्य हरिपद दास को छात्रों ने अमानवीय तरीके से अपमानित किया।हिंदुओं के विरोध प्रदर्शन से बांग्लादेश की सरकार बौखला गई। उसने इस्कॉन के प्रमुख संत, चिन्मय कृष्णदास ब्रह्मचारीज को देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया। इसके विरोध में हिंदुओं ने प्रदर्शन किये तो शुक्रवार को जुम्मे की नमाज के बाद, कट्टरपंथियों ने, बड़े शहरों के अनेक मंदिरों पर आक्रमण करके, मंदिरों में स्थापित भगवान की मूर्तियों को ध्वस्त किया है। इन हमलों के बावजूद, बांग्लादेश के हिंदू समुदाय ने साहस दिखाया। 26 अक्टूबर को चटगांव के लालदीघी मैदान में लाखों हिंदुओं ने 'सनातन जागरण मंच' के बैनर तले प्रदर्शन किया। इसके जवाब में कट्टरपंथियों ने और हमले तेज कर दिए। सकल हिंदू समाज ने इस मुद्दे पर जागरूकता फैलाने और समर्थन जुटाने के लिए यह रैली आयोजित की है। वक्ताओं का कहना है कि हमें बांग्लादेश के हिंदुओं के साथ खड़ा रहकर उनकी आवाज को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाना होगा।

36वीं राष्ट्रीय डाक हॉकी स्पर्धा आज से

भोपाल,देशबन्धु। 36वीं अखिल भारतीय डाक हाकी प्रतियोगिता भोपाल में 2 दिसंबर से शुरू होगा। 6 दिसंबर तक चलने वाले टूर्नामेंट में 6 राज्यों के सवा सौ से ज्यादा खिलाड़ी शामिल होंगे। मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल विनीत माथुर ने बताया, कि प्रतियोगिता का उद्घाटन 2 दिसंबर की सुबह 10 बजे होगा। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि सचिव डाक वंदिता कौल और भारतीय हाकी टीम के पूर्व खिलाड़ी सैयद जलालुद्दीन रिजवी रहेंगे। प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश के अलावा महाराष्ट्र तमिलनाडु, कर्नाटक, ओड़िसा और पंजाब समेत कुल छह डाक परिमंडलों की टीमें हिस्सा लेंगी। इनमें से कई टीमें तो भोपाल भी आ चुकी हैं, जो अभ्यास में जुटी हुई हैं। यह प्रतियोगिता लिंक रोड नंबर-1 स्थित मेजर ध्यानचंद हाकी स्टेडियम में खेली जाएगी। उद्घाटन वाले दिन एक लीग मैच ही खेला जाएगा। इसके बाद शुरुआत तीन दिन तक सिर्फ लीग मैच होंगे। प्रतियोगिता का समापन 6 दिसंबर को शाम 4 बजे किया जाएगा, जिसमें मुख्य अतिथि हॉकी के राष्ट्रीय खिलाड़ी विवेक सागर प्रसाद रहेंगे।

डीजीआरओ को शिकायत दर्ज कराएं

भोपाल,देशबन्धु। खादय सुरक्षा अधिनियम अंतर्गत बाह्य शिकायत निवारण तंत्र जिला शिकायत निवारण अधिकारी डीजीआरओ को शिकायत दर्ज कराने के प्रावधान है। प्रावधान अनुसार आम नागरिक सीएम हेल्पलाइन 181 पर कॉल करके अथवा ऑनलाईन भी डीजीआरओ को शिकायत दर्ज करा सकते है। आम नागरिकों द्वारा सीएम हेल्पलाइन 181 पर डीजीआरओ से संबंधित 4 श्रेणी की शिकायतें दर्ज कराई जा सकती है। जिला आपूर्ति नियंत्रक ने बताया कि डीजीआरओ को प्रस्तुत पात्रता पर्ची न मिलने से राशन न मिलने एवं अन्य संबंधी जिला शिकायत निवारण अधिकारी, डीजीआरओ को प्रस्तुत उचित मूल्य की दुकान से राशन न मिलने एवं अन्य संबंधी जिला शिकायत निवारण अधिकारी,डीजीआरओ को प्रस्तुत शालाओं में मध्यान भोजन न मिलने एवं अन्य संबंधी जिला शिकायत निवारण अधिकारी, डीजीआरओ को प्रस्तुत आंगनबाड़ी में खाद्यान न मिलने एवं अन्य संबंधी जिला शिकायत निवारण अधिकारी को शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

व्यंकटेश नगर में 67 लाख रुपए लागत से बन रहा आधुनिक पार्क

विधायक , नगर पालिका अध्यक्ष और पार्षद ने किया भूमिपूजन

इटारसी, देशबन्धु। नगरपालिका परिषद इटारसी अमृत 2.0 ग्रीन स्पेस डेव्हलपमेंट योजना के तहत 67 लाख रुपये लागत से पुरानी इटारसी के वार्ड 33 व्यंकटेश नगर में आधुनिक पार्क बनाने जा रही है। पार्क निर्माण का भूमिपूजन आज विधायक डॉ सीतासरन शर्मा, नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे, पार्षद श्रीमती राजेश्री धूरिया, पार्षद प्रतिनिधि रमेश धूरिया, भाजपा महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष श्रीमती बबीता चौहान ने किया। विधायक डॉ सीतासरन शर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि आपका आशीर्वाद हमें मिलता है, इसलिए हमारा फर्ज बनता है कि हम आपका काम करें। बहुत साल पहले हमने व पूर्व सांसद स्व सरताज सिंह ने पुलिया का भूमिपूजन कर बनवाई थी, पहले यहां आ भी नहीं पाते थे। इसके बाद हमने रमेश धूरिया को टिकट दी, वह जीत गए और इसके बाद यहां काम शुरू हुए। विधायक डॉ शर्मा ने कहा कि एक नई बात, देखने को मिली। यहां अध्यक्ष ने नक्शा टांग दिया, कि लोगों को दिखे, की क्या करवा रहे हैं। डॉ शर्मा ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी कहते थे, एक रुपये भेजता हूं तो 15 पैसे पहुंचते हैं। पहले कांग्रेस के समय में कुछ पता नहीं होता था कि पैसा कहां जा रहा। पहले अधिकारी, नेताओं की जेब में आपका पैसा जाता था। यहां यह देखकर बड़ा अच्छा लगा। डॉ शर्मा ने कहा कि सब कुछ अध्यक्ष ने सार्वजनिक कर दिया। डॉ शर्मा ने कहा कि मैं पहले टर्न में 10 साल विधायक था, लेकिन वह कांग्रेस के समय में था। भाजपा के शासन में पैसा बहुत आ रहा है काम करने के लिए। नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने कहा कि बहुत दिनों से यहां पार्क के लिए मांग थी, लेकिन पिछले वर्ष यह घड़ी आई और अमृत योजना 2.0 आई, तब हमने विधायक डॉ शर्मा की मंशा से पुरानी इटारसी के दो क्षेत्र को चुना। इसके अलावा वार्ड 02 में भी एक पार्क अमृत 2.0 से बनेगा। नपाध्यक्ष ने कहा कि यह पार्क आप लोगों के अलावा आसपास के सभी नागरिकों के लिए बन रहा है। नपाध्यक्ष श्री चौरे ने कहा कि ठेकेदार साहब से आग्रह है कि यह बड़े प्रोजेक्ट का पार्क है। इसलिए अच्छी क्वालिटी से बनाएं। उन्होंने जनता से भी कहा कि सामने नक्शा लगा है इसकी फोटो ले लें, जैसा हम अपना मकान बनवाते हैं उसी तरह पार्क बनवाएं। उन्होंने ठेकेदार से पूछा कि कब से काम शुरु कर रहे हैं, तो ठेकेदार ने कहा कि 10 दिन में काम शुरु करता हूं।

तो अध्यक्ष श्री चौरे ने कहा कि नहीं दो से तीन दिन में काम शुरु करें, उन्होंने कहा कि ये गिट्टी और रेत क्यों डाली फिर। स्वागत भाषण नगरपालिका सीएमओ श्रीमती ऋतु मेहरा ने दिया व आभार पार्षद श्रीमती राजेश्री रमेश धूरिया ने जताया। इस अवसर पर सीएमओ श्रीमती ऋतु मेहरा, नपा उपाध्यक्ष निर्मल सिंह राजपूत, उपयंत्री श्रीमती मीनाक्षी चौधरी, सभापति राकेश जाधव, मनजीत कलोसिया, उपयंत्री मयंक अरोरा, पार्षद कुंदन गौर, शुभम गौर, विधायक प्रतिनिधि देवेंद्र पटेल, सामाजिक कार्यकर्ता मनीष ठाकुर, पार्षद प्रतिनिधि राजकुमार यादव, राजकुमार बाबरिया, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष राजू बकोरिया, भाजपा नगर मंडल महामंत्री राहुल चौरे, उपाध्यक्ष शैलेंद्र दुबे, दिनेश श्रीवास, सूर्यप्रकाश मिश्रा व अन्य मौजूद थे।

इस तरह बनेगा

वार्ड 33 में बन रहे पार्क में बाउंड्रीवाल, आकर्षक पेड, बेंच, आउटडोर जिम, चिन्ड्रन पार्क, पाथवे, जागिंग ट्रेक, टयूबवेल, टॉयलेट और पार्किंग, गार्ड रुम व अन्य चीजें होंगी।

यह की घोषणा

विधायक डॉ शर्मा ने कहा घोषणा की है कि उन्होंने दो सड़कों के लिए 8 लाख रुपये अभी स्वीकृत किए हैं। पार्षद ने दो और सड़क की डिमांड रखी हैं। उन्हें भी मार्च तक कर देंगे। उन्होंने नगरपालिका अध्यक्ष श्री चौरे से कहा कि पार्क में जो ट्यूबवेल खनन होगा, उससे जनता को भी पानी दिया जाए।

वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ ने किया मान्यता चुनावों के लिए जनसंपर्क

इटारसी, देशबन्धु। वेस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर संघ मुख्य शाखा इटारसी ने सघन जनसंपर्क किया। जोनल महामंत्री अशोक शर्मा, मंडल अध्यक्ष राजेश पांडे मंडल के मार्गदर्शन में कोषाध्यक्ष भागीरथ मीणा, मुख्य शाखा के अध्यक्ष प्रीतम तिवारी, सचिव योगेश चौरे, मुख्यालय कार्यकारिणी सदस्य राजेश गौर, अजय द्विवेदी, रविंद्र चौधरी, सौरभ गुप्ता, संतोष चतुर्वेदी, अर्जुन ऊंटवार, गुलाब सरोदे, संतोष दुबे, विष्णु, दुर्गेश के नेतृत्व में कोऑर्डिनेटर कुंदन अगलावे, मिलन गुप्ता, तरुण शुक्ला, आकाश यादव, हेमराज सिसोदिया ने टीम बनाकर अलग-अलग स्थान पर भेजा।सुबह जुझारपुर में सैकड़ों ट्रैकमैन साथियों से जनसंपर्क किया वहीं मुख्य शाखा के द्वारा धरम कुंडी, डोलरिया, बानापुरा स्टेशन पर प्रत्येक रेल में कर्मचारियों के साथ जाकर लाल झंडे की खामियां जिन्होंने एनपीएस और यूपीएस रेलवे कर्मचारियों पर थोपा है, वहीं ओल्ड पेंशन स्कीम, आठवा वेतन एवं ईसीसी बैंक में रेलवे कर्मचारियों के बच्चों को स्वतंत्रता से नौकरी मिले इसमें पारदर्शिता से सभी काम हों इसके लिए मान्यता के चुनाव में संघ को जिताने की अपील की।

आज निकालेंगे वाहन रैली

कल सोमवार को डीजल शेड से शाम 3:45 पर वाहन रैली निकाली जाएगी। रैली में मुख्यालय कार्यकारिणी सदस्य महाकाल कश्यप, नितिन ओमकार, राजेश यादव, सुनील तुकाराम, श्याम निर्मल एवं इटारसी की पांचों शाखाओं के सैकड़ों रेलवे कर्मचारी, युवा, महिला विंग के सदस्यों के साथ मंडल अध्यक्ष राजेश पांडे भाग लेंगे। रैली जयस्तंभ चौक पर समाप्त होगी। उक्त जानकारी मुख्य शाखा के अध्यक्ष प्रीतम तिवारी ने दी है।

राजवीर जम्मू -कश्मीर में करेंगे मध्यप्रदेश फुटबाल टीम का नेतृत्व

इटारसी, देशबन्धु। नगर के फुटबाल खिलाड़ी राजवीर सोनिया 68 वी अंडर-17 राष्ट्रीय शालेय फुटबाल प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश की फुटबाल टीम का नेतृत्व करेंगे। राजवीर की इस उपलब्धि पर उनकी टीम और साथी फुटबाल खिलाड़ियों ने उनको शुभकामनाएं दी हैं।68 वी अंडर-17 राष्ट्रीय शालेय फुटबॉल प्रतियोगिता जम्मू-कश्मीर में 30 नवबर से 04 दिसंबर तक आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता में न्यूयार्ड इटारसी के निवासी एवं कमला देवी स्कूल भोपाल के राजवीर सोनिया मध्यप्रदेश टीम में कप्तान के लिए चयन हुआ है। इस उपलब्धि पर नव जाग्रति फुटबाल क्लब के सचिव आशीष डेविड, कोषाध्यक्ष महेश राजपूत, मैनेजर उदित राजपूत, मयूर चांदवे, राजवीर सोनिया के पिता बलराम सोनिया, जिला फुटबॉल संघ के सचिव दीपक परदेशी एवं क्लब के सभी खिलाड़ी साथियों ने उन्हें जम्मू कश्मीर प्रतियोगिता के लिए रवाना किया एवं शुभकामनाएं दी।

राष्ट्रीय मींस कम मैरिट परीक्षा में शामिल हुए छात्र-छात्राएं

इटारसी, देशबन्धु। आज 01 दिसंबर 2024 को कक्षा आठवीं में अध्ययनरत बच्चों की राष्ट्रीय मींस कम मेरिट छात्रवृत्ति परीक्षा 2024 का आयोजन शासन के निर्देशानुसार किया गया। परीक्षा में पीएमश्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला इटारसी एवं शासकीय माध्यमिक शाला सोनासांवरी के छात्र-छात्राओं ने शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला नर्मदापुरम परीक्षा केंद्र पर पहुंच कर अपनी उपस्थिति दी। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला के प्रधान पाठक महेश कुमार रैकवार, शिक्षक श्याम सुंदर दीवान एवं श्रीमती सविता चौरे, सोनासांवरी से प्रधान पाठक श्रीमती ज्योति नामदेव एवं श्रीमती अंशु पटेल बच्चों के साथ परीक्षा केंद्र उपस्थित हुए। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला सूरजगंज इटारसी की 26 छात्राएं परीक्षा में सम्मिलित हुई एवं सभी छात्रों को प्रधान पाठक महेश कुमार रायकवार ने परीक्षा में सफल होने के लिए शुभकामनाएं दीं।

उप्र में हुई ऑल इंडिया हॉकी प्रतियोगिता में इटारसी ने बिहार को 4-1 से हराया

इटारसी, देशबन्धु। अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता चरखारी उत्तर प्रदेश में हॉकी इटारसी ने बिहार की हॉकी टीम को 4-1 गोल से हराकर प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया। इटारसी टीम के गोल कीपर सन्नी सेन को मैन ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब मिला है। गौरतलब है कि हॉकी इटारसी ने अपने प्रथम मैच में कोटा राजस्थान को 4-1 से एवं अपने द्वितीय मैच में भोपाल को 4-1 से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया था।

टीम ने सेमीफाइनल में केनरा बैंक बंगलौर को पेनाल्टी स्ट्रोक में पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया था। आज हॉकी इटारसी टीम ने बिहार की टीम को फाइनल में 4-1 से पराजित कर अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता अपने नाम की। हॉकी इटारसी की इस जीत पर वरिष्ठ खिलाड़ी और मार्गदर्शक एससी लाल, डीएचए के जिलाध्यक्ष प्रशांत जैन, सचिव कन्हैया गुरयानी, कार्यकारी अध्यक्ष शिरीष कोठारी, रविन्द्र जोशी, जयराज सिंह भानू, कोषाध्यक्ष सर्वजीत सिंह सैनी, उपाध्यक्ष डॉ. ताविश अरोरा, राहुल चौरे सहित वरिष्ठ खिलाड़ी अरुण रावर्ट, दीप सिंह ठाकुर, साजिद मलिक, आरिफ खान, मो. जाफर सिद्दीकी, मयंक जेम्स, अजय अल्वर्ट जोसेफ, हिमांशु बाबू अग्रवाल, नितिन राज आदि अनेक खिलाड़ियों ने टीम को बधाई प्रेषित की है।

अमिताभ बच्चन से चार सुधार हनुमान चालीसा लेकर मिलीं कान्हा फाउंडेशन की अध्यक्ष

इटारसी, देशबन्धु। श्री कान्हा फाउंडेशन ने संपूर्ण भारत में जगद्गुरु रामभद्राचार्य द्वारा संशोधित 'चार सुधार हनुमान चालीसा' को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया है। इस पुनीत कार्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करने हेतु श्रीमती अनीता खंडेलवाल और सुनील खंडेलवाल ने 'कौन बनेगा करोड़पति' के सेट पर अमिताभ बच्चन से भेंट की। श्री कान्हा फाउंडेशन की अध्यक्ष श्रीमती अनीता खंडेलवाल ने इस अद्वितीय पहल के बारे में जानकर अमिताभ बच्चन ने फाउंडेशन की सराहना की। श्रीमती खंडेलवाल ने कहा कि यह श्री कान्हा फाउंडेशन के लिए अत्यंत गर्व का विषय है, और हम दृढ़ संकल्पित हैं कि प्रभु श्री हनुमान की कृपा से इस सुधारित हनुमान चालीसा को हर घर, हर मंदिर, और हर समुदाय तक पहुंचाएंगे। उन्होंने नागरिकों से अनुरोध किया है कि नागरिक इस प्रयास में सहयोगी बनें। पुस्तक की जितनी भी आवश्यकता हो, हमें अवगत कराएं। हम आपके क्षेत्र में इसे कोरियर सेवा के माध्यम से पहुंचाएंगे, ताकि आप अपने परिवार, मंदिरों, और समुदाय में इसका वितरण कर सकें।

बिजली विभाग ने बदला शेड्यूल, अब आज होगी तीन घंटे की कटौती

इटारसी, देशबन्धु। शहर में मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यालय के द्वारा पुरानी इटारसी स्थित ट्रैक्टर स्कीम उप केंद्र से संचालित 11केवी कोर्ट परिसर शिवराजपुरी फीडर एवं पुरानी इटारसी फीडर में रविवार को सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक मेंटेनेंस कार्य करना था, कतिपय कारणों से विभागी ने इस शेड्यूल में बदलाव किया है, अब यह कार्य 2 दिसंबर को किया जाएगा। इस दौरान 3 घंटे की बिजली कटौती की जाएगी। इस दौरान दीवान कॉलोनी, कोर्ट एरिया, बारह बंगला, नरेंद्र नगर, पलकमती नगर, वर्मा कॉलोनी, सनखेड़ा नाका, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, पिंक सिटी, प्रधान मोहल्ला, पटेल मोहल्ला, पुरानी इटारसी कावड़ मोहल्ला, प्रजापति मोहल्ला, दक्षिण बंगलिया एवं श्रीराम नगर क्षेत्र विद्युत कटौती से प्रभावित रहेंगे।

संयुक्त व्यापार महासंघ युवा शाखा के सम्मेलन में सदस्यता अभियान पर दियाजोर

इटारसी, देशबन्धु। संयुक्त व्यापार महासंघ रजिस्टर्ड युवा शाखा का सम्मेलन आज सभी ट्रेड व्यापारियों के संगठन के पदाधिकारी की उपस्थिति में साईं कृपा मैरिज गार्डन सोनासांवरी में हुआ सभी संगठनों के अध्यक्ष एवं सचिवों ने अपने-अपने विचार सुझाव एवं समस्याएं रखीं। संयुक्त व्यापार महासंघ इटारसी का सदस्यता अभियान पर संयुक्त व्यापार महासंघ के सदस्यता प्रभारी राजेंद्र अग्रवाल बबलू ने प्रकाश डाला और सभी सहप्रभारी को इस बार संयुक्त व्यापार महासंघ ने अधिक से अधिक सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा है। संयुक्त व्यापार महासंघ का नववर्ष मिलन समारोह जनवरी में करने का प्रस्ताव पास हुआ। संरक्षक सुधीर गोठी, राजेंद्र सोनी, मोहन खंडेलवाल मंचासीन थे। मुख्य शाखा की ओर से सचिव सम्मुखदास सनी चेलानी एवं कोषाध्यक्ष राजेंद्र बबलू अग्रवाल विशेष रूप से आमंत्रित रहे। युवा शाखा के अध्यक्ष प्रमेश जैन, उपाध्यक्ष संदेश अग्रवाल, शशांक जैन सोनू, महामंत्री विशाल बबलू अग्रवाल, मंत्री मुकेश साहू, रोहित चौरसिया एवं सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे। संचालन उपाध्यक्ष धर्मेश सिंघवी ने आभार प्रदर्शन युवा महामंत्री विशाल बबलू अग्रवाल।

महर्षि इंटर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता

महर्षि सेंटर फॉर एजुकेशनल एक्सीलेंस, सागर पब्लिक और सेज इंटरनेशनल स्कूल की जीत

भोपाल,देशबन्धु। महर्षि सेंटर फॉर एज्युकेशनल एक्सीलेंस, लाम्बाखेडा में आयोजित महर्षि इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट 2024-25 में तीन रोमांचक मैच खेले गए। इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे स्कूलों के बीच जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिली।

पहला मैच गुरुकुल स्कूल बनाम महर्षि सेंटर फॉर एजुकेशनल एक्सीलेंस जूनियर (अंडर 17) के बीच हुआ। इसमें गुरुकुल स्कूल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर भी पूरे नहीं किए और 6 ओवर 5 गेंदों में 83 रन पर ऑल आउट हो गए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी महर्षि सेंटर फॉर एजुकेशनल एक्सीलेंस की टीम ने मात्र 6 ओवर 1 गेंद में 5 विकेट खोकर जीत हासिल कर ली। महर्षि सेंटर की ओर से कृष्णा पटवा ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 10 गेंदों पर 16 रन बनाए और गेंदबाजी में 2 ओवर में 18 रन देकर 5 विकेट झटके। उनके प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। इस मैच का सबसे रोमांचक पल तब था जब महर्षि सेंटर के सर अनिल लोखंडे ने एक ओवर में पांच गेंदों पर लगातार पांच छक्के लगाए। दूसरा मैच सागर पब्लिक स्कूल रातीबड़ और महर्षि विद्या मंदिर त्रिलंगा के मध्य हुआ। इसमें सागर पब्लिक स्कूल रातीबड़ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 4 विकेट खोकर 125 रन बनाए। जवाब में महर्षि विद्या मंदिर त्रिलंगा की टीम 10 ओवर में 4 विकेट खोकर सिर्फ 87 रन ही बना सकी। सागर पब्लिक स्कूल की टीम ने यह मैच 38 रनों से जीत लिया। कृष्णा तोमर को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने 25 गेंदों पर 45 रन बनाए। वहीं तीसरा मैच सेज इंटरनेशनल स्कूल बनाम ब्रिगेडियर त्रिवेदी मेमोरियल स्कूल के बीच खेला गया। इसमें सेज इंटरनेशनल स्कूल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 7 विकेट खोकर 135 रन बनाए। जवाबी पारी में ब्रिगेडियर त्रिवेदी मेमोरियल स्कूल की टीम 10 ओवर में 9 विकेट खोकर सिर्फ 47 रन ही बना सकी। सेज इंटरनेशनल स्कूल ने यह मैच 88 रनों से जीत लिया। कार्तिक ने सेज के लिए 12 गेंदों पर 38 रन बनाए और गेंदबाजी में 3 ओवर में 12 रन देकर 2 विकेट लिए। उनके प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

देशबन्धु संवाददाता की मदद से रक्त की जरुरत हुई पूरी

भोपाल, देशबन्धु। *देशबन्धु समाचार पत्र समूह परिवार सदैव मानवीय संवेदनाओं और जरुरतमंदों के सहयोग के लिए तत्पर रहता है। इसी कड़ी में देशबन्धु के भोपाल के संत हिरदाराम नगर संवाददाता विकास गिदवानी की मदद से एक परदेशी की रक्त की जरुरत पूरी हुई।*

दरअसल छतरपुर निवासी सत्यम दुबे के बुजुर्ग दादाती राजधानी के एक निजी अस्पताल में भरती है और उनका आपरेशन होना था। इसके लिए दो यूनिट रक्त की जरुर थी सत्यम द्वारा कई प्रयासों के बाद भी रक्त नहीं मिल पा रहा था। इसी बीच वे देशबन्धु संवादाता विकास गिदवानी के संपर्क में आ गए। श्री गिरवानी ने उनकी परेशानी को गंभीरता से लिया और अपने परिचितों के माध्यम से भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और छतरपुर सांसद वीडी शर्मा के स्टाफ से संपर्क कर उन्हें सत्यम दुबे की परेशानी से अवगत कराया और उनकी मदद का आग्रह किया। इस पर श्री शर्मा के स्टाफ ने महज दो घंटे में सत्यम की जरुरतों की सभी व्यवस्थाएं करवा दी। इसके चलते उनके दादाजी का सफल आपरेशन हो गया। इसके लिए सत्यम ने सांसद, उनके स्टाफ और पत्रकार श्री गिदवानी को धन्यवाद देते हुए उनका आभार जताया।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

विश्व एड्स दिवस पर साइकिल रैली संपन्न

हरदा, देशबन्धु। विश्व एड्स दिवस के अवसर पर ग्राम गवासेन से बोरी तक साइकिल रैली का आयोजन किया गया। कलेक्टर आदित्य सिंह ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और इसके बाद कलेक्टर श्री सिंह भी साइकिल रैली में शामिल हुए। साइकिल रैली में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर एच.पी. सिंह, डॉ. ममता जीवने एवं स्वास्थ्य, राजस्व व वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी भी शामिल हुए। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्राम बोरी में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन भी किया गया। शिविर में 46 लोगों की शुगर , डायबिटीज एवं बीपी की जांच की गई एवं उन्हें आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई गई।

जमना जैसानी फाउण्डेशन नए स्टेडियम के लिए सौंपेगा ज्ञापन

हरदा, देशबन्धु। नगर में आजादी के बाद से एक ही खेल मैदान है। बढ़ती आबादी और छात्रों की संख्या को देखते हुए नए स्टेडियम की मांग के लिए आज सोमवार को जमना जैसानी फाउंडेशन द्वारा कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा जाएगा। फाउंडेशन के सदस्य शांति कुमार जैसानी ने कहा कि हरदा में लगभग 40 हजार से ज्यादा स्टूडेंट है और एक स्टेडियम है। उन्होंने बताया खंडवा बस स्टैंड के पास नगरपालिका की लगभग 4 एकड़ जमीन है वहां एक बड़ा स्टेडियम बन सकता है।

धान उपार्जन में आने वाली तकनीकी समस्याओं के समाधान हेतु तकनीकी सेल गठित

नर्मदापुरम, देशबन्धु। नर्मदापुरम कलेक्टर सोनिया मीना ने उप सचिव, म.प्र.शासन, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल से जारी उपार्जन नीति एवं उपार्जन के क्रियान्वयन हेतु निर्धारित स्क्ल्क की कंडिका 19.8 अनुसार खरीफ विपणन मौसम वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन में आने वाली तकनीकी समस्याओं के समाधान हेतु तकनीकी सेल का गठन किया है। उक्त तकनीकी सेल में श्री मनीष गुणवान, जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी, जिला सूचना एवं विज्ञान केन्द्र नर्मदापुरम एवं श्री संदीप चौरसिया, जिला प्रबंधक ई-गर्वेनेस जिला नर्मदापुरम को धान उपार्जन में आने वाली तकनीकी समस्याओं के समाधान हेतु नियुक्त किया गया है। उक्त तकनीकी सेल समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन 2 दिसम्बर से 20 जनवरी तक सेवा सहकारी समितियों के द्वारा किये जा रहे उपार्जन में आने वाली तकनीकी समस्या का समाधान करेगी।

रेत के अवैध उत्खनन व परिवहन में शामिल 2 ट्रेक्टर जप्त

हरदा, देशबन्धु। जिले में कलेक्टर आदित्य सिंह के निर्देशन में खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण की रोकथाम की कार्यवाही लगातार जारी है। जिला खनिज अधिकारी आरपी कमलेश ने बताया कि खनिज विभाग द्वारा तहसील टिमरनी अन्तर्गत अवैध उत्खनन और परिवहन की जांच की गई। जांच के दौरान ग्राम छिदगांव मेल की गंजाल नदी में जान डियर ट्रेक्टर मे रेत का अवैध उत्खनन कर रेत भरते हुए पाया गया। ट्रेक्टर को चालक सन्तोष पिता सुगनलाल तंवर निवासी छिदगांव मेल तहसील टिमरनी से जप्त कर थाना टिमरनी मे खड़ा कराया गया। इसके अलावा हरदा से छिपानेर रोड़ पर भ्रमण के दौरान फोरलेन बायपास के पास बिना नम्बर के पावरटेक ट्रेक्टर द्वारा रेत का अवैध परिवहन पाया गया, ट्रेक्टर को चालक भागवत पिता गोकुल प्रसाद निषाद निवासी अजनई तहसील हंडिया से जप्त कर थाना कोतवाली हरदा में खडा किया गया। इस प्रकार रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन मे संलग्न एक-एक ट्रेक्टर टिमरनी और हरदा में खनिज विभाग द्वारा जप्त किया गया है। इन दोनो वाहनो पर गौण खनिज नियमो के तहत कारवाई प्रस्तावित की जावेगी। जिले मे खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन की रोकथाम की कार्यवाही सतत जारी रहेगी।

नशा सबसे बड़ी चुनौती, बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार देना जरूरी: डा.गोवर्धनराम

विश्नोई समाज का पांच दिनी अगहन महोत्सव का हुआ समापन

प्रतिभा सम्मान आयोजित

हरदा, देशबन्धु। आज हम सबके सामने नशा सबसे बड़ी चुनौती है। बच्चों को शिक्षा के साथ साथ संस्कार देना जरूरी है। कोई भी समाज बिना शिक्षा के विकास नहीं कर सकती है। युवाओं को हमें नशे की प्रवृत्ति से बचाना है। बच्चों को शिक्षा के साथ साथ संस्कार देना भी जरूरी है। विश्नोई समाज के पांच दिवसीय अगहन महोत्सव के समापन अवसर पर रविवार को नीमगांव स्थित श्रीगुरु जम्भेश्वर मंदिर में यह बातें समाज के संत आचार्य डा.गोवर्धनराम शिक्षा शास्त्री ने कही।

आचार्य डा.गोवर्धनराम ने समाज के लोगों को चेताते हुए कहा कि जब बच्चे कालेज में पहुंचे तो उनका विशेष ध्यान रखो। बच्चों की संगत अच्छी होनी चाहिए ताकि वह भविष्य का निर्माण कर सकें। कालेज के टापर के साथ आपके बच्चे की संगत होनी चाहिए ताकि वह भी सिर्फ पढ़ाई पर ध्यान दे सके। उन्होंने कहा कि आज कल एमडी नशे का कारोबार बढ़ता जा रहा है। समाज के युवा इस नशे की लत में न आए यह विशेष ध्यान रखना है।

समाज के सचिव पूनमचंद पवार ने गत वर्ष के अगहन महोत्सव का आय व्यय और समाज के विभिन्न निर्माण कार्यों की जानकारी दी। समाज के पूर्व अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता आरडी झूरिया ने संबोधन में कहा कि समाज में विवाह या सगाई विच्छेद ना हो इसके लिए समाज के लोग पूरी जिम्मेदारी के साथ रिश्ते करें। कार्यक्रम का संचालन करते हुए सुहागमल पंवार ने कहा कि समाज के मेधावी बच्चों के अलावा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नाम रोशन करने वाली प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। समाज के अध्यक्ष आत्माराम पटेल ने आभार व्यक्त करते हुए समाज को एक रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम में मनोज पूनिया ने स्व. सोहनलाल पूनिया खमलाय की स्मृति मुकाम धर्मशाला में एक कमरा बनाने के लिए एक लाख 11 हजार तथा एक लाख रुपये की राशि सत्यनारायण बेनीवाल सोनखेड़ी ने नीमगांव मंदिर के रंग रंगोन के लिए दिए। समाज के किसी की मृत्यु के बाद होने वाले बारहवें दिन का भोजन बंद करने का निर्णय लिया। घर बैठने के लिए नौ दिन का समय रखा जाएगा। इस दौरान समाज के पूर्व अध्यक्ष बद्रीप्रसाद कालीराणा, पूर्व अध्यक्ष व न्याय समिति के अध्यक्ष हीरालाल खोखर, कोषाध्यक्ष श्यामलाल बाबल, उपाध्यक्ष हरनारायाण जाणी, उपाध्यक्ष रमेश लोल, उपाध्यक्ष रवि आंजना, सह सचिव रामजीवन गोदारा, परमानंद गीला, बृज जाणी, राजस्थान से आए रामसिंह कस्वा व देवाराम पंवार सहित समाज के सैकड़ों लोग मौजूद थे।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न परीक्षाओं में जिला व प्रदेश का नाम रोशन करने वाले विद्यार्थियों, खेल व कला जगत की प्रतिभाएं, पर्यावरण व पत्रकारिता के क्षेत्र में काम करने वाले युवाओं सहित अन्य लोगों का सम्मान किया गया। सचिव पवार ने कहा कि एक दिन पूर्व मंदिर परिसर में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल होने वाले बच्चों को भी सम्मानित किया गया। कोशिश पर्यावरण सेवक टीम नीमगांव के मप्र प्रभारी शांतिलाल सारन ने अपनी टीम के साथ प्रसिद्ध पर्यावरण विद् खमुराम विश्नोई के मार्गदर्शन में पूरे मेले परिसर को प्लास्टिक मुक्त रखा तथा लोगों को तांबे के लोटों में पेयजल दिया। प्रभारी सारन ने बताया कि मेले में सैकड़ों लोग पहुंचे, जिन्हें पर्यावरण सुरक्षा के लिए जागरूक भी किया गया।

आवश्यक सुविधा, भंडारण, मिलर्स को प्रदाय धान एवं सीएमआर का साप्ताहिक सत्यापन हेतु जांच दल गठित

नर्मदापुरम, देशबन्धु। उप सचिव, म.प्र.शासन, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन द्वारा जारी उपार्जित धान की कस्टम मीलिंग हेतु दिये गये प्रावधान अनुसार उपार्जन केन्द्र से अनुबंधित राईस मिलर्स को प्रदाय धान की मिलिंग प्रारम्भ होने के पूर्व मिल परिसर में आवश्यक सुविधा एवं भंडारण व्यवस्था एवं उपार्जन केन्द्र से मिलर्स को प्रदाय धान एवं सीएमआर का साप्ताहिक सत्यापन कार्य कराये जाने हेतु नर्मदापुरम कलेक्टर सोनिया मीना द्वारा खाद्य विभाग, उपार्जन एजेंसी एवं भंडारण संस्था के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का जाँच दल में रखा गया है।

जांच दल में तहसील सिवनीमालवा में श्री विनय सैनी कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी खाद्य विभाग,शिवराज सिंह शाखा प्रबंधक भंडार एजेंसी एवं शिवराज पाटिल केंद्र प्रभारी उपार्जन एजेंसीको जांच दल के रूप में रखा गया है। इसी प्रकार तहसील इटारसी में जुबेर काजी कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी खाद्य विभाग, विनोद विसारे शाखा प्रबंधक भंडार एजेंसी, कमल शंकर शुक्ला केंद्र प्रभारी उपार्जन एजेंसी को, तहसील नर्मदापुरम नर्मदापुरम ग्रामीण, डोलरिया में दिनेश अहिरवार सहायक आपूर्ति अधिकारी खाद्य विभाग, वासुदेव दवन्डे शाखा प्रबंधक भंडार एजेंसी एवं लाल मालवीय केंद्र प्रभारी उपार्जन एजेंसी को, तहसील माखननगर में श्रीमती मीनाक्षी दुबे कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी खाद्य विभाग, श्वेता पवार शाखा प्रबंधक भंडार एजेंसी एवं तेज सिंह थापा केंद्र प्रभारी उपार्जन एजेंसी को, तहसील सोहागपुर में मृगी अग्रवाल कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी खाद्य विभाग, गौरव पटेल शाखा प्रबंधक भंडार एजेंसी एवं अंकित साहू केंद्र प्रभारी उपार्जन एजेंसी को, तहसील पिपरिया में श्री मनोज शुक्ला कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी खाद्य विभाग, भीम सिंह डाबर शाखा प्रबंधक भंडार एजेंसी एवं आयुष अवधिया केंद्र प्रभारी उपार्जन एजेंसी को तथा तहसील बनखेडी में मनोज शुक्ला कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी खाद्य विभाग, शैलेष पाटिल शाखा प्रबंधक भंडार एजेंसी एवं आयुष अवधिया केंद्र प्रभारी उपार्जन एजेंसी को जांच दल के रूप में रखा गया है।

जारी आदेशानुसार जिले में अनुबंधित मिलर्स द्वारा धान उपार्जन कार्य प्रारंभ होने पर धान उपार्जन केन्द्रों से सीधे धान का उठाव किया जाना है, उक्त समिति दल आवंटित कार्य क्षेत्र अंतर्गत राईस मिल परिसर, गोदाम व अन्य भंडारण स्थल में उनके आधिपत्य में मिलिंग प्रारंभ होने के पूर्व से भंडारित धान का शत-प्रतिशत भौतिक सत्यापन करेंगी, भौतिक सत्यापन उपरांत ही मिलर्स द्वारा धान उपार्जन केन्द्रों से धान का उठाव किया जाकर मिलिंग कार्य प्रारंभ किया जा सकेगा। उक्त समिति धान मिल परिसर का भौतिक सत्यापन कर प्रतिवेदन संलग्न प्रारूप में जिला खाद्य कार्यालय जिला नर्मदापुरम को तत्काल उपलब्ध करायेंगे।

ग्राम वन समिति स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन

हरदा, देशबन्धु। मध्य प्रदेश शासन वन विभाग वन मंडल हरदा सामान्य द्वारा ग्राम के युवाओं में खेलों एवं वन सुरक्षा, वन्य प्राणी सुरक्षा, अग्नि सुरक्षा आदि के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से वन मंडल अधिकारी अनिल चोपड़ा के निर्देशन में परिक्षेत्र हंडिया के ग्राम भवरतलाव में खेल एवं जागरूकता कार्यक्रम अंतर्गत ग्राम वन समिति स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन रविवार को किया गया। क्रिकेट प्रतियोगिता में वन परिक्षेत्र अधिकारी हंडिया सामान्य सुरेश कुमार सोनवंशी , परिक्षेत्र सहायक भवरतलाव वहीद खान , परिक्षेत्र सहायक रेसलपुर दिनेश कुमार शर्मा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर एवं टॉस कराकर प्रतियोगिता का शुभारंभ कराया। इस प्रतियोगिता में वन समिति सीगोन, भवरतलाव, खेड़ा , रेलवा की टीमों ने हिस्सा लिया। सभी टीमों ने अच्छे खेल का प्रदर्शन किया। ग्राम वन समिति सीगोन और खेड़ा के मध्य फाइनल मैच खेला गया जिसमें खेड़ा की टीम विजेता रही एवं ग्राम वन समिति सीगोन की टीम उपविजेता रही। विजेता टीम को 5001 रुपए एवं उपविजेता टीम को 3001 रूपए की राशि का पुरस्कार वन सुरक्षा समिति ग्राम वन समिति भवरतलाव की ओर से दिया गया। प्रतियोगिता के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मैंन ऑफ द मैच और मैंन ऑफ द सीरीज दिया गया । प्रतियोगिता के आयोजन में परिक्षेत्र हंडिया के समस्त स्टाफ का विशेष योगदान रहा।

एनएमवी कॉलेज एवं संजय नगर में हुआ विश्व एड्स दिवस जागरुक अभियान

नर्मदापुरम, देशबन्धु। विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में जिले में 1 दिसंबर से 7 दिसंबर तक साप्ताहिक एड्स जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज एनएमवी कॉलेज एवम संजय नगर नर्मदापुरम में प्रियांशी टीआई नर्मदापुरम द्वारा सही रास्ता अपनाए मेरा स्वास्थ्य मेरा अधिकार के तहत पोस्टर बैनर प्रदर्शनी द्वारा व रेड रिबन लगाकर विश्व एड्स दिवस मनाया गया। जिसमें टीआई परियोजना प्रबंधक मीनाक्षी बाथरी के द्वारा तख्तियों एवं नारो के साथ एचआईवी से डरना नही लना है व 1097 टोल फ्री नम्बर द्वारा अन्य एचआईवी से जु?ी जानकारी प्राप्त कर सकते है। बताया गया कि अभियान के माध्यम से आम नागरिकों को एच आई व्ही एड्स होने के चार कारण एवं उससे बचाव के तरीके बताए गए। एमएसडब्ल्यू के विद्यार्थियों द्वारा एनएमवी कॉलेज में एचआईवी जागरूकता रैली निकाली गई गयी। इस अवसर पर प्रोफेसर अरुण राणा, राजेश गौर, अशोक सोनी, रोहित, साहिल, नेहा तिवारी,राजेंद्र कुशवाह, काउंसलर प्रकाश यादव, विवेक पटवा, राजेंद्र द्विवेदी व रक्षा शुक्ला व समस्त प्रियांशी टीआई स्टाफ उपस्थित रहे।

वर्धमान पब्लिक स्कूल ने पुनः किया सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

इटारसी, देशबन्धु। देवी अहिल्याबाई होल्कर फाउंडेशन ने आज सरस्वती शिशु मंदिर आर्य नगर में रंग भरो प्रतियोगिता का आयोजन वृहद स्तर पर करवाया जिसमें प्रथम पुरस्कार झलक चिलहरे क्लास 7 वी, द्वितीय पुरस्कार अथर्व चौधरी क्लास 8 वी व तृतीय पुरस्कार श्रीरद साहू क्लास 8 वी वर्धमान पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि वर्धमान पब्लिक स्कूल लंबे समय से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार इस प्रकार की गतिविधियां अपने विद्यालय में करता आ रहा है जिसका परिणाम है कि विद्यार्थियों द्वारा प्रदेश स्तर की प्रतियोगिताओं में अपना सर्वोच्च और उत्कृष्ट प्रदर्शन किया जा रहा है। आज की इस प्रतियोगिता के लिए सुश्री प्रियंका मालवीय व राखी राजपूत ने विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में सम्मिलित करवाया व मार्गदर्शन दिया। सभी विद्यार्थियों को वर्धमान पब्लिक स्कूल की संचालिका श्रीमती रचना जैन, मिडिल विंग कॉर्डिनेटर योगिता स्वर्णकार व स्टाफ ने शुभकामनाएं प्रेषित की।

हम होंगे कामयाब अभियान के तहत आयोजित हुआ बालिका क्रिकेट कप

हरदा, देशबन्धु। हम होंगे कामयाब अभियान के तहत जेंडर आधारित हिंसा की रोकथाम व जागरूकता के लिए कलेक्टर आदित्य सिंह के मार्गदर्शन में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास संजय त्रिपाठी ने बताया कि अभियान के तहतरविवार को बालिका क्रिकेट कप का आयोजन स्थान कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी के सामने ग्राउंड पर लाड़ली टीम एवं सुकन्या टीम के बीच आयोजित किया गया।सुकन्या टीम की कप्तान सुश्री मोनिका उइके ने टॉस जीत कर फील्डिंग करने का निर्णय लिया। लाड़ली टीम ने 6 ओवर में 5 विकेट पर कुल 70 रन बनाए। लाड़ली टीम की कैप्टन स्वाति ढाका ने सर्वाधिक 51 रन बनाए। जवाब में सुकन्या टीम द्वारा कुल 4 ओवर में 2 विकेट खोकर ही मैच को जीत लिया। सुकन्या टीम की ओर से राधिका मर्सकोले ने सर्वाधिक 42 रन बनाए व 1 विकेट लेकर मैन ऑफ द मैच प्राप्त किया। कार्यक्रम में प्रभारी परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास हरदा शहरी सुश्री भारती भल्लावी ने सुकन्या टीम की कैप्टन मोनिका उइके को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का मोनो और स्लोगन लिखे ट्राफी से सम्मानित किया जबकि खेल विभाग से जिला समन्वयक सलमा खान ने द्वितीय पुरस्कार लाडली टीम की कैप्टन स्वाति ढाका को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ मोनो एवं स्लोगन लिखी ट्राफी से सम्मानित किया गया।

अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण के विरूद्ध कार्यवाही निरंतर जारी

नर्मदापुरम, देशबन्धु। जिला खनि अधिकारी नर्मदापुरम ने बताया कि कलेक्टर नर्मदापुरम से प्राप्त निर्देश के पालन में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण के विरूद्ध खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए 11 वाहन जप्त किये गये हैं। जिसमें 25 नवम्बर को 01 ट्रेक्टर ट्राली, 27 नवम्बर को ग्राम डोंगरवाड़ा एवं बरण्डुआ से 3 ट्रेक्टर ट्राली, 28 नवम्बर को 2 डम्पर एवं 1 ट्रेक्टर ट्राली, 29 नवम्बर को ग्राम सोनतलाई से 1 ट्रेक्टर एवं 30 नवम्बर को रेत खनिज का ओवरलोड पाये जाने पर डम्पर को जप्त कर आरटीओ कार्यालय परिसर एवं थाना देहात नर्मदापुरम की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ रखा गया है। उक्त कार्यवाही में खनि अधिकारी श्री दिवेश मरकाम, खनि निरीक्षक नर्मदापुरम पिंकी चौहान, खनिज सिपाही हेमन्त राज तथा होमगार्ड बल उपस्थित रहा। उक्त जप्त वाहनों के विरूद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम के तहत कार्यवाही की जा रही है।

रामलीला से प्रारंभ हुआ श्री राम विवाह महोत्सव, 26 पंजीयन हुए

- 6 दिसंबर को माता सीता का वरण करेंगे प्रभु श्रीराम
- श्री द्वारिकाधीश बड़ा मंदिर से जनकपुरी पहुंचेगी बारात

इटारसी, देशबन्धु। सामाजिक समरसता को बढ़ावा देकर दहेज प्रथा जैसी कुरीतियों को मिटाने श्री देवल मंदिर काली समिति पुरानी इटारसी पिछले 39 सालों से लगातार श्री राम विवाह एवं निश्शुल्क सामूहिक विवाह का आयोजन कर रही है। रविवार को रामलीला मंचन से महोत्सव का शुभारंभ हुआ। इस साल 26 से ज्यादा पंजीयन समिति कर चुकी है, विवाह से एक दिन पहले तक वर वधुओं के पंजीयन जारी रहेंगे। आयोजन में अब तक 2500 से ज्यादा युगल फेरे ले चुके हैं। श्री देवल मंदिर काली समिति 40 वें वर्ष में 6 दिसंबर को श्रीराम विवाह और नि:शुल्क सामूहिक विवाह का आयोजन करेगी। इसे लेकर वर-वधुओं के पंजीयन किए जा रहे हैं। राम बोलो इस मंदिर समिति का जयघोष और पहचान है, जहां राम नाम के साथ सारे काम होते हैं। सेवादार जयप्रकाश करिया पटेल ने बताया कि देवल मंदिर के महंत ब्रह्मलीन दामोदर दास और सहारनपुर के महंत ब्रह्मलीन सुंदरदास रामायणी की प्रेरणा से साल 1984 में पहली बार राम विवाह एक जोड़े से शुरू हुआ, पहली बारात रामजानकी छोटा मंदिर से निकाली गई थी। दो साल सिर्फ राम विवाह हुए, इसके बाद साधु-संतों की पहल पर एक जोड़े से सामूहिक विवाह की शुरुआत हुई। इस भव्य आयोजन में चित्रकूट, अयोध्या, वृंदावन, ऋषिकेश, ओरछा, सहारनपुर समेत पूरे देश से साधु-संतों, विद्वानों का समागम होता है। द्वारिकाधीश बड़ा मंदिर से सामूहिक विवाह के दूल्हे राजा के साथ भगवान राम के साथ भव्य बरात जनकपुरी देवल मंदिर पहुंचती है। यहां हिंदू रीति से राम-जानकी के साथ सभी जोड़ों का विवाह कराया जाता है। समिति के सहयोग से सभी जोड़ों को गृहस्थी का सामान, उपहार, कपड़े एवं अन्य सामग्री भेंट की जाती है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का विवाह श्री पंचमी पर हुआ था, इसे विवाह पंचमी भी कहते हैं।

दुल्हन की तरह सज रही जनकपुरी - देवल मंदिर को जनकपुरी की तरह सजाया जा रहा है। पूरे परिसर में रंगोली सजाई जाएगी, गोबर लेपन किया जा रहा हैं। पुरानी इटारसी की महिलाएं माता सीता और भगवान श्री राम के विवाह की रस्मों में जुट जाएंगी, रसोई घर में स्वादिष्ट व्यंजन तैयार हो रहे हैं। हाइवे से लेकर मंदिर तक विद्युत साज-सज्जा, रंग रोगन, स्वागत तोरण द्वार लगाए जा रहे हैं। पूरा शहर इस आयोजन का साक्षी बनता है। आयोजन की तैयारियां अंतिम चरणों में हैं। 6 दिसंबर को गोधूलि बेला में श्री द्वारिकाधीश मंदिर से श्री राम जी की बारात पुरानी इटारसी के देवल मंदिर जनकपुरी के लिए प्रस्थान करेगी। भगवान राम की करीब 3 किमी. लंबी बारात में हाथी, घोड़े, बग्गी, दिलदिल घोड़ी, अखाड़े, रामसखियां, बैंड पार्टियां आकर्षण का केंद्र रहती हैं। एक बग्गी में राम दरबार सजाया जाता है, साथ में सभी दूल्हे राजा बारात लेकर जनकपुरी देवल मंदिर बारात लेकर पहुंचते हैं। यहां राजा राम और बारात की अगवानी होती है। मंडप में नवयुगल भगवान राम एवं सीता के साथ एक ही मंडप में फेरे लेते हैं। इस अनूठे आयोजन में देश भर के अखाड़ों से जुड़े साधु-संत एवं विद्वान शामिल होते हैं। जिले भर के हिन्दू सनातनी परिवार इस आयोजन में सहभागी बनते हैं। गांव-गांव से भंडारे के लिए अनाज एवं दानराशि एकत्र की जाती है। समिति पूरी गृहस्थी का सामान, उपहार एवं जेवरात सभी जोड़ों को भेंट करती है।

यह रहेंगे कार्यक्रम

2 दिसंबर सोमवार रात 9 बजे भजन श्रृंखला। 3 दिसंबर मंगलवार रात 8 बजे सुंदरकांड। 4 दिसंबर बुधवार सुबह 9 बजे महिला मंडल द्वारा रामसत्ता। 5 दिसंबर गुरूवार सुबह 10 बजे मंडपाच्छादन एवं सत्यनारायण कथा सीताराम कीर्तन। 6 दिसंबर शुक्रवार सुबह 9 बजे कन्या भोज एवं भंडारा, शाम 7 बजे आध्यात्मिक प्रवचन, रात 9 बजे देवी जागरण, रात 10 बजे बारात आगमन एवं स्वागत। रात 11 बजे जयमाला एवं प्रीतिभोज, रात 12 बजे पाणिग्रहण संस्कार। 7 दिसंबर शनिवार सुबह 7 बजे विदाई समारोह।

नर्मदापुरम, सोमवार 2 दिसम्बर 2024
संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

लोकतंत्र बचाने के लिए ईवीएम विरोधी आंदोलन

कांग्रेस ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन द्वारा मतदान कराये जाने के खिलाफ़ एक बड़ा आंदोलन करने का फैसला लिया है, जो पारदर्शी एवं निष्पक्ष चुनावी प्रक्रिया के लिये बेहद ज़रूरी हो गया है। पिछले कुछ समय से राजनीतिक दलों के अलावा अनेक लोगों और स्वयंसेवी संगठनों ने इसके खिलाफ मुहिम छेड़ रखी है परन्तु भारतीय जनता पार्टी के सबसे बड़े हितरक्षक बने केन्द्रीय चुनाव आयोग ने इस सम्बन्ध में उठने वाली हर मांग को अनसुना किया है। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस विषय पर भाजपा का ही साथ दिया है जो एक तरह से जनता के विचारों की अनदेखी करना कहा जा सकता है।

शुक्रवार को दिल्ली में हुई कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में फैसला लिया गया कि 26 दिसम्बर को कर्नाटक के बेलगाम से इस आंदोलन की शुरुआत होगी। इस दिन महात्मा गांधी के उसी शहर में कांग्रेस अधिवेशन की अध्यक्षता करने के 100 वर्ष पूरे हो रहे हैं, जिसने देश की तकदीर को पलटकर रख दिया था। कर्नाटक सरकार उस घटना को बड़े पैमाने पर मनाने जा रही है। ईवीएम के खिलाफ प्रस्तावित आंदोलन को उसी शहर से प्रारम्भ करना गांधीजी द्वारा स्वतंत्रता के लिये किये गये संघर्ष को नये सिरे से याद करना और एक बड़ी हालिया ज़रूरत को पूरा करने की दिशा में लड़ाई छेड़ना है। कोई पूछ सकता है कि क्या ईवीएम इतना बड़ा मुद्दा है कि उसके खिलाफ ऐसा बड़ा कदम उठाया जाये?

हाल के सियासी घटनाक्रमों को देखें तो कहा जा सकता है कि यह इस वक्त का सर्वाधिक महत्वपूर्ण मुद्दा है। देश जिन दुश्वारियों से गुजर रहा है उसका प्रमुख कारण ईवीएम के जरिये होने वाले चुनाव हैं जो पूरी तरह से भाजपा के पक्ष में नियोजित हो रहे हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ताकत प्रदान कर रहे हैं। ईवीएम पर सम्पूर्ण आधिपत्य चुनाव आयोग का है अत: कोई दावे से यह तो नहीं कह सकता कि ये मशीनें सत्ता पक्ष को कितना और कैसे सहयोग कर रही हैं लेकिन पिछले कुछ चुनावों में, जिनमें लोकसभा और विधानसभाएं शामिल हैं, जो दृश्य प्रचार के दौरान दिखाई देता रहा और जो परिणाम आए, वे गहन संदेह पैदा करते हैं। यह शक शर्तिया तौर पर ईवीएम की हेराफेरी को इंगित करते हैं। इसकी शुरुआत 2022 के उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों से हुई जिसके परिणामों से संदेह पुख्ता होता चला गया। उस चुनाव में सारी परिस्थितियां और माहौल साफ-साफ भाजपा के खिलाफ दिखाई दे रहा था जिसके कई कारण थे। प्रमुख थे- किसानों व महिलाओं पर हुए अत्याचार और कोरोना काल में लोगों की बदहाली। फिर भी नतीजे भाजपा के पक्ष में गये तो इसकी लगभग पुष्टि हुई कि ईवीएम के जरिये धांधलियां हुई हैं। ईवीएम इसलिये क्योंकि मतगणना की पूर्व संध्या पर कई मशीनें स्ट्रांग रूम से बाहर पाई गई थीं। मतगणना के दौरान कई मशीनों की बैटरी 99 फीसदी तक चार्ज पाये जाने से शक गहराया। जिन क्षेत्रों में भाजपा के प्रति सर्वाधिक नाराजगी थी वहां भाजपा के उम्मीदवारों की जीत ने इस संदेह पर मुहर लगाई।

2014 के पहले, यानी नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के पूर्व तक जो भाजपा ईवीएम को लोकतंत्र का हत्यारा कहती थी और जिनके एक प्रवक्ता जीवीएल नरसिम्हा राव ने भारी-भरकम किताब लिखकर इस तरीके से मतदान के दोष गिनाये थे, वही अब ईवीएम की सबसे बड़ी पक्षधर है। पिछले दो-ढाई वर्षों में जितने भी मतदान हुए हैं (लोकसभा व विधानसभा के) उनके परिणामों ने इसके प्रति शक को पुख्ता ही किया है। विपक्ष का दावा है कि वर्तमान लोकसभा में ईवीएम की हेराफेरी से लगभग 80 सीटें भाजपा ने जीती हैं। इसका सीधा सा अर्थ है कि यदि मशीनों का दुरुपयोग न होता तो आज भाजपा व उसका गठबन्धन एनडीए सत्ता में नहीं रहता और न ही मोदी पीएम होते। जनादेश की जैसी डकैती हुई है उससे इस आंदोलन का महत्व समझा जा सकता है। लोकतंत्र में उसे ही सरकार चलाने का अधिकार होता है जिसके पक्ष में जनता ने फैसला सुनाया हो- यहां तो उल्टा हुआ है। तिस पर यदि निष्पक्ष चुनाव कराने वाली एजेंसी यानी केन्द्रीय चुनाव आयोग ही किसी एक दल के साथ खड़ा हो और शीर्ष न्यायालय भी न सुने तो विपक्षी दलों के सामने जनता के बीच जाने के अलावा और कोई विकल्प नहीं रहता। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार से कई बार समय विपक्षी दलों ने गुहार लगाई पर उन्हें समय तक नहीं मिला। वहीं सुप्रीम कोर्ट वीवीपैट मिलान से भी इंकार करता है जो इस गड़बड़ी को रोकने का जवाब हो सकता है। कोर्ट कुछ ही संख्या में मिलान के लिये तैयार हुआ पर वह प्रतिशत नगण्य है। वह तो यह मानने के लिये ही तैयार नहीं कि मशीनें हैक हो सकती हैं।

ईवीएम के सरकार के अनुसार काम करने के कई सबूत हैं, जिनमें से एक तो यह है कि लाखों मशीनें लम्बे अरसे से गायब बताई जाती हैं जिनके इस्तेमाल के लिये ही सम्भवत: कई-कई चरणों में चुनाव कराये जाते हैं। दूसरे, भाजपा हर चुनाव जीतने के पहले जो भविष्यवाणी करती है, नतीजे वैसे या उसके आसपास के होते हैं। हाल के हरियाणा व महाराष्ट्र के चुनाव परिणामों ने इसे साबित भी किया है जब कुछ मिनटों में जीतते विपक्ष की संख्या एकाएक घट गयीं और नतीजे भाजपा के दावों के नज़दीक आये। इसलिये अपनी लोकप्रियता का दावा करने वाले मोदी बैलेट पेपर से चुनाव नहीं कराते। इस आंदोलन की महत्ता को देखते हुए जरूरी है कि सभी विरोधी दल और जनता इसमें शामिल हों। 26 दिसंबर को शुरु होने वाले से पहले रविवार को दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में बहुजनों की महारैली में भी ईवीएम हटाने का उद्घोष हुआ और मल्लिकार्जुन खड़गे ने इसमें आवाज़ बुलंद की। यानी देश में एक नयी क्रांति की शुरुआत हो चुकी है, जिसका मकसद लोकतंत्र बचाना है।

कांग्रेस : समस्याओं की पहचान हो गई अब दूर कौन करेगा!

अब इंतजार है! कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी की सर्वोच्च नीति निर्धारक इकाई सीडब्ल्यूसी में सब कुछ साफ साफ कह दिया। इतनी स्पष्टवादिता की उम्मीद किसी को नहीं थी। लेकिन देश की सबसे पुरानी और आजादी के आन्दोलन का नेतृत्व करने वाली पार्टी के अध्यक्ष को इस संक्रमण काल में इतना कड़ा बोलना जरूरी था।

अब इंतजार है नेक्स्ट फेज का। खरगे ने पार्टी की समस्याएं बता दीं। सवाल किया कि हरियाणा में माहौल पक्ष में होने के बावजूद उसे जीत में क्यों नहीं बदल पाए? और खुद जवाब दिया कि एक दूसरे के खिलाफ बयानबाजी के कारण। कहा ऐसे में विरोधियों को कैसे शिकस्त दोगे? पार्टी की सबसे दुखती रग गुटबाजी पर उंगली रख दी।

कांग्रेस की हर हार का अलग-अलग कारण है। मगर राजस्थान और अब हरियाणा यह दोनों प्रदेश ऐसे हैं जहां कांग्रेस सिर्फ भयानक गुटबाजी की वजह से हारी। राजस्थान में तो फिर भी चुनाव के वक्त दोनों गुटों में युद्ध विराम हो गया था। मगर हरियाणा में तो मतदान तक मैं बनूंगा मुख्यमंत्री, मुझे बनाओ की रट चालू रही। हार के कारणों की बात हो रही है तो फिर लोग दूसरे प्रदेशों के बारे में भी पूछते हैं। यह काम तो कांग्रेस को करना चाहिए कि हर राज्य का अलग- अलग विश्लेषण करे। लेकिन एकाध राज्य का हम और बता देते हैं।

मध्य प्रदेश की हार का जिक्र बहुत होता है। राहुल गांधी को वहां से बहुत उम्मीदें थीं। यहां तक उन्होंने वहां की सीटें भी बता दी थीं। मगर कांग्रेस बुरी तरह हारी। कारण? कमलनाथ पर पूरी तरह निर्भरता। उन्हें सारे अधिकार सौंप देना। उन्होंने खुद को भावी मुख्यमंत्री घोषित कर दिया था। रोज प्रभारी बदलवाते थे। और कार्यकर्ताओं से तो छोड़िए नेताओं तक से नहीं मिलते थे। हाल अभी भी वही है। अभी अपने जन्मदिन पर एक कार्यक्रम करवाया कुमार विश्वास को बुलवाया और वह मंच से उनके सामने राहुल गांधी और दिग्विजय सिंह को ट्रोल करता रहा। दिग्विजय ने इसका नोटिस लिया। उन्होंने कमलनाथ को टेग करके वह वीडियो ट्वीट किया। मगर अभी यह भी सबने देखा कि किस तरह राहुल गांधी उनके यहां लंच पर गए। कमलनाथ ने ही ट्वीट करके फोटो डाला। दो घंटे बैठे।

तो मध्य प्रदेश का कारण एक ही व्यक्ति था। यहां कोई गुट नहीं था। ज्योतिरादित्य सिंधिया के जाने के बाद से कमलनाथ अकेले का राज मध्यप्रदेश में चल रहा था। अब जीतू पटवारी ने अपनी मेहनत से कांग्रेस की वापसी की शुरूआत की है। विजयपुर में तो मंत्री रामनिवास रावत को हरवाया। और बुधनी जो शिवराज सिंह चौहान का विधानसभा क्षेत्र है वहां भाजपा की जीत का मार्जिन केवल 13 हजार पर ला दिया। यहां से पिछले साल ही भाजपा एक लाख से ज्यादा वोटों से जीती थी।

बहरहाल बात हो रही थी कि समस्याएं तो पहचान लीं मगर उनका इलाज करेगा कौन? इलाज भी कांग्रेस अध्यक्ष को ही करना है। साथ में राहुल और प्रियंका को करना है। जब खरगे बोल रहे थे तब राहुल और प्रियंका बैठे थे। संगठन क्यों नहीं है? इसका जवाब कौन देगा? अनुशासन का सवाल उठाया। तो लागू कौन करेगा?

शकील अख्तर

राहुल का नियमित आफिस में बैठना बहुत जरूरी है। बहुत यात्राएं कर लीं उन्होंने। राज्यों के दूर दराज के इलाकों के बहुत दौरे कर लिए उन्होंने। हम कह सकते हैं। 2004 से जब से पहला चुनाव जीत कर राजनीति में आए हम देख रहे हैं, बहुत जगह साथ गए कि राहुल देश में सबसे ज्यादा इलाकों में जाने वाले सबसे ज्यादा लोगों से मिलने वाले नेताओं में हैं। लेकिन अब पार्टी को चलाने का समय है।

ढीली ढाली पार्टी चल रही है। और मुकाबला है सामने नगरपालिका के चुनाव भी उतने ही इन्टरेस्ट से लड़ने वाले मोदी, अमित शाह से। कांग्रेस खेल रही है सत्तर के दशक की भारतीय क्रिकेट टीम की तरह। सलीम दुर्रानी जो पांव के नीचे से बाल निकल जाए तो झुकते भी नहीं थे। टेस्ट मैच ड्रा को हम भारतीय क्रिकेट प्रेमी जीता हुआ मानते थे। वही हाल आज कांग्रेस का है। राहुल यात्रा कर रहे थे तो गुजरात चुनाव में नहीं गए। केवल एक दिन गए थे। हिमाचल में तो गए ही नहीं। वह अलग बात है कि वहां प्रियंका डटी रहीं तो जीत गए। तब तक जब तक हिमाचल का चुनाव प्रचार खत्म नहीं हो गया। राहुल की भारत जोड़ो यात्रा चल रही थी। खबरें शुरू हो गई थीं कि प्रियंका नाराज यात्रा में शामिल नहीं हो रहीं। उस समय हमने बात करके लिखा था कि मध्य प्रदेश से शामिल होंगी। जब वहां प्रचार खत्म हो जाएगा।

तो बता यह रहे थे कि मैच ड्रा में खुश हो जाते थे। अभी लोकसभा में खुश हो गए। कांग्रेसी। क्यों बीजेपी की सीटें कम हुईं और कांग्रेस की बढ़ीं इसलिए। मगर लोकसभा के तीसरे चुनाव के बाद क्या यह बढ़त पर्याप्त है? और उनकी कम हुई सीटें इतनी हैं कि उन्हें सरकार बनाने में कोई मुश्किल हो?

जम्मू-कश्मीर में खुश हो गए। वहां नेशनल कान्फ्रेंस जीती। कांग्रेस को आज तक कि सबसे कम सीटें मिलीं। जम्मू संभाग जहां उसका सबसे ज्यादा आधार था एक भी सीट नहीं मिली। ऐसे ही झारखंड में सबसे खराब स्ट्राइक रेट कांग्रेस का रहा। चार पार्टियां जो मिल कर चुनाव लड़ीं थी उनमें।

तो इस बार सीडब्ल्यूसी में इन झुठी खुशियों को अध्यक्ष ने आईना दिखा दिया। मगर इतना ही पर्याप्त नहीं है। अगर जल्दी समस्याओं को दूर नहीं किया तो फिर कार्यकर्ता जिन्हें उम्मीद बंधी है कि अब कुछ ठोस होगा वह पूरी तरह टूट जाएंगे। संगठन क्यों नहीं बना रहे हैं? किसने रोका है? दो साल हो गए हैं खुद खरगे जी को अध्यक्ष बने। और फिर यह कहना कि कई राज्यों में संगठन नहीं है! हास्यास्पद हो जाएगा। अभी जो दिखता है वह यह कि निचले स्तर पर चाहे जितनी गुटबाजी, अविश्वास हो मगर उच्च स्तर पर जहां खरगे, राहुल, प्रियंका हैं वहां आपसी अंडर स्टेंडिंग है।

फिर सम्स्या क्या है? एक समस्या तो सबसे बड़ी है वह आफिस में नहीं बैठना है। कार्यकर्ताओं, नेताओं का राहुल-प्रियंका से मिलना तो मुश्किल है ही खरगे जी से भी मिलना आसान नहीं है। वे भी कांग्रेस मुख्यालय के अपने आफिस में नहीं बैठते हैं। घर से ही सारा काम करते हैं। इसी तरह राहुल-प्रियंका से भी मिलने का कोई सिस्टम नहीं है। रोज जाने कितने लोग कांग्रेस मुख्यालय से दस जनपथ (सोनिया गांधी के निवास, जहां राहुल भी रहते हैं) चक्कर लगाते रहते हैं।

खासतौर से राहुल का नियमित आफिस में बैठना बहुत जरूरी है। बहुत यात्राएं कर लीं उन्होंने। राज्यों के दूर दराज के इलाकों के बहुत दौरे कर लिए उन्होंने। हम कह सकते हैं। 2004 से जब से पहला चुनाव जीत कर राजनीति में आए हम देख रहे हैं, बहुत जगह साथ गए कि राहुल देश में सबसे ज्यादा इलाकों में जाने वाले सबसे ज्यादा लोगों से मिलने वाले नेताओं में हैं। लेकिन अब पार्टी को चलाने का समय है। पार्टी अगर पटरी पर नहीं आई तो यह लोगों से मिलने यात्राओं से जितना फायदा होना चाहिए नहीं होगा। हुआ भी नहीं।

राहुल की दो यात्राएं और विपक्ष का एक होना इंडिया गठबंधन बहुत बड़ी घटनाएं हैं। इससे ज्यादा और क्या होगा? मगर फिर भी वह परिणाम नहीं निकले जो निकलना चाहिए थे। बड़ी वजह यही है कि पार्टी के पास संगठन नहीं है। लोगों तक बात पहुंच नहीं पा रही है। बहुत सारी बाधाएं हैं। लेवल प्लेइंग फील्ड नहीं है। इन्स्टियूशन स्वायत्त नहीं रह गए। सरकार की मदद कर रहे हैं। चुनाव की विश्वसनीयता पर सवाल है। खरगे ने यह सवाल भी प्रमुखता से उठाया। ईवीएम का चुनाव आयोग का। इसका असर भी दिखा चुनाव आयोग ने बात करने के लिए बुलाया है। कुछ तो सही रास्ते पर आया। मगर कई संस्थाएं हैं। मीडिया पूरी तरह विरोध में खड़ा है। न्यायपालिका में यह कहकर तो अभी रिटायर हुए चीफ जस्टिस चन्द्रचुड़ ने सारी हदें तोड़ दीं कि हम विपक्ष की भूमिका में नहीं। इसका सीधा मतलब हम सरकार के साथ हैं।

तो ऐसे में राह एक ही है। वह खरगे ने बता दी। पार्टी में नई जान। रेनेसा (पुनर्जागरण)। देखते हैं कहां से शुरू करते हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

कांग्रेस के सामने चुनौतियों भरे कार्य

■ डॉ. ज्ञान पाठक

भारत के मतदाता पिछले कुछ समय से कांग्रेस को ऊपर-नीचे कर रहे हैं और यह प्रवृत्ति पिछले डेढ़ साल में और भी स्पष्ट हो गयी है, विशेषकर मई 2023 में कर्नाटक चुनाव के समय से, जब लोगों ने भाजपा को सत्ता से बाहर करते हुए कांग्रेस को भारी बहुमत से जिताया था। इस अवधि के दौरान देश भर में लगभग हर छह महीने में मतदाताओं का मूड बदलता हुआ देखा गया है, खासकर कांग्रेस के पक्ष में या उसके खिलाफ। नवंबर 2023 में राजस्थान और मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव, अक्टूबर 2024 में हरियाणा चुनाव और अब नवंबर 2024 में महाराष्ट्र चुनाव में मिली असफलताओं ने स्पष्ट रूप से दिखा दिया है कि अगर कांग्रेस को देश भर में आगामी चुनावों में भाजपा से मुकाबला करना है तो उसके सामने महत्वपूर्ण कार्य हैं, जिन्हें उसे करना ही होगा।

कांग्रेस को चुनावी रुझानों और मतदाताओं के बीच मूड में आने वाले तेजी से परिवर्तन को समझना होगा जो पार्टी का समर्थन और उसकी अस्वीकृति करते हैं- जैसा कि हम छह महीने के भीतर होने वाले चुनावों में देखते हैं। वही मतदाता जिन्होंने मई 2024 में लोकसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवारों को बहुत उत्साह से वोट दिया था, जो भाजपा और उसके सहयोगियों के प्रति अपनी घृणा के दर्शा रहे थे- जैसे कि हरियाणा और महाराष्ट्र में, कुछ महीने बाद अक्टूबर और नवंबर में हुए चुनावों में भाजपा और सहयोगियों के पक्ष में मतदान किया, जो इंडिया ब्लॉक में कांग्रेस और उसके सहयोगियों के प्रति अपनी अस्वीकृति दर्शाते हैं। यह एक बहुत ही आश्चर्यजनक रूझान है, जो प्रथम दृष्टया दर्शाता है कि अब वोटरों को किसी भी पार्टी या गठबंधन द्वारा हल्के में नहीं लिया जा सकता है। इस स्थिति में कांग्रेस के पास विपक्ष में किसी भी अन्य राजनीतिक दल की तुलना में सर्वाधिक दांव पर है, क्योंकि यह केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी है। कांग्रेस को वास्तव में वर्तमान चुनावी रुझानों को गहराई से समझने की आवश्यकता है, जो कुछ ही महीनों के भीतर अपने मूड को बदलने की प्रवृत्ति दिखाते हैं, जो अंतत: पार्टी के चुनावी भाग्य को प्रभावित करते हैं।

कांग्रेस को चुनावी रुझानों और मतदाताओं के बीच मूड में आने वाले तेजी से परिवर्तन को समझना होगा जो पार्टी का समर्थन और उसकी अस्वीकृति करते हैं- जैसा कि हम छह महीने के भीतर होने वाले चुनावों में देखते हैं। वही मतदाता जिन्होंने मई 2024 में लोकसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवारों को बहुत उत्साह से वोट दिया था, जो भाजपा और उसके सहयोगियों के प्रति अपनी घृणा के दर्शा रहे थे- जैसे कि हरियाणा और महाराष्ट्र में।

इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि पिछले डेढ़ साल में मतदान के रूझान में बहुत भिन्नता देखी गयी है, जो क्षेत्र दर क्षेत्र और जनसांख्यिकीय पृष्ठभूमि बदलने के साथ ही बदल जाते हैं। कांग्रेस को न केवल इस रूझान की गहरी समझ की आवश्यकता होगी, बल्कि मतदाताओं के तेजी से बदलते व्यवहार के कारणों को भी समझना होगा।

कांग्रेस को सबसे पहले हार का विश्लेषण करने की आवश्यकता है, और फिर हार के कारण या जहां इसने कम प्रदर्शन किया है, उसकी पहचान की। हार का विश्लेषण करने के अलावा, उसे आत्मनिरीक्षण करने, अपने अभियान को तैयार करने, उम्मीदवारों के चयन, गठबंधनों के साथ सीट बंटवारे और मतदाताओं को स्पष्ट रूप से संदेश देने में पार्टी द्वारा की गयी रणनीतिक गलतियों की पहचान करने की आवश्यकता। कांग्रेस नेतृत्व वास्तव में क्या करना चाहता है का संदेश भी स्पष्ट रूप मतदाताओं तक संप्रेषित करना होगा।

हाल के सभी चुनावों में कांग्रेस पार्टी को मिली असफलताओं का भी मूल्यांकन करने की आवश्यकता है, क्योंकि कुल मिलाकर हार का श्रेय स्थानीय और क्षेत्रीय नेताओं को दिया गया है, जो गुटबाजी में लिप्त पाये गये और पार्टी में फूट दिखाई दी। इसके अलावा, उनके व्यवहार को ऐसा देखा गया जैसे कि उनका केवल स्वार्थ है। इसलिए, पार्टी के पास अपने क्षेत्रीय और स्थानीय नेताओं की प्रभावशीलता और विश्वसनीयता का आकलन करने का एक बड़ा काम है। इस आकलन का उपयोग जमीनी स्तर से संगठनात्मक नेटवर्क के पुनर्निर्माण में किया जा सकता है, जो पार्टी के लिए समय की मांग है।

यह पहले से ही सर्वविदित है कि कांग्रेस ने बूथ स्तर की समितियों तक अपना ऊर्ध्वाधर नेतृत्व खो दिया है, जिसे उसने कभी हासिल किया था। स्थानीय नेटवर्क का पुनर्निर्माण- जैसे कि जिला, ब्लॉक और पंचायत स्तर की समितियां- सबसे महत्वपूर्ण है, क्योंकि कोई भी राज्य स्तरीय या राष्ट्रीय स्तर की समितियां मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक नहीं ला सकती हैं।

स्थानीय नेटवर्क को केवल कार्यकर्ताओं को जोड़कर और समावेशिता को बढ़ावा देकर संगठन को फिर से जीवंत करके और जब भी आंतरिक शिकायतें उत्पन्न होती हैं, उन्हें संबोधित करके मजबूत किया जा सकता है। उच्च स्तरीय नेतृत्व द्वारा वर्षों तक उन्हें अनसुना छोड़ देने की कीमत गुटबाजी और अंदरूनी कलह के रूप में चुकानी पड़ती है, जो चुनावों के दौरान सबसे खराब रूप में सामने आती है और पार्टी के चुनावी भाग्य को प्रभावित करती है।

क्षैतिज नेतृत्व की अपनी कमियां हैं। जब सभी कमांडर होते हैं और कोई सेना नहीं होती है या केवल मुट्ठी भर सेना होती है, तो लड़ाई कठिन हो जाती है, जैसा कि कांग्रेस इंदिरा गांधी के समय से झेल रही है। कांग्रेस नेतृत्व को इसे बदलना चाहिए और राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष से लेकर बूथ स्तर तक अधिक अधिकार सौंपना चाहिए। चुनावों के दौरान, पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर तय की गयी राष्ट्रीय रणनीति और नीतियों का लाभ उठाने के लिए कुछ स्थानीय रणनीतियों की आवश्यकता होती है। कांग्रेस के भीतर आम शिकायत यह है कि योग्यता को कम बढ़ावा दिया जाता है और चाटुकारिता सबसे निचले स्तर से लेकर उच्चतम स्तर तक तेजी से फलती-फूलती है। इस शिकायत को तत्काल दूर करने की आवश्यकता है। नेतृत्व को फिर से खड़ा करने के लिए - क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर दोनों तरह से, काफी स्पष्टता की आवश्यकता है ताकि नेतृत्व की अस्पष्टताएं समय पर हल हो जायें, विशेषकर जब पार्टी के भीतर कई शक्ति केंद्र उभरें। नेतृत्व को मतदाताओं के साथ प्रतिध्वनित होना चाहिए।

पार्टी में नये विचारों को शामिल करने और संगठन तथा उसकी नीतियों के प्रति दृष्टिकोण में अधिक संतुलन लाने के लिए पुराने और नये कंधों दोनों की आवश्यकता है। पिछले कुछ चुनावों ने दिखाया है कि कांग्रेस को रणनीतिक गठबंधनों के लिए कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। क्षेत्रीय दलों के साथ सार्थक गठबंधन बनाने से हर जगह लाभ हुआ है और जहां भी क्षेत्रीय कांग्रेस नेतृत्व और क्षेत्रीय दलों के नेतृत्व के बीच मतभेद थे, कांग्रेस ने बहुत खराब प्रदर्शन किया। किसी भी सार्थक और सफल गठबंधन को बनाने में कांग्रेस को वैचारिक स्पष्टता बनाये रखने की आवश्यकता है। राज्य और केंद्रीय कांग्रेस नेतृत्व को अलग-अलग सुरों पर बात करते नहीं सुना जाना चाहिए।

कांग्रेस का संचार संपर्क नेटवर्क कमजोर लगता है। इसे विरोधाभासों से बचते हुए राष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर एक सुसंगत कथा विकसित करनी होगी। यदि ऐसा कोई जटिल मुद्दा उठता है, तो पार्टी को चुप नहीं रहना चाहिए बल्कि स्पष्ट सैद्धांतिक रुख अपनाना चाहिए। मतदाताओं को सस्पेंस या भ्रम पसंद नहीं है। भाजपा के डिजिटल प्लेटफॉर्म के मुकाबले के लिए डिजिटल और सोशल मीडिया की उपस्थिति को काफी मजबूत करने की जरूरत है। यात्राएं, रैलियां, सार्वजनिक बैठकें आयोजित करना और पार्टी की छवि को फिर से बनाना समय की जरूरत है।

देश के सामने मौजूद कई मुद्दों पर सैद्धांतिक रुख के अलावा कांग्रेस को अपने शासन के मॉडल को भी पेश करना चाहिए, जहां वह राज्यों में शासन करती है। पार्टी नेतृत्व को सरकार की नीतियों, सत्तारूढ़ भाजपा की चूक और कमियों का आलोचनात्मक विश्लेषण करना चाहिए और लोगों के सामने ऐसी भाषा में विकल्प प्रस्तुत करना चाहिए, जिसे वे बिना किसी भ्रम के समझ सकें। भूख, स्वास्थ्य, शिक्षा को प्राथमिकता देने की जरूरत है। बेरोजगारी, महंगाई, मूल्य वृद्धि और असमानता पर अधिक जोर दिया जाना चाहिए। जनसांख्यिकी रूप से उसे उन समूहों की पहचान करनी चाहिए और उनके बीच काम करना चाहिए, जो अभी भी भाजपा के कट्टर समर्थक नहीं हैं। पार्टी को हमेशा भविष्य के चुनावों की तैयारी में रहना चाहिए। सामान्य राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय नीतियों के अलावा क्षेत्र-विशिष्ट और कार्रवाई-उन्मुख नीतियां पहले से ही तैयार होनी चाहिए। हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड के मतदाताओं ने राष्ट्रीय मुद्दों पर अपनी स्थानीय और क्षेत्रीय प्राथमिकता स्पष्ट रूप से दिखा दी है। भाजपा की चुनौती से निपटने के लिए कांग्रेस को एक प्रभावी राष्ट्रीय आख्यान की सख्त जरूरत है।

ललित सुरजन की कलम से

सफेदपोशों का अपराध

'सफेदपेशों का अपराध' में जो घटनाएं वर्णित हैं उनसे आम जनता काफी हद तक परिचित है। जिन आपराधिक प्रवृत्तियों का विश्लेषण लेखकद्वय ने किया है उनका सामना भी आम आदमी को आए दिन करना पड़ता है। देश की राजनीति हाल के दशकों में किस तरह विकृत हुई है तथा सामाजिक ताना-बाना किस कदर छिन्न-भिन्न हुआ है उसे हम रोज ही देख रहे हैं। बहुत से लोगों, जिनमें मैं भी शामिल हूं, का मानना है कि भारत में इस शोचनीय परिवर्तन की शुरूआत 1990 के दशक में हुई जब आर्थिक उदारीकरण ने हमारी दहलीज पर कदम रखा। एक संज्ञा इन तीस-पैंतीस सालों में काफी प्रचलित हो गई है, जिसे 'एलपीजी' कहा जाता है याने उदारीकरण, निजीकरण एवं वैश्वीकरण। एलपीजी को हम एक अन्य रूप में भी जानते हैं याने घरेलू रसोई गैस। इस समानता को देखकर यह टिप्पणी भी कभी की गई है कि सिलेण्डर में विस्फोट हो जाए तो वह जानलेवा हो सकता है।'

'अगर हम पिछले कुछ दशकों की राजनैतिक, आर्थिक सामाजिक स्थितियों का अध्ययन करें तो यह बात आईने की तरह साफ हो जाती है कि एलपीजी के चलते देश और दुनिया में अमीर और गरीब के बीच खाई बढ़ी है। गरीब की संघर्षशीलता और संघर्ष क्षमता में कमी आई है, जबकि अमीर पहले की अपेक्षा कहीं ज्यादा उच्छृंखल व्यवहार करने लगे। एक समय सम्पन्न लोग तिनके की ओट बराबर ही सही अपने वैभव का प्रदर्शन करने से संकोच करते थे तो वह तिनका भी न जाने कब का उड़ चुका है। अगर थोड़ा बारीकी में जाएं तो यह तथ्य भी समझ आने लगता है कि जो नई सम्पन्नता आई है वह मेहनत के बल पर नहीं बल्कि किसी हद तक अपराधों के बल पर हासिल की गई है।'

(अक्षर पर्व दिसंबर 2013 अंक में प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2013/12/blog-post_25.html

गुरवाणी विचार

स्लोक महला 9 से

जो सुख को चहि सदा शरण राम की लेहि
कहो नानक नर बावरे, दुर्लभ मानुष देहि।

बाणी की इन पंक्तियों द्वारा नौवें नानक गुरू तेगबहादुर साहिब मानव मन को समझाईश देते हुए फरमा रहे हैं कि अगर जीवन में सच्चा सुख और परम शांति प्राप्त करना चाहते हैं तो हमें चाहिये कि हर वक्त परमेश्वर की सिमरन बंदगी वाला उद्यम करें इस कार्य में कभी आलस नहीं करना चाहिये यह सोचकर इस कार्य में ढील न करें कि प्रभु सिमरन बंदगी में लगे रहें तो शारीरिक निर्वाह कैसे होगा। उदर पोषण अपना और अपने परिवार का किस तरह कर पाओगे। प्रारब्ध के अनुसार शारीरिक निर्वाह तो सहज स्वभाव से होता ही रहेगा। प्रभु प्रमात्मा ने हमारा सृजन किया है उसे तो सारे संसार की चिंता है क्योंकि हम सब प्रभु परमात्मा की संतानें हैं इसलिये तो कहा गया है-

तूं जग उत्ते पिछो आवे उह पहले ही लिख जादा है।

हमारे धरा पर आने से पहले ही हमारे आहार के लिये हमारी जननी के स्तनों में दूध की व्यवस्था कर देता है। याद रहे हम सब उठते तो भूखे पेट हैं पर सोने से पहले यथा शक्ति कुछ न कुछ पेट में डालकर ही सुलाता है। इसलिये हमें हर वक्त प्रभु सिमरन बंदगी में मन रमाना चाहिये यही हमारा सब से उत्तम काम होना चाहिये।

सगम उद्यम उद्यम भला हरि को नाम जपो जीअ सदा।

हमें साध संगत में जाकर प्रभु कथा कीर्तन सुनना चाहिये ताकि हमारा मन प्रभु के श्री चरणों में लग सके-

काहे रे मन चितवहि उद्यम जा आ हरि जीओ परिमा
सैल पथर में जंत उपाये तो का रिजक आगै कर धरिमा,
मेरे माधो जी संत संगत मिले सो तरिया।।

अर्थात ऐ मेरे मन तू अपने खाने की चिंता क्यों करता है उसके लिये तो प्रभु परमात्मा स्वयं लगा हुआ है पत्थरों की कंदराओं में भी उसने जीत पैदा किये है उनका आहार भी वह पहुंचा रहा है। यहां तक कि जल में बियालिस लाख जीव रहते हैं उनके आहार का भी वह प्रबंध करता है जहां किसी किस्म की कोई खेती नहीं होती न कोई जल में दुकानदारी या कारखाने ही चलते हैं पर फिर वहां पर भी परमात्मा सब की रोजी रोटी का इंतजाम कर ही रहा है। हमें हमारे पूर्व जन्मों के अच्छे पुण्य फल के कारण मानव जीवन नसीब हुआ है जो प्रभु परमात्मा की सर्वश्रेष्ठ कृति है। इसलिये अब हमारा यह फर्ज बनता है कि प्रभु सिमरन बंदगी कर उस प्रभु परमात्मा की प्राप्ति कर लेवे।

रे मन राम सिओ कर प्रीति
सखनी गोविंद गुण सुनो और गाव हो रसना गी।।

प्रभु परमात्मा ने हमें रसना इसलिये दी है कि हम प्रभु परमात्मा की बंदगी करते रहे, उसकी स्तुति करते रहे न कि दूसरों की निंदा, चुगली में ही इसका दुरूपयोग करते रहें तभी गुरवाणी द्वारा हमें समझाईश दी गई है-

रसना गुण गोपाल निधि गायन सांति सहज रहस मन उपजायो
सगले दुख पलायन।

कान हमें दिये गये हैं प्रभु सिमरन कथा कीर्तन सुनने हेतु न कि हर वक्त दूसरों की निंदा चुगली ही सुनने के लिये।

ए सखनो मेरिओ साचे सुनने नू पठाये
साचे सुनने नू पठाये शरीर लाये सुनो सत बाणी

रसना से प्रभु बंदगी कान से प्रभु कीर्तन कथा इत्यादि ऐसा करते रहने से ही हमारे जन्म जन्म के किये गये कर्मों की मैल धुल जावेगी और हम अपनी जीवन नौका को इस संसार समुद्र से सुचारू रूप से खेकर प्रभु के साचे दरबार में उजले मुख से जा पावेगें जहां पर हमें हर वक्त फिर आनंद ही आनंद की प्राप्ति होती रहेगी। अब हमारा मानव जीवन पाने का एक सूत्रीय कार्यक्रम होना चाहिये प्रभु नाम सिमरन बंदगी में लगे रहे और अपना हीरे जैसा मानव जीवन कौड़ियों के भाव बर्बाद न कर देवे सिमरन बंदगी कर गुरमुख बन कर प्रभु के साचे दरबार में हमें जाना है।

इंदर सिंह आहुजा

आपके पत्र

'सीखते हुए कमाए' योजना को मज़बूत और सार्थक बनाने की ज़रूरत

अपनी शिक्षा जारी रखते हुए आय अर्जित करके, छात्र आंशिक रूप से या पूरी तरह से अपने शिक्षा व्यय का वहन कर सकते हैं। 'सीखते हुए कमाएं' योजना को मज़बूत करने से कुशल श्रमिकों का उत्पादन करके कौशल अंतर को पाटने में योगदान मिलता है, जो नौकरी बाज़ार की मांगों को पूरा करने के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित हैं। उद्योग-अकादमिक सहयोग को बढ़ाना: यह सहयोग सुनिश्चित करता है कि व्यावसायिक शिक्षा प्रणाली नवीनतम उद्योग प्रवृत्तियों और तकनीकी प्रगति के साथ अद्यतित रहती है, जिससे अंतत: छात्रों और नियोक्ताओं दोनों को लाभ होता है। यह योजना आजीवन सीखने की संस्कृति को बढ़ावा देती है, क्योंकि छात्र नौकरी बाज़ार की लगातार बदलती मांगों के अनुकूल होते हैं। व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण को नौकरी बाज़ार की मांगों के लिए अधिक सार्थक और प्रासंगिक बनाने के लिए यह दृष्टिकोण आवश्यक है।

पर्यटन मंत्रालय वर्तमान में प्रशिक्षुओं के बीच मूल्यवान पर्यटन यात्रा कौशल और ज्ञान को बढ़ावा देने और उन्हें 'छात्र स्वयंसेवक' के रूप में सेवा करने में सक्षम बनाने के लिए' सीखते हुए कमाएं' नामक एक योजना को लागू कर रहा है। यह योजना विशेष रूप से यात्रा उद्योग पर केंद्रित अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करती है, जो स्नातक पाठ्यक्रम करने वाले कॉलेज के छात्रों या 18 से 25 वर्ष की आयु के स्नातकों को लक्षित करती है।

यह योजना के महत्वपूर्ण पहलू- सीखते हुए कमाएं योजना में कई महत्वपूर्ण पहलू शामिल हैं जो इसे लाभकारी और प्रभावशाली बनाते हैं। इन पहलुओं में कौशल विकास शामिल है। यह योजना यात्रा उद्योग पर केंद्रित अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करती है, जो ग्राहक सेवा, आतिथ्य और संचार जैसे क्षेत्रों में प्रतिभागियों के कौशल और ज्ञान को बढ़ाती है।

प्रतिभागी पर्यटन उद्योग के भीतर संपर्क स्थापित करते हैं, पेशेवरों के साथ बातचीत करते हैं और भविष्य के रोजगार के अवसरों के लिए अपने नेटवर्क का विस्तार करते हैं। यह योजना कॉलेज के छात्रों और युवा स्नातकों को कौशल और ज्ञान से लैस करके सशक्त बनाती है जो उनकी रोजगार क्षमता को बढ़ाती है।

सीखते हुए कमाए- योजना व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण को सुविधाजनक और मज़बूत बनाती है-सीखते हुए कमाएं योजना विभिन्न तरीकों से व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण को महत्वपूर्ण रूप से सुविधाजनक और मज़बूत बनाती है जैसे यह योजना प्रतिभागियों को व्यावहारिक सीखने के अवसर प्रदान करती है, जिससे उन्हें वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों में सैद्धांतिक ज्ञान लागू करने की अनुमति मिलती है। प्रतिभागियों को उद्योग की आवश्यकताओं और मांगों के साथ संरेखित प्रशिक्षण प्राप्त हो। यह उद्योग-केंद्रित दृष्टिकोण व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण की प्रासंगिकता को बढ़ाता है, प्रतिभागियों को नौकरी के लिए तैयार करता है और उनकी रोजगार क्षमता बढ़ाता है।

प्रतिभागी उद्योग-सम्बंधित कौशल और ज्ञान प्राप्त करते हैं, जिससे वे कार्यबल में प्रवेश करने और अपने चुने हुए क्षेत्र में सफल होने के लिए अच्छी तरह से तैयार हो जाते हैं। यह योजना शैक्षणिक संस्थानों और यात्रा उद्योग के बीच सहयोग को बढ़ावा देती है। व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप हैं। यह योजना छात्रों को उनके चुने हुए क्षेत्रों में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने की अनुमति देती है, जो कार्यबल में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल और आत्मविश्वास विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण है।

प्रियंका सौरभ

भोपाल गैसकांड की 40वीं बरसी पर विशेष

गैस से बच कर निकले जहरीले सवाल

• अनुपम मिश्र

यह साल दुनिया की भीषणतम औद्योगिक त्रासदी 'भोपाल गैसकांड' की चालीसवीं बरसी का साल है। क्या हुआ था, दो और तीन दिसंबर की दरमियानी रात को? और उसके बाद किस-किस ने, कैसे-कैसे, क्या-क्या किया? 'सप्रेस' के दस्तावेजों में सुरक्षित, दुर्घटना के ठीक 20 दिन बाद, 22 दिसंबर 1984 को अनुपम मिश्र का जनसत्ता के लिए लिखा यह लेख कई जरूरी बातों की याद दिलाता है। -संपादक

मुख्यमंत्री अर्जुनसिंह और वैज्ञानिक श्रीनिवास वरदराजन ने बची गैस से कीडे-मार दवा एक बनाकर भोपाल को फिलहाल किसी तरह बचा लिया है। एक बडी आबादी को सोते से उठाकर यहां-से-वहां भगाकर मृत्यु की गोद में सुलाने के ठीक 13वें दिन, 16 से 19 दिसम्बर तक भोपाल में पूरे तामझाम के साथ जो कुछ भी हुआ वह एक अकल्पनीय तेरहवीं थी। विज्ञान, विकास और ऊंची तकनीक के नए ब्राम्हनों ने और उसका प्रबंध कर रहे नउओं ने मृतक शहर भोपाल के बचे हुए सदस्यों को सस्कृत में जो कुछ सुनाया और घड़ी और मुहूर्त देखकर जो कुछ किया उसका सार कुछ इस प्रकार है -

नाईट्रोजन से एमआईसी में दबाव बढ़ाया: दबाव 0.35 किलोग्राम प्रति वर्ग सेंटीमीटर हुआ : 10 बजकर 42 मिनट पर आवश्यक दबाब 1.8 किलोग्राम प्रति सेंटीमीटर हुआ : 10 बजकर 58 मिनट पर एक मीट्रिक टन मिथाईल आइसोसाइनेट द्रव का चार्ज पाट एक माप इकाई स्थानातरित किया गया और प्रथम स्थानांतरण की प्रक्रिया 11 बजकर 10 मिनट पर सम्पन्न हुई। ऐसे मंत्र और कर्मकांड तारक की तरह प्रस्तुत किए जा रहे थे, पर यही सब कर्मकांड 13 पहले मारक साबित हो चुके थे।

जिस दिन यह तेरहवीं शुरु हुई ठीक उसी दिन बिलकुल आर्यसमाजी पद्धति में एक नागरिक ने मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय में एक याचिका प्रस्तुत करते हुए इस 'आस्था अभियान' के माध्यम से यूनियन कार्बाइड कारखाने में शेष बची समूची एमआईसी गैस को नष्ट करने की प्रार्थना की थी। अवकाशकालीन जज न्यायमूर्ति लाल ने कहा कि अगर याचिकाकर्ता इतना आतुर था तो उसे पहले न्यायालय में आना चाहिए था, लेकिन लगता है कि अपने अधिकारों के मामले में वह तब सोया हुआ था और उचित समय रहते हुए वह न्यायालय के सामने नहीं आया। अब तक तो सरकार भारी खर्च कर सारी तैयारियां पूरी कर चुकी है और यदि 'आस्था अभियान' को स्थगित करने का आदेश दिया जाएगा तो यह सारा खर्च बेकार हो जाएगा। फिर भी न्यायालय ने वायरलेस से भोपाल सरकार को आदेश भेजकर पूरी गैस बेअसर न करने के निर्देश दे दिए।

बहरहाल तेरहवीं पूरी हुई और भोपाल फिर से शुद्ध और पवित्र हो गया। जीवन फिर से शुरु हो जाएगा। जनजीवन के सामान्य होने के अलावा कोई रास्ता भी नहीं होता है, लेकिन बचे भोपाल से कुछ बचे सवाल उठते हैं। कितने और भोपाल बचे हैं हमारे देश में? क्या राजनैतिक नेतृत्व उन्हें बचाने के बारे में सोचते, कुछ करने की इच्छाशक्ति समय से पहले दिखा, जुटा पाएगा? इन अमिट, जहरों पर टिके औद्योगिक और कृषि उत्पादन के ढांचे को हम अब भी आधुनिक, वैज्ञानिक व पूरी तरह से सुरक्षित मानकर अपनाते और फैलाते जाएंगे।

जिन जिन्नों के बारे में बड़े-बड़े वैज्ञानिक भी क ख ग तक नहीं जानते उन जिन्नों को प्रगति का हाथ मजबूत करने के लिए कांच की ऐसी नाजुक बोतलों में भर-भरकर क्यों रखा जा रहा है? 2500 लोगों को मारने, कोई एक लाख से ऊपर लोगों को तड़पाने और इतने ही लोगों को शहर से बाहर भगाने वाली गैस 'फासजीन' है कि 'मिथाइल आइसो-साइनाइड' या 'मिथाइल आइसो-साइनेट' है - इसी को तय करने में चोटी के वैज्ञानिकों और डॉक्टरों को 2 सप्ताह लग गए। वरदराजन ने जिस दिन अंतिम तौर पर इसे 'मिथाइल आइसो-साइनेट' बताया, उसके तीन दिन बाद भूतपूर्व प्रधानमंत्री के भूतपूर्व वरिष्ठ सलाहकार हक्सर ने इस पर फिर से प्रश्नचिन्ह लगा दिया। कुल मिलाकर बड़े वरिष्ठ लोग टकरा रहे हैं, छोटे से रसायन को तय करने में।

गैस से हुए नुकसान का निदान अललटप्पू है, किसी को पता नहीं की क्या दवा है इसकी। न 'यहां' के, न 'वहां' के डॉक्टर बता पाए कि गैस की मार में आकर बचे लोग कब तक बचेंगे? वहां की साग-सब्जी, हवा-पानी का क्या होगा? सरकारी विभाग 'सब ठीक है' बता रहे हैं, लेकिन 2 दिसम्बर से पहले उठी चिंताओं के हर जवाब में भी तो यही टेक हुआ करती थी। इसमें कोई शक नहीं है कि अमिट जहरों का धंधा करने वाली बहुराष्ट्रीय कंपनियां तीसरी दुनिया में दादागिरी के साथ धंधा करती हैं। अपने कचरे को यहां ठिकाने लगाती हैं। हमारे जैसे देशों को कचराघर बनाकर पैसा बटोरती हैं, पर उन्हें यह छूट कैसे मिलती है?

उन्हें यह सब करने की छूट ही नहीं, बाकायदा सुविधा कौन देते हैं, न्यौता कौन देता है और उन पर जरा-सा भी संकट आने पर उनकी पैरवी कौन करता है? मध्यप्रदेश में 'इंका' सरकार के तत्कालीन श्रममंत्री तारासिंह वियोगी कोई अकेले नहीं हैं, जो ऐसे कारखानों को कोई छोटा-सा पत्थर नहीं मानते और खतरे की जरा सी भी संभावना दिखलाई देने पर उसे उठाकर कहीं दूर रखने पर राजी नहीं होते। केंद्र और राज्यों की सभी तरह की सरकारों में ऐसे फैसले लेने के पदों पर बैठे लोग योगी नहीं, बिल्कुल वियोगी जैसे हैं। वे सब ऐसे कारखानों की विमनियों से निकलने वाले जहरीले धुएं से देश की गरीबी ढंक देना चाहते हैं। उनके लिए यह विकास की पताकाएं हैं।

विकास के झंडे कहां लहराएं, कहां गड़ें ये वे खुद तय करते हैं। थोड़ा-बहुत विवाद उठे तो उनके वैज्ञानिक और विशेषज्ञ उनका रुख समझकर वैज्ञानिक रिपोर्ट देकर उसे दबा देते हैं। मथुरा के पास बाद नाम की जगह में तेल साफ करने के कारखाने को भारी विरोध के बीच श्रीनिवास वरदराजन ने भी कुछ आवश्यक सावधानियां बरतते हुए लगाने की हरी झंडी दिखाई थी। इसी तरह बंम्बई के पास थाल वैशट में यूरिया खाद बनाने वाला दुनिया का सबसे बड़ा कारखाना किसी क्रूर राक्षस बहुराष्ट्रीय निगम का नहीं, बेहद कल्याणकारी सार्वजनिक उद्योग 'राष्ट्रीय रसायन व उर्वरक लिमिटेड' का है।

बम्बई के पर्यावरण को बचाने में लगी अनेक गैर-सरकारी संस्थाओं के विरोध के बावजूद यह हाल में ही बनकर तैयार भी हो गया है और इसी हफ्ते अमोनिया गैस की 'हल्की-सी रिसन' के कारण खबरों के बीच जगह भी पा चुका है। जब सन् 1978 में 'बम्बई बचाओ समिति' के लोग इंदिरा गांधी से इस बारे में मिलने और इसके कारण बम्बई, खासकर अलीबाग के सत्तर हजार लोगों पर मंडरा रहे खतरे बताने के लिए आए तो उनका जवाब था कि यह फैसला तो राज्य सरकार के हाथ में है। तकनीकी या अन्य कोई शर्त उस पर नहीं है। केवल इतनी सी बात है कि थाल क्षेत्र में इस कारखाने से जो भी क्षति होगी, उसके लिए केन्द्र सरकार जिम्मेदार नहीं होगी।

पूरे देश के पर्यावरण हवा, पानी, जमीन, पेड़-पौधे, पंछी, जानवरों की सुरक्षा की निगरानी की जिम्मेदारी निभाने वाले केन्द्र और राज्य के पर्यावरण विभागों और बोर्डों की भूमिका भी लोगों के जीवन के साथ खेलने वाली ऐसी योजनाओं में राजनीतिक नेतृत्व की चपरासीगिरी रही है। ऐसे कठिन मौके पर आगे बढकर कुछ नया करने की सिफारिश करने की हिम्मत भी विभागों ने अभी तक नहीं दिखाई है। देश के पर्यावरण की साज-संभाल में ये उन पुलिस थानों से बेहतर नहीं हो पाए हैं जिनके रोज खुलते जाने से भी 'कानून और व्यवस्था' की हालत पहले से कमजोर होती जाती है। केन्द्र सरकार ने इनका दर्जा फैसला देने का न बनाकर सलाह देने जैसा ही रखा है और ये विभाग और राज्यों के पर्यावरण मंडल वैसे ही सलाह देते हैं जैसी उनसे उम्मीद की जाती है। एक तो पूरे अधिकार नहीं, जिस पर ठीक काम करने के लिए पैसा न देकर विभागों को इनके जन्म से ही अपंग बनाए रखा गया है।

इसलिए यह विचित्र संयोग नहीं है कि देश में मध्यप्रदेश पहला राज्य है जिसने 'पर्यावरण नीति' की विधिवत घोषणा की है और इसी राज्य के कोई सुदूर कोने में नहीं, राजधानी में, ठीक सरकार की नाक के नीचे दुनिया की सबसे भयानक औद्योगिक प्रदूषण की घटना घटी है। जिस 'ग्यारह सूत्री नीति' से राज्य के पर्यावरण के काम को मजबूत किया जाना था और इस साल विधानसभा में राज्य के पर्यावरण सरंक्षण संबंधी कार्यों का लेखा-जोखा पेश किया जाना था, भोपाल गैस कांड ने उनकी धज्जियां उड़ा दी हैं।

जब एक कारखाने को मध्यप्रदेश सरकार 'पत्थर की तरह हटाकर' कहीं और नहीं रख पाई इसलिए उसकी जहरीली गैस से पूरा शहर सूखे पत्तों की तरह कांपकर उड़ गया। अब सरकार पत्तों को वापस बुलाने के लिए 'आस्था अभियान' चला चुकी है। मुख्यमंत्री अर्जुनसिंह ने 'दोटूक' घोषणा की है कि भोपाल में दुनिया की भीषणतम गैस कहर ढाने वाले यूनियन कार्बाइड के कारखाने को भोपाल में दोबारा चालू नहीं किया जाएगा। यह पूछे जाने पर की क्या वे इस प्रदेश की किसी और जगह लगाने की अनुमति देंगे, तो मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार के उस बयान की ओर ध्यान खींचा है कि ऐसे सभी कारखानों के बारे में नीति पर पुनर्विचार हो रहा है।

यह बयान प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने गैस कांड के एकदम बाद भोपाल में दिया था। पुनर्विचार में कितना समय लगेगा, कोयला उद्योग की सबसे भयानक दुर्घटना चसनाला के बाद भी ऐसे बयान दिए गए थे। फिर कुछ हुआ? खान मजदूरों के काम के दौरान धोखे का अंदेशा जस-का-तस है। खान दुर्घटनाएं आज भी होती रहती हैं, पर शायद मरने वालों की संख्याएं ज्यादा नहीं होती हैं इसलिए सरकारें हिलती नहीं हैं। लगता है, सरकारों को लोगों और अखबारों की कमजोर याददाश्त पर पूरा भरोसा है।

पुनर्विचार के बयान को आसानी से भुला देने के कई कारण दिख रहे हैं = देश के सामने आम चुनाव खड़े हैं, केन्द्र में नई सरकार कम्प्यूटरी पुलाव की होगी या खिचड़ी की, यह फैसला अभी फिलहाल भोपाल गैस कांड से जीवित बचे मतदाताओं के हाथ से बाहर हो गया है। भोपाल में चुनाव स्थगित हो गए हैं, लेकिन जो भी नई सरकार आए उसे याद दिलाने

का काम किसी को याद से करना है। भोपाल में राहत के काम में लगीं नागरिक संस्थाएं 'भोपाल गैस कांड विरोधी समिति,' देश में पर्यावरण का काम कर रहे अनेक गैर-सरकारी संगठन, प्रादेशिक या राष्ट्रीय कहलाने वाले अखबार कोई भी इस काम में आगे आ सकते हैं। यह जिम्मेदारी केवल ऐसे कारखानों के बारे में नीति पर पुनर्विचार की याद दिलाने भर की नहीं, उस नीति को सही ढंग से बनाने का दबाव डालने जैसा वातावरण बनाने की भी हैं।

सरकार जितना समय लेगी, इसके बदले अब तो यह तय करना होगा कि लोग इस बारे में सरकार को कितना समय देंगे? दशमलव प्रणाली से प्यार करने वाली सरकार को इस मामले में सौ ज्यादा दिन की छूट किसी भी हालत में नहीं दी जानी चाहिए। इस दौरान ऐसे सभी नागरिक संगठनों, संस्थाओं को पूछना चाहिए कि देश के औद्योगिक और कृषि उत्पादन में इस अमिट जहर की जरूरत है भी या नहीं? यदि है तो कितनी और किस कीमत पर? कारखाना आबादी के पास नहीं लगे का क्या मतलब है? शहर में नहीं तो गांव में लगे? अनबूझ रहस्यों और खतरों के कारखाने राजधानी भोपाल में नहीं तो अबूझमाड़ में लगेंगे? देश में निर्जन इलाके कहां हैं? विकास का लाभ कौन ले और बलि किसकी चढ़े? जैसे सवालों पर खुलकर बात करें। 'निर्भरता और आत्मनिर्भरता के स्वाद' को अपनी दाढ़ में जीभ लगाकर टटोलें, सोचें कि जिस पश्चिमी ढांचे पर निर्भरता टिकी थी, उसी को यहां ज्यों-का-त्यों लाकर आत्मनिर्भर होने में क्या उतना ही फर्क तो नहीं है जितना 'यूनियन कार्बाइड अमेरिका' और 'यूनियन कार्बाइड इंडिया' में है।

बची गैस से बचा भोपाल ऐसे कई सवाल उठाता है। इनका जवाब राजनैतिक नेतृत्व नहीं दे पाएगा। नागरिक नेतृत्व को ही इसमें पहल करनी होगी। नहीं तो अभी बहुत से और भी भोपाल बचे हैं जिनकी तेरहवीं में प्रगति के बम्हन जाते रहेंगे और हमसे लोटा, गमछा लेकर लौटते समय धीरज रखने, सहने और ईश्वर पर भरोसा रखने को कहते रहेंगे। **(सप्रेस)**

(श्री अनुपम मिश्र जाने-माने पर्यावरण जानकार और गांधी विचारक रहे हैं।)

40 साल की जद्दो-जेहद

• आजम खान

दुनिया की भीषणतम औद्योगिक त्रासदी से चार दशक पहले निपटने वाले भोपाल में इसे लेकर आज क्या हो रहा है? क्या सरकारों, सेठों और समाज ने अपनी-अपनी जिम्मेदारी सलीके से निभाई है? प्रस्तुत है, इसी की पडताल करता आजम खान का यह लेख।-संपादक

2 और 3 दिसंबर 1984 की दरमियानी रात, जब भोपाल के आसमान पर जहरीली मिथाइल आइसोसाइनेट (एमआईसी) गैस का साया छाया, वह इतिहास के सबसे घातक औद्योगिक हादसों में से एक बन गई। इस भयंकर औद्योगिक आपदा का जिम्मेदार यूनियन कार्बाइड (CIL) का कीटनाशक प्लांट था, जिससे मिथाइल आइसोसाइनेट (MIC) गैस का रिसाव हुआ। परिणामस्वरुप लगभग 3,500 से अधिक लोग मरे और अनगिनत बीमार और घायल हुए है। जिसके बाद अस्पताल घायलों से, श्मसान मुर्दों से भर गए और हजारों लोग अपने घरों से जान बचाने के लिए आसपास के इलाकों में निकल पड़े। इसके बाद कार्बाइड के चेयरमैन वॉरेन एंडरसन को हवाई अड्डे पर गिरफ्तार कर 2,000 डॉलर की जमानत पर रिहा कर दिया जाता है और वे भारत छोड़ देते हैं। असल में यह त्रासदी सिर्फ एक दुर्घटना नहीं, बल्कि लालच, लापरवाही और मानवीय जीवन के प्रति उदासीनता उजागर करती है।

कोई भी कॉर्पोरेट कंपनी का एक ही मकसद होता है कि अधिक-से-अधिक मुनाफा कमाना। इस लालच में वे औद्योगिक संस्थानों को अमानक तरीकों से चलाना, नियमों और चेतावनियों की अनदेखी करना एक आम बात है। जैसे की आप इस त्रासदी के सन्दर्भ में देखें तो पाते हैं कि यूनियन कार्बाइड ने चेतावनियों पर कभी ध्यान नहीं दिया जो उस समय के दस्तावेज और दैनिक अख़बारों देखने से पता चलती हैं। टैंक में मानक सीमा से अधिक MIC रखी गयी, नियमित निरीक्षण और मरम्मत पर ध्यान नहीं दिया गया जो कि प्रबंधन की लापरवाही को बताता है।

इसके बाद देखें तो पता चलता है कि गैस रिसाव को रोकने वाले उपकरण और अलार्म सिस्टम निष्क्रिय थे और स्थानीय कर्मचारियों को आपात स्थिति से निपटने का कोई प्रशिक्षण नहीं दिया गया था। संयंत्र के आसपास घनी आबादी के बावजूद, लोगों को संभावित खतरों से अनजान रखा गया जो कि प्रशासन और कंपनी का दायित्व था। इन सारी लापरवाहियों को जानने के बाद टैंक में मानक सीमा से अधिक स्थूष्ट रखना और अनियमित निरीक्षण और मरम्मत को नज़रंदाज़ करना आप को कुछ खास बात नहीं लगेगी।

मानवीय जीवन के प्रति उदासीनता का अंदाज़ा आप 40 साल की राजनैतिक पहलकदमियों, राहत कार्यों और मुआवजे के वितरण को देखकर लगा सकते हैं। बीते सालों में भारत और अमेरिका के बीच कई सरकारें बदलीं और उन्होंने व्यापार, सुरक्षा और संस्कृति जैसे कई विषयों पर द्विपक्षीय समझौते भी किये, लेकिन भोपाल गैस त्रासदी का मुद्दा कभी भी उनकी प्राथमिकता में नहीं आया। आप ऐसा भी न समझें की सरकारें इसे भूल गईं। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हर साल गैस त्रासदी की बरसी के दिन सभा में शामिल होते हैं, श्रद्धांजलि देते हैं और एक मंत्रालय और मंत्री भी है जिनकी अहमियत लगातार कम होती जा रहा है या यूँ कहा जाये उनकी दिलचस्पी भी न के बराबर है। दोनों देशों के बीच इस त्रासदी के संदर्भ में केवल कुछ संवाद ही हुआ, जब पीड़ितों ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर न्याय की मांग की।

उदासीनता का मंजर आप को गैस राहत अदालतों के गठन से भी समझ सकेंगे। शुरुआती दौर में मुआवजे के दावों के लिए शासन ने तक़रीबन 56 अदालतों और 5-7 अपीलीय अदालतों का गठन किया था जो आज केवल एक पर आकर थम गई है। आप समझ सकते हैं कि हजारों मुआवजे के दावों पर इन अदालतों में न्याय की रफ़्तार कैसी रही होगी और एक विधिक विद्यार्थी के तौर पर मैं समझ सकता हूँ कि वहां न्याय और मुआवजे के साथ पीड़ितों और फर्जी पीड़ितों के बीच मुआवजे को पाने की कैसी जंग हुई होगी, जिसका छुटभइये नेता, दलालों और बाबुओं ने कैसा फायदा उठाया होगा।

पीड़ितों के लिए बहुत अहम् सेवा, स्वास्थ्य सेवा है, जहां उन्नत चिकित्सा के लिए 'भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर' (BMHRC) को स्थापित किया गया। हालांकि, वित्तीय संकट और विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी के कारण यह अस्पताल अपनी क्षमताओं के अनुसार काम करने में नाकामयाब रहा है। कई गंभीर बीमारियों वाले मरीजों को प्राथमिकता नहीं मिल पा रही, और समय पर इलाज न होने से उनकी स्थिति और बिगड़ रही है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त निगरानी समिति ने भी इस ओर ध्यान दिलाया कि अस्पताल की सेवाएं अपर्याप्त हैं और धन की कमी इसकी मुख्य वजह है, लेकिन इसकी तकलीफों का अंत नहीं दिखता। इन विशेष स्वास्थ्य सेवाओं और पीड़ितों की हालात देखकर सिर्फ इस बात की प्रतीक्षा कर सकते हैं कि दोनों में से कौन जल्दी ठीक होगा। साथ ही इस स्वास्थ्य सेवा संस्थान द्वारा गैस पीड़ितों के लिए किये गए अध्ययन और सिफारिशें भी उत्सुकता का विषय हो सकते हैं। अब पीड़ितों को आयुष्मान योजना में भी शामिल कर लिया गया है, लेकिन वे तभी शामिल हो सकेंगे जब पीड़ित के पास स्मार्ट कार्ड होगा।

आज चार दशक बाद भी स्वास्थ्य और पर्यावरणीय स्थिति गंभीर बनी हुई है। पीड़ितों और उनके परिवारों पर पीढ़ी-दर-पीढ़ी असर जारी हैं। जिसमें मुख्यरूप से कैंसर, फेफड़ों और यकृत के रोग, तंत्रिका तंत्र की समस्याएं और मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ व्यापक रूप से दर्ज किए गए हैं। गैस के प्रभाव से जन्म दोष और गर्भपात की दर अधिक है। त्रासदी से बची महिलाओं के बच्चों में भी कई प्रकार के स्वास्थ्य विकार देखे गए हैं, लेकिन इन समस्याओं के बीच एक स्वैच्छिक अस्पताल अपनी सेवाएँ दे रहा है और अध्ययनों में सहायक भी है जो अपने आप में एक मिसाल है।

इसके अलावा, यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री स्थल पर छोड़ा गया जहरीला कचरा आज भी एक गंभीर समस्या बना हुआ है। लगभग 300 मीट्रिक टन से अधिक ठोस और तरल जहरीला कचरा फैक्ट्री परिसर में पड़ा है, जो मिट्टी और भूजल को प्रदूषित कर रहा है। जिससे लगभग 3 लाख लोगों की आबादी प्रभावित है जो दूषित पानी पीने को मजबूर है और जिसके कारण उन्हें जटिल स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। समस्या का समाधान न होने का मुख्य कारण जिम्मेदारी तय करने में देरी है। त्रासदी के लिए यूनियन कार्बाइड और उसकी मूल कंपनी डॉव केमिकल्स को जिम्मेदार ठहराया गया, लेकिन उन्होंने जहरीले कचरे के निपटान से पल्ला झाड़ लिया। सरकार और स्थानीय प्रशासन भी समस्या को प्रभावी ढंग से हल करने में असमर्थ रहे हैं। कानूनी लड़ाई, मुआवजा विवाद और पर्यावरणीय समस्याओं की उपेक्षा ने स्थिति को और जटिल बना दिया है।

सरकार द्वारा कई बार जहरीले कचरे के निपटान की योजनाएँ बनाई गईं, लेकिन उनमें से अधिकांश अधूरी रह गईं। कई बार प्रस्तावित स्थानों पर स्थानीय विरोध के कारण कचरे को सुरक्षित रूप से हटाया नहीं जा सका। वैज्ञानिक और पर्यावरणविदों का मानना है कि इस कचरे का निपटान अत्यधिक सावधानी और आधुनिक तकनीकों से किया जाना चाहिए ताकि और नुकसान न हो। भोपाल गैस त्रासदी न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक सबक है। यह हमें याद दिलाती है कि विकास और उद्योग के साथ-साथ मानवता और पर्यावरण की रक्षा करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इस त्रासदी से सीखी गई शिक्षा को आगे आने वाले खतरों को रोकने के लिए इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

वैसे एक विकासशील देश का लोकतान्त्रिक चेहरा ये मिसाल पेश करता हैं, की सरकारें और कंपनी जिसे एक दुर्घटना मानती हैं वंहा पर भी उस दुर्घटना के शिकार लोगों को 40 साल बाद भी न्याय, कॉर्पोरेट जवाबदेही, स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए न ख़त्म होने वाले संघर्ष और भुला दिए जाने तक इंतज़ार करना पड़ सकता है।

भोपाल गैस त्रासदी के संघर्ष के कुछ मानवीय पहलू बेहद चौंकाने वाले हैं, जो शायद आज के भारत के लिए अनूठे हो सकते हैं। जैसे कुछ मशहूर और कई अनजाने स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, विद्यार्थियों, महिलाओं और समाज विज्ञानियों का योगदान अलग-अलग तरीकों से रहा है। इस संघर्ष को किसी ने सड़क पर, किसी ने न्यायालय में, किसी ने स्वास्थ्य संस्थानों (अस्पताल) में, किसी ने प्रकाशनों में और महिलाओं ने परिवार और समाज में साम्प्रदायिक और सामाजिक सौहार्द के साथ जिया और जिंदा रखा है। जिसमें भोपाल के लोग ही नहीं देश और दुनिया के तमाम लोग और संगठन जो न्याय, जन-स्वास्थ्य, पर्यावरण, और मानवाधिकारों के प्रति समर्पित हैं वे आज भी चुनौतियों का सामना करते हुए अलग-अलग मोर्चों पर अपनी आवाज़ बुलंद कर रहे हैं और कार्पोरेटी राक्षस को उसके गुनाह की सजा अहिंसक तरीके से दिलाने के लिए संघर्षरत हैं। **(सप्रेस)**

(श्री आजम खान सामाजिक कार्यकर्ता एवं अभिभाषक हैं।)

टेस्ट क्रिकेट सर्वोच्च है, उसकी प्रतिष्ठा बनाए रखूंगा

दुबई, 1 दिसंबर (एजेंसियां)। एक दिसंबर को आईसीसी के नए अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल की शुरुआत करने वाले से जय शाह ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट सर्वोच्च है और उसकी प्रतिष्ठा को बनाये रखने के लिए वह हरसंभव कार्य करेंगे।

जय शाह ने कार्यभार संभालने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा कि टेस्ट क्रिकेट खेल में सर्वोच्च है और मैं इसकी प्रतिष्ठा बनाये रखने के लिए प्रतिबद्ध हूं और इसे प्रशंसकों तक ले जाऊंगा। इसी तरह महिला क्रिकेट की हमारी आगे बढ़ने की रणनीति में महत्वपूर्ण भूमिका है क्योंकि हम खेल को नयी ऊंचाइयों तक ले जाना चाहते हैं। नए अध्यक्ष ने साथ ही कहा कि मैं आईसीसी अध्यक्ष की भूमिका निभाने के लिए खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं और आईसीसी के निदेशकों और बोर्ड सदस्यों द्वारा मिले समर्थन और विश्वास के लिए भी आभारी हूं। हम मिलकर क्रिकेट को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक ले जाएंगे, नयी पीढ़ी को प्रेरित करेंगे और अपने महान खेल क्रिकेट के जरिये समुदायों को एकजुट करेंगे। जय शाह ने कहा कि हम उस अहम मोड़ पर हैं जहां हमें विभिन्न प्रारूपों के सहस्तित्व को सुनिश्चित करना है और महिला क्रिकेट में तेज़ी लाना है। वैश्विक स्तर पर क्रिकेट में अपार संभावनाएं हैं और मैं आईसीसी टीम और सदस्यों देशों के साथ मिलकर

क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए नए अवसरों को भुनाने की ओर देख रहा हूं। 36 वर्षीय शाह को इस पद के लिए निर्विरोध चुना गया था और वह इस पद पर आसीन होने वाले सबसे युवा आईसीसी अध्यक्ष हैं। आईसीसी अध्यक्ष बनने से पहले वह बीसीसीआई के सचिव की भूमिका निभा रहे थे। वह पहले एशियन क्रिकेट काउंसिल और आईसीसी के कमर्शियल और वित्तीय संबंधी समिति के भी अध्यक्ष रह चुके हैं। जय शाह के नेतृत्व में आईसीसी के सामने इस समय बड़ी चुनौती चैंपियंस ट्रॉफ़ी के आयोजन स्थल पर फैसला लेने की है। यह टूर्नामेंट पाकिस्तान में खेला जाना प्रस्तावित है जिसकी शुरुआत 19 फ़रवरी से होनी है। लेकिन सरकार से अनुमति ना मिलने का हवाला देते हुए बीसीसीआई के पाकिस्तान जाने से मना करने के चलते अभी तक इस टूर्नामेंट का कार्यक्रम घोषित नहीं किया गया है। पीसीबी अब तक पूरे टूर्नामेंट को पाकिस्तान में ही आयोजित करने पर अडिग थी क्योंकि उन्होंने 2023 के वनडे वर्ल्ड कप में अपनी टीम को हिस्सा लेने के लिए भारत भेजा था। हालांकि इस मसले पर एक समझौता किया जा सकता है, जिसके तहत भारत के सभी मैच किसी तटस्थ जगह पर आयोजित किए जाएंगे।

जय शाह ने चैंपियंस ट्रॉफी पर फैसले से पहले संभाली आईसीसी की कुर्सी

दुबई। आईसीसी के चेयरमैन के रूप में रविवार को अपना कार्यकाल शुरू करने जा रहे जय शाह ने ओलंपिक में खेल की उपस्थिति का लाभ उठाने और दुनिया भर में महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए अपने दृष्टिकोण की रूपरेखा पेश की है। उन्हें 27 अगस्त, 2024 को आईसीसी का नया चेयरमैन चुना गया था। अब तक जय शाह बीसीसीआई के सचिव के रूप में काम कर रहे थे। वह आईसीसी का चेयरमैन बनने वाले 5वें भारतीय हैं। 36 वर्षीय शाह को ग्रेग बार्कले की जगह लेने के लिए निर्विरोध आईसीसी का नया चेयरमैन चुना गया, जो नवंबर 2020 से इस पद पर हैं। वह इस प्रतिष्ठित पद को संभालने वाले सबसे कम उम्र के व्यक्ति बन गए हैं। वह जगमोहन डालमिया, शरद पवार, एन श्रीनिवासन और शशांक मनोहर के बाद आईसीसी चेयरमैन बनने वाले पांचवें भारतीय हैं। आईसीसी की ओर से जारी एक बयान में शाह ने कहा कि मैं आईसीसी अध्यक्ष की भूमिका निभाकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं और आईसीसी निदेशकों और सदस्य बोर्डों के समर्थन और विश्वास के लिए आभारी हूं। यह खेल के लिए एक रोमांचक समय है क्योंकि हम लॉस एंजिल्स 28 ओलंपिक खेलों की तैयारी कर रहे हैं और दुनिया भर के प्रशंसकों के लिए क्रिकेट को अधिक समावेशी और आकर्षक बनाने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम कई प्रारूपों के सह-अस्तित्व और महिलाओं के खेल के विकास में तेजी लाने की आवश्यकता के साथ एक महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं। क्रिकेट में वैश्विक स्तर पर अपार संभावनाएं हैं। मैं इन अवसरों का लाभ उठाने और खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए आईसीसी टीम और सदस्य देशों के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं।

मैं अगले ओलंपिक में भारत के कांसे के रंग को बदल और चमकदार करना चाहता हूं : राजकुमार

सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर (देशबन्धु)। 26 बरस के राजकुमार पाल ने उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के कर्मपुर गांव में हॉकी के दीवाने स्वर्गीय तेज बहादुर की कर्मपुर हॉकी एकेडमी में अपने दोनों बड़े भाइयों जोखन पाल और राजू पाल की तरह अपने हॉकी कौशल को मांजा। अब राजकुमार पाल भारतीय पुरुष हॉकी टीम के बेहतरीन मिडफील्डर के रूप में अपनी एक अलग पहचान बना चुके हैं। भारत को 2024 में पेरिस ओलंपिक में कांसा जिताने पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी

- **मैं खुद और भारत के लिए बराबर अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूं**
- **भारत को 2024 ओलंपिक में कांसा जिताना हमेशा याद रहेगा**

आदित्यनाथ ने उन्हें एक करोड़ रुपये के इनाम के साथ पुलिस में डीएसपी बनाने की घोषणा की। भारतीय टीम ब्रिटेन के खिलाफ 2024 के पेरिस ओलंपिक क्वार्टर फाइनल में करीब तीन क्वार्टर दस खिलाड़ियों से खेलते शूटआउट में राज कुमार पाल के हॉकी की कलाकारी दिखा सबसे दर्शनीय और बेहतरीन गोल से 4-2 की जीती। बमुश्किल एक बीघा(15 बीसा) जमीन के मालिक रहे स्वर्गीय कल्पनाथ पाल और मनराजी देवी को अपने तीन बेटों जोखन पाल, राजू पाल और राज कुमार पाल का पालन पोषण करने के लिए बहुत मुश्किलों से गुजरना पड़ा। कल्पनाथ पाल ने तेज बहादुर जी का ट्रक चलाया और मनराजी देवी ने अपनी करीब एक बीघा जमीन पर घर के गुजारे लायक अनाज और सब्जी लगा कर किसी तरह अपने परिवार को चलाया।

राज कुमार पाल को अपनी मां मनराजी देवी और पिता कल्पनाथ पाल का यह संघर्ष आज भी याद है। राज कुमार पाल के पिता कल्पनाथ पाल का निधन तेज बहादुर जी का ट्रक चलाते हुए एक सड़क हादसे में कर्मपुर में तीनों पाल बंधुओं -जोखन, राजू और राज कुमार-

का अपने गांव की कर्मपुर हॉकी एकेडमी में हॉकी खेलना बहुत काम आया क्योंकि इसी से तीनों को नौकरी भी मिली। खुद राज कुमार पाल बताते हैं कि इस मुश्किल घड़ी में तेज बहादुर जी ने परिवार की जो मदद की उससे उन्हें बराबर मुश्किल हालात से उबरने में मदद मिली। प्रस्तुत है राज कुमार पाल से नीदरलैंड से फोन पर हुई खास बातचीत । राजकुमार पाल बताते हैं, ' मेरा भारत की सीनियर हॉकी टीम के लिए खेलने का सफर खासा संघर्ष रहा।

सार समाचार

मुख्यमंत्री का विधायक शर्मा ने किया स्वागत, भेंट की मुरली

सिरोंज, देशबन्धु। मुख्यमंत्री मोहन यादव के विदेश दौरे से लौटने पर विधायक उमाकान्त शर्मा ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर विधायक श्री शर्मा ने मुख्यमंत्री को प्रतीक स्वरूप एक मुरली भेंट की। उन्होंने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में स्थिरता अमन चैन और विकास की दिशा में हो रहे कार्यों की सराहना करते हुए उनके स्थिर सरकार के माध्यम से मध्यप्रदेश में चैन की वंशी निरंतर बजने की शुभकामनाऐं देते हुए प्रदेश में उद्योग जगत में प्रगति के लिए सफल विदेश यात्रा पर बधाई दी।

विधायक शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश में विकास और शांति का माहौल बना हुआ है। हमें विश्वास है कि उनका नेतृत्व प्रदेश को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा और यहां विकास की वंशी सदैव बजती रहेगी। आपने जर्मनी और इंग्लैण्ड का दौरा कर शिक्षित और युवा बेरोजगारों के लिए नवीन और श्रेष्ठतम रोजगार सृजित करने का जो प्रयास किया है उसके दीर्गामी अच्छे परिणाम मिलेगे। मध्यप्रदेश आपके नेतृत्व में विकसित प्रदेश और मोदी जी के नेतृत्व में विकसित भारत का निर्माण होगा।

खाद विक्रेता की दुकान सील, दर्ज होगी एफआईआर

सिरोंज, देशबन्धु। आसपास के क्षेत्र में इन दिनों किसान बोवनी के लिए खाद लेने को घूम रहा है। खाद की कमी का फायदा उठाकर मौका परस्त व्यापारी और जिम्मेदार अपना लाभ कमाने के लिए कुछ भी करने को तत्पर हैं। यहां अनुविभागीय अधिकारी हर्षल चौधरी धोखाधड़ी और अधिक मूल्य पर खाद बेचने वालों पर अंकुश लगाने का प्रयास कर रहे है। इसी कड़ी में गत दिनों सोयाबीन खरीदी में गड़बड़ी करने वाले सर्वेयर पर कार्रवाई की तो आज अधिक मूल्य पर यूरिया विक्रय करते हुए व्यापारी को रंगे हाथों पकड़ा और उस पर एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए। श्री चौधरी ने बताया कि आज हमने परीक्षण क्रय करवाकर सिध्दीविनायक ट्रेडर्स पर पाया कि 267 रुपए की यूरिया की बोरी 450 में बेची गई व व्यापारी ने फोन पे के माध्यम से भुगतान लिया। यह परीक्षण क्रय, कृषक अरविंद पुत्र भैया साहू द्वारा करवाया गया। मौके पर मौजूद एसडीएम, तहसीलदार, थाना प्रभारी,कृषि विभाग के अधिकारी मौजूद थे.जिनकी उपस्थिति में दुकान सील की गई। श्री चौधरी ने बताया कि हमारी लगातार जांच चल रही है और सूचना हमें मिलती रहती है। आज हमने परीक्षण क्रय करवा कर करीब 80 प्रतिशत ज्यादा राशि लेते हुए व्यापारी को पाया है ली गई जिस पर डी डी ए विदिशा आकर संबंधित व्यापारी पर प्राथमिककी दर्ज कराएंगे।

व्यापार महासंघ ने 36 व्यापारिक संगठनों के साथ की बैठक

सड़कों के डामरीकरण पर व्यापारी एकराय, सीसी रोड को नकारा

विदिशा, देशबन्धु। पिछले दो हफ्ते से नगर के मुख्य बाजार में सीसी सड़क निर्माण को लेकर विरोध की गतिविधियां संचालित हो रही थीं। सीसी सड़क के विरोध में नगर के 36 संगठनों के साथ व्यापार महासंघ द्वारा रविवार को अग्रवाल धर्मशाला में बैठक आयोजित की गई। जिसमें व्यापारियों से सड़क निर्माण संबंधी विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान 99 फीसदी व्यापारियों ने सीसी सड़क का विरोध किया और कहा कि नगर की मुख्य बाजार की सड़कों पर सिर्फ और सिर्फ डामरीकरण ही होना चाहिए।

रविवार को अग्रवाल धर्मशाला ट्रस्ट में व्यापार महासंघ के आव्हान पर नगर के 36 व्यापारिक संगठनों को बुलाया गया। इस दौरान मौजूद सभी संगठनों के पदाधिकारियों और सदस्यों से सीसी सड़क निर्माण को लेकर विचार सांझा किए गए। इस दौरान व्यापार महासंघ अध्यक्ष मुन्नालाल जैन, उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष राजेश जैन, पूर्व व्यापार महासंघ अध्यक्ष सुरेश मोतियानी, राजीव जैन, नवल शास्त्री, नीरज चौरसिया आदि मौजूद थे। इस दौरान सभी व्यापारियों ने एक राय होकर सीसी सड़क का विरोध दर्ज कराया और डामरीकरण करने की मांग को लेकर अपनी बात रखी।

व्यापार महासंघ अध्यक्ष मुन्नालाल जैन ने कहा कि डबल इंजन की सरकार तो सुनी थी, लेकिन विदिशा में ट्रिपल इंजन की सरकार चल रही है, क्योंकि नगर में विकास को लेकर व्यापारियों और आम व्यक्ति की बात को नहीं सुना जाता है। उन्होंने कहा कि सीसी सड़क बनने से सड़क करीब 2 फीट ऊंची हो जाएगी, जिससे बारिश का पानी दुकानों में भर जाएगा और व्यापारियों को अपनी दुकानों की ऊंचाई बढ़ाना पड़ेगी। जिससे दुकान मालिक और किराएदार के बीच विवाद की स्थिति निर्मित होगी। उन्होंने कहा कि नगर पालिका द्वारा सीसी सड़क निर्माण करने से पहले व्यापारियों से विचार विमर्श क्यों नहीं किया गया और

बिना विचार विमर्श किए ही सड़क स्वीकृत कर दी। उन्होंने कहा कि किसी भी हालत में नगर के मुख्यमार्ग पर सीसी सड़कों का निर्माण नहीं होने दिया जाएगा। अगर सड़कों का निर्माण ही करना है तो डामरीकारण किया जाए।

वहीं राजेश जैन ने कहा कि करीब 25 करोड़ रुपए से नगर में सीसी सड़कों के निर्माण के लिए स्वीकृति मिली है। इतनी राशि से डामरीकरण की करीब 50 किलोमीटर सड़क बनाई जा सकती है। जबकि सीसी निर्माण से व्यापारियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि डामर सड़क निर्माण के लिए बैठक में आए 99 फीसदी लोगों ने डामरीकरण सड़क के लिए स्वीकृति दी है, सिर्फ आठ लोगों में ही सीसीकरण के पक्ष में अपनी बात रखी है। आशीष माहेश्वरी ने कहा कि राजनेता एक दूसरे की लड़ाई में आम जनता और व्यापारियों को पीस रहे हैं। उन्होंने कहा कि विदिशा नगर का इतिहास काफी पुराना है। साथ ही उन्होंने कहा कि माधवगंज चौराहा से लेकर रामलीला चौराहे तक अगर सीसी सड़क का निर्माण किया गया तो इसका पुरजोर विरोध किया जाएगा। किसी भी हालत में सीसी सड़क का निर्माण नहीं होने दिया जाएगा। पहले नगर पालिका और जनप्रतिनिधियों को बारिश में भरने वाले पानी की निकासी की व्यवस्था करना चाहिए, इसके बाद ही सड़कों का निर्माण कराया जाए, बारिश के दिनों में बाजार के चार-पांच स्थानों पर दो-दो, तीन-तीन फिट पानी भर जाता है। जिससे व्यापारियों और आम लोगों को निकलने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

वहीं राजेश सोनी ने कहा कि नगर के व्यापारियों और आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि अपने आसपास अगर सीसी सड़क का निर्माण होता है तो उसकी गुणवत्ता की जांच की जाए और अगर गुणवत्ताहीन सड़क बन रही है तो उसका विरोध किया जाए। इस अवसर पर सुरेश मोतियानी, सचिन जैन, नितिन माहेश्वरी, सचिन ताम्रकार, राजकुमार सहित अन्य व्यापारियों ने भी अपनी बात रखी।

नगर की सड़कों की हालत खस्ता : - वहीं नीरज चौरसिया ने कहा कि व्यापारियों की राय के अनुसार ही नगर पालिका और जनप्रतिनिधियों को नगर में विकास कार्य करने चाहिए, क्योंकि व्यापारियों और आम जनता को होने वाली परेशानियों के निराकरण के लिए जनप्रतिनिधियों को ही चुना जाता है। उन्होंने कहा कि नगर की सड़कों की हालत बहुत ही खराब स्थिति में है। नगर पालिका को सड़कों की ओर भी ध्यान देना चाहिए, जिससे कि आम लोगों को सुविधा मिल सके। वहीं उन्होंने कहा कि नगर की मुख्य बाजार की सड़कों पर डामरीकरण ही कराया जाना चाहिए। वहीं बताया गया कि आज सोमवार को व्यापार महासंघ द्वारा कलेक्टर को एक ज्ञापन भी सौंपा जाएगा।

नदी जल स्वच्छता व जन जागरुकता का अखंड अभियान

बेतवा के रिपटा घाट पर श्रमदान अभियान के तहत की सफाई

गंजबासौदा, देशबन्धु। बेतवा नदी स्वच्छता एवं जन जागरूकता के क्रम में रविवार को श्रमदान दल के सदस्यों द्वारा बेतवा नदी रिपटा घाट पर साप्ताहिक श्रमदान अभियान 4.0 के दसवें चरण में अंतर्गत स्वच्छता कार्य को अंजाम दिया। नदियों एवं घाटों को साफ स्वच्छ बनाने तथा नदियों एवं उनके जल की महत्ता के बारे में जन जन को समझाने के लिए दल के सदस्य यथा संभव प्रयास कर रहे है । ताकि नदियों के संरक्षण के प्रति लोगों के जहन में चेतना जागृत हो और हर व्यक्ति जल संसाधनों के संरक्षण के लिए आगे आए ।

बेतवा नदी स्वच्छता अभियान के तहत श्रमदान दल के सदस्यों ने रविवार को रिपटा घाट पर सफाई करते हुए बड़ी मात्रा में नदी और उसके किनारे से साबुन-शैंपू के पाउच और प्लास्टिक पॉलिथीन एवं बोरियों को एकत्रित किया गया। जागरूकता की कमी और क्षेत्रीय प्रशासन की अनदेखी, कानूनी कार्रवाई के अभाव के कारण उक्त सामग्री नदी में प्रदूषण का प्रमुख कारण बन रही थी। सबसे बड़ी चुनौती यह है कि हर रविवार को दल के सदस्य घाट पर पहुंच कर नदी और घाट को साफ स्वच्छ बनाने के लिए समय , श्रम और धन खर्च करते है तो दूसरी ओर आदतन और हठी प्रवृति के लोग घाटों पर पहुंच कर बेधड़क साबुन शैंपू का उपयोग करते है । प्लास्टिक पॉलिथीन एवं पाउच भी जहां तहां फेंक देते है। यह जानते हुए भी कि उक्त प्लास्टिक सामग्री बायोडिग्रेडेबल नही है। रविवार को श्रमदान दल के सदस्यों ने बड़ी मात्रा में साबुन शैंपू पाउच, सिर के बाल और प्लास्टिक पॉलिथीन बड़ी मात्रा में एकत्रित किया।

दल के सदस्यों ने नगर के लोगों से अपील की कि वे नदियों के किनारे साबुन, शैंपू का उपयोग न करें, घरों से निकलने वाले सामग्री, कचरा तथा प्लास्टिक सामग्री को नदियों में प्रवाहित करने से बचे और स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग दें। यह प्रयास न केवल नदी के जल को संरक्षित करेगा, बल्कि जल-जीवों के अस्तित्व को भी सुरक्षित रखेगा।

रविवार को दसवें चरण के स्वच्छता कार्यक्रम में गजराज राय, राकेश रघुवंशी, नितिन अग्रवाल, योगेंद्र माझी, दिनेश चौरसिया, दीपेश शर्मा, संस्कार अग्रवाल एवं आकाश जैन से सहभागिता दर्ज की।

माधवगंज और तिलक चौक के बीच का मार्ग वन वे घोषित

विदिशा, देशबन्धु। मुख्य बाजार में जाम की स्थिति की वजह से आम जनता और व्यापारी परेशान रहते थे। इसी समस्या से निजात पाने के लिए बार-बार वनवे की मांग उठ रही थी। कलेक्टर रोशन कुमार सिंह और एसपी रोहित काशवानी द्वारा शहर में बाइक से घूमकर इस स्थिति से निपटने का हल ढूंढने का प्रयास किया गया। जिसमें यह तय किया गया कि तिलक चौक से माधवगंज के बीच के मुख्य बाजार को वन वे किया जाए, इसको लेकर रविवार को पुलिस द्वारा बैरिकेडिंग करते हुए प्रायोगिक तौर पर वनवे किया जा रहा है। नगर पुलिस अधीक्षक में बताया कि सोमवार से इसे व्यवस्थित रूप से लागू कर दिया जाएगा।

विश्व एड्स जागरूकता दिवस पर जागरूकता रैली

विदिशा, देशबन्धु। सोमवार विश्व एड्स जागरूकता दिवस के मौके पर स्वास्थ्य विभाग और एड्स जागरूकता संस्थान के साथ रेड रिबन और अन्य सामाजिक संगठनों, कॉलेज के विद्यार्थी और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों के साथ जिला अस्पताल परिसर से जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। विवेकानंद चौराहा से होते हुए वापिस जिला अस्पताल में संपन्न हुई। इस दौरान काउंसलर आरती शर्मा, जिला नोडल अधिकारी समीर किरार, मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर योगेश तिवारी, सिविल सर्जन डॉक्टर शिरीष रघुवंशी आदि मौजूद रहे।

स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

भेरून्दा, देशबन्धु। जेंडर आधारित हिंसा की रोकथाम के लिए 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। शनिवार को अभियान के तहत नीलकमल शिक्षा निकेतन हायर सेकेंडरी स्कूल भैरूंदा में कानूनी जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में साइबर क्राइम, अधिनियम 2005, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012, भारतीय न्याय संहिता 2023 के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मदन सिंह रघुवंशी और अनुविभागीय अधिकारी पुलिस दीपक कपूर, थाना प्रभारी घनश्याम सिंह दांगी, बीआरसी विजय सिंह पंवार, ललित कीर, स्कूल संचालक जगदीश कुमार शर्मा, शारदा विधा मन्दिर हायर सेकंडरी स्कूल संचालक गौरी शंकर यादव, प्राचार्य एवं शिक्षकगण ,सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

श्रमिक सम्पर्क अभियान : महासंघ के कार्यकर्ताओं ने किया जनसम्पर्क

विदिशा, देशबन्धु। भारतीय मजदूर संघ का 70वां वर्ष शून्य से शिखर तक की ध्येय यात्रा के कार्यक्रमों में से दिसंबर 1 से 15 दिसंबर तक चलने वाला श्रमिक संपर्क अभियान है। अभियान के पहले दिन भारतीय मजदूर संघ एवं सभी महासंघों के प्रमुख कार्यकर्ताओं ने 1 दिसंबर को माधवगंज चौक पर एकत्रित होकर संगठन के झंडे बैनर एवं संगठन के नारों के जयकारा के साथ श्रमिकों एवं समाज के प्रमुख व्यक्तियों से संपर्क कर पत्रक के माध्यम से भारतीय मजदूर संघ द्वारा मजदूर कर्मचारियों के हित में

किए गए कार्यों एवं संगठन की रीति-नीति का संक्षिप्त में विवरण प्रस्तुत किया।

श्रमिक संपर्क अभियान में प्रमुख रूप से महेंद्र सोनी, मुकेश चौरसिया, लाखन सिंह जाट, प्रदीप निगम, सतीश श्रीवास्तव, मोहन सिंह रघुवंशी, विमलेश त्रिवेदी, अनीता यादव, लक्ष्मण सिंह जाट, उधम सिंह अहिरवार, सचिन कुशवाहा, प्रमोद चौरसिया, गजेंद्र पाल सिंह झाला, सलमान सिंह, अजय प्रताप सिंह कौरव, मनोज ठाकुर, शैलेंद्र चौबे, विजय सिंह, राजेंद्र सिंह रघुवंशी, नरेंद्र रघुवंशी, गुंजन ढोले, आनंद लखेरा, हेमंत अहिरवार अरविंद अवस्थी, नित्य प्रकाश शर्मा आदि मौजूद थे।

खेल महाकुंभ : विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित

गंजबासौदा, देशबन्धु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वारा नगर में खेल महाकुंभ का आयोजन किया गया। खेल महाकुंभ का उद्घाटन गिरीश प्रदेश संगठन मंत्री, क्रीड़ा भारती और राजकुमार सिंह प्रांत शालेय कार्य प्रमुख द्वारा किया गया। खेल कुंभ में 2 सौ से अधिक खेल जैसे रस्सा खींच, बाधा दौड़, साइकिल रेस, बोरा दौड़ प्रतियोगिताएं कराई गई। जिसमें बासौदा नगर के करीब 1100 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर जिला प्रचारक राकेश परमार, जिला शालेय कार्य प्रमुख हर्षित पाठक उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रमुख रूप से उपस्थित क्रीड़ा भारती के प्रदेश संगठन मंत्री श्री गिरीश ने उपस्थित विद्यार्थियों को खेल और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बने रहने के लिए मार्गदर्शित किया इस अवसर पर शहर के अनेक नागरिक बच्चों व विद्यार्थियों का उत्साह वर्धन करने के लिए तारण तरण जैन पाठशाला ग्राउंड पहुंचे।

उमरा के लिए जाने वाले यात्रियों का किया स्वागत

आष्टा, देशबन्धु। नीलबड़ निवासी इमाम खां मंसूरी और उनकी पत्नी हुसैनी बी उमरा जाने से पहले भूपोड़ में रईस मंसूरी और साथियों द्वारा पुष्पमाला से स्वागत किया गया और उनका मुंह मीठा कराया गया। इस अवसर पर स्वागत करने वालो मे इरशाद खा जलाल खां,अकबर खां, फारूख खां , मसूंरी रईस मंसूरी जहूर मंसूरी नूर मंसूरी कदीर खां, सहित बड़ी संख्या में लोगो ने पुष्पमाला एव मिठाई खिलाकर स्वागत किया।

इज्तिमा के वाहनों को नहीं भरना होगा टैक्स, विधायक ने कराया टोल फ्री

आष्टा, देशबन्धु। नगर सहित क्षेत्र के मुस्लिम समुदाय के लोग लगातार 3 दिन से भोपाल इस्तिमा जाने के लिए अली चौक पुराना बस स्टैंड पर एकत्रित होकर जा रहे है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी समाज के लोगो ने खिदमत के तौर पर अपने वाहन आष्टा से भोपाल तक जाने और आने के लिए निषुल्क लगाए है। बड़ी संख्या में भोपाल इज्तिमा में दुआ मे जाने के लिए रोज बड़ी तादाद में मुस्लिम समाज के लोग जा रहे है। इस बीच अली चौक आष्टा से लेकर भोपाल तक कही समाज के लोगो ने खिदमत की नियत से चाय नाष्ता एवं खाने की माकूल व्यवस्था की गई है। वही हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी आज सोमवार को इज्तिमा की दुआ के बाद भोपाल से आने वाले सभी लोगो का आष्टा वासीयो ने निषुल्क खाने की व्यवस्था की गई है। आष्टा से जितने भी समाज के लोग निकलेगे। उन सबसे अपील की गई है कि वह खाना खाकर ही जाए। इस बीच पुराना बस स्टैंड से लेकर नए बस स्टैंड तक रेडीमेड कपड़े की दुकान के अलावा अन्य दुकाने सज चुकी है। वही जमातीयो की खिदमत के लिए नगर के सैकड़ो लोग लगे हुए है। इस बीच वक्फ बोर्ड के जिलाध्यक्ष जाकिर पटेल तहसील अध्यक्ष मिर्जा फारूक बेग सलीम ठेकेदार इरषाद अंसारी ष्षाहरूख कुरैषी हलीम अंसारी,षानू असांरी,आदि ने विधाायक से आग्रह किया था कि भोपाल इज्तिमा जाने वाहनो का टोल नही लगे। इस पर से विधायक श्री इंजीनियर ने एक पत्र टोल संचालक को लिखा और चार दिन तक इज्तिमा जाने और आने वाले लोगो का टोल नही लिया जाए। ऐसा आग्रह किया । टोल संचालक ने भोपाल इज्तिमा जाने वाले लोगो से टोल नही लिया जाएगा।

प्राथमिक सहकारी समिति हाजीपुर प्रबंधक शर्मा हुए सेवानिवृत्त

सिरोंज, देशबन्धु। प्राथमिक सहकारी समिति हाजीपुर के प्रबंधक गोपाल प्रसाद शर्मा आज सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर आयोजित विदाई समारोह में उन्हें सम्मानित किया गया व स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। समारोह में बैंक कर्मियों ने उनके उत्कृष्ट सेवा कल पर प्रकाश डाला। ज्ञात रहे की श्री शर्मा सर्व ब्राह्मण महापंचायत के अध्यक्ष पद का दायित्व भी बड़ी जिम्मेदारी से निभा रहे हैं। इस अवसर पर सहकारी बैंक के मैनेजर प्रकाश शर्मा, शवचरण शर्मा, मनोहर शर्मा आदि बैंक कर्मी उपस्थित रहे।

शिक्षक के सेवानिवृत्ति पर सम्मान समारोह आयोजित

नगर सहित ग्रामों में अनेक स्थानों पर हुआ स्वागत

गंजबासौदा, देशबन्धु। समीपस्थ ग्राम फूफैर की शासकीय माध्यमिक एकीकृत विद्यालय में शिक्षक रमेश कुमार सिलावट के सेवानिवृत होने पर विदाई देने पूरा गांव उमड पडा। ग्राम सहित आसपास के शासकीय विद्यालयों से शिक्षकगण शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजन अर्चन से हुआ। अपने जीवन के 42 साल 5 माह शिक्षा का दीपक जलाने वाले सिलावट के शिष्य आज प्रशासन में उच्च पद पर आसीन हैं। सिलावट शाला आने के बाद हर बच्चे को घर घर बुलाने जाते थे बल्कि कई बार तो बच्चों की खातिर उनको शाला समय के पहले या शाला समय के बाद भी पढाते थे, उनकी इन्हीं सेवाओं के चलते आज पूरा गांव रोते हुऐ उनको छोडने आया। इस दौरान अतिथि के रूप में शासकीय संजय गांधी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मणि मोहन मेहता, बीईओ राकेश सेन, बीआरसी ईश्वर प्रसाद शर्मा, संकुल प्राचार्य सुरेश कुमार शाक्य, जनशिक्षा केन्द्र प्राचार्य धन्नालाल जाटव, मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष परशुराम दुबे, शा.हाई स्कूल फूफैर प्राचार्य रामकृष्ण जाटव, प्रधानाध्यापक सुभाष गौर, पूर्व सरपंच गजेन्द्र सिंह राजपूत, सत्यभान विश्वकर्मा, सीएसी लल्लू सिंह गुर्जर, सतेन्द्र सक्सेना, रोमेश बख्सी, भागीरथ सिंह रघुवंशी, जगमोहन सिंह राजपूत, बाबूलाल यादव, एसएमसी अध्यक्ष बृजेश पाल, जयमण्डल सिंह, काशीराम पाल, नरेन्द्र सिंह राजपूत एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। इस अभूतपूर्व सेवानिवृत्त कार्यक्रम का संचालन शाला के अनिकेत अग्रवाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में शासकीय हाई स्कूल एवं माध्यमिक स्कूल के शिक्षकगण सुरेखा चौरसिया, हेमराम कुशवाह, रघुराज सिंह राजपूत, ऊषा राय, विक्रम सिंह दांगी , विनीत चतुर्वेदी, युवराज कुर्मी,रानी विश्वकर्मा, मयूर चतुर्वेदी उपस्थित रहे। वहीं सिलावट के बेच के पूर्व शिक्षक भी इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए जिनका रिटायरमेंट भी हो चुका है। लेकिन सिलावट के प्रति उनकाअसीम प्रेम उन्हें उनकी सेवानिवृत्ति पर उन्हें स्कूल तक ले आया। जिसमें पूर्व प्रधानाध्यापक नन्नू सिंह सिलावट, प्रताप सिंह रघुवंशी, रामकिशन नामदेव, भैयालाल पंथी आदि दर्जनों शिक्षक सेवानिवृत्ति कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम को बीईओ सेन, बीआरसी, डॉ मणि मोहन मेहता, मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के परसराम दुबे, ईश्वर प्रसाद शर्मा, उमाशंकर शर्मा सहित अन्य नागरिकों ने संबोधित किया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने उनके जीवन दर्शन और उनके शिक्षा मे नवाचार पर प्रकाश डाला। वहीं स्कूल का स्टाफ विदाई देने उनके घर तक ढोल ढमाकों के साथ आए। कार्यक्रम में शिक्षक रमेश कुमार के बड़े भाई नन्नू सिंह, पर्वत सिंह, लोकेश सक्सेना, राजेश कुमार, योगेश कुमार, नीलेश नामदेव, भूपेंद्र सिंह, नयनदीप, महेंद्र, राजीव, जीत, विराट, रुद्र सहित अन्य लोग मौजूद थे। वहीं नगर से जय स्तंभ चौक पर यातायात पुलिस, अरविंद रिछारिया के संस्थान, वासवानी ट्रेडर्स, वार्ड पार्षद सरदार सिंह, अतुल श्रीवास्तव, जितेंद्र खटीक मित्र मंडली, चेतना क्लिनिक सहित निज निवास पचमा बायपास तक अनेक स्थानों पर शिक्षक रमेश कुमार का शाल, श्रीफल, फूलों से भव्य स्वागत किया गया।

राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता के लिए रवाना होंगे शरद व नैनशी

गंजबासौदा, देशबन्धु। स्थानीय सैण्टएसआरएस पब्लिक हायर सैकेण्डरी स्कूल के शरद साहू और नैंसी विश्वकर्मा का अंडर-19 खो-खो की संभागीय स्तरीय टीम में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर राज्य स्तरीय टीम के लिए चयन हुआ है। दोनों ही खिलाड़ी आज स्थानीय स्टेशन से सारंगपुर की ओर रवाना होंगे। जहां वे भोपाल संभाग की टीम की ओर से श्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे दोनों के चयन और उनको रवाना करते हुए संस्था के प्राचार्य उमेश चंद्र यादव, जिला खेल अधिकारी संतोष चतुर्वेदी, संस्था के खेल अधिकारी कपिल गौड़, कोच गजेंद्र सिंह दांगी, उपप्राचार्य श्रीमती रजनी गुप्ता, एन.एस.एस. प्रभारी कृष्ण पाल सिंह चौहान, अनुज गुप्ता, दीपेश मीणा, दिनकर कद्रे, विक्रांत सोनी, आकाश साहू, रामनारायण श्रीवास्तव सहित शिक्षक परिवार ने शरद एवं नैनशी को जीत की शुभकामनाओं के साथ भोपाल रवाना किया। खेल अधिकारी संतोष चतुर्वेदी ने बताया कि विदिशा जिले से इन खिलाड़ियों का संभाग स्तर पर श्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर चयन हुआ है। यह खिलाड़ी दो दिसंबर से आयोजित सारंगपुर में राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता में भोपाल संभाग की टीम की ओर से खेलेंगे। कपिल गुर्जर ने बताया कि इस बार भोपाल संभाग की टीम के विजेता होने की पूरी संभावना है। सभी खिलाड़ियों को भोपाल में एकत्रित किया जाएगा, जहां से पूरी टीम सारंगपुर की ओर रवाना होंगी।

छात्रावास के विद्यार्थी पहुंचे थाने पुलिस की कार्यप्रणाली जानी

भेरून्दा, देशबन्धु। हम होंगे कामयाब अभियान अंतर्गत अनुविभागीय अधिकारी भेरून्दा मदनसिंह रघुवंशी एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस दीपक कपूर के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति विभाग भैरुंदा के छात्रावासों में अध्ययनरत बच्चों को पॉक्सो अधिनियम, गुडटच-बैडटच, सायबर सुरक्षा विषयों पर जानकारी दी गई। इसके साथ ही पुलिस की कार्यप्रणाली से अवगत कराने के लिए बच्चों को पुलिस थाना भैरुंदा का भ्रमण कराया गया।

थाना प्रभारी भेरून्दा घनश्याम सिंह दांगी, सब इंस्पेक्टर सुश्री पूजा सिंह राजपूत एवं पुलिस थाना भैरुंदा के स्टाफ द्वारा बच्चों को पुलिस थाने के विभिन्न शाखाओं के बारे में समझाया गया।

कार्यक्रम में अर्जुन सिंह सोलंकी विकासखंड समन्वयक, सुश्री विद्या मालवीय पर्यवेक्षक, श्रीमती सुनीता बारेला पर्यवेक्षक, श्रीमती मधु दुबे पर्यवेक्षक, श्रीमती मसर्रत खान हॉस्टल अधीक्षिका, श्रीमती शीतल चौहान अधीक्षिका, आदिम जाति कल्याण विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग भैरुंदा का स्टाफ एवं सभी हॉस्टल के बच्चे उपस्थित रहे।

विश्व एड्स दिवस पर निकाली जनजागरूकता रैली

• बैठक में एड्स से बचाव और भेदभाव खत्म करने का संदेश, • प्रतियोगिताओं के विजेताओं को किया पुरस्कृत

बैतूल, देशबन्धु। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) कार्यालय के सभाकक्ष में रविवार को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर विशेष जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम स्वास्थ्य विभाग और लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना यार्स सोसायटी के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समाज में एड्स पीड़ितों के प्रति भेदभाव खत्म करना था। इस वर्ष विश्व एड्स दिवस की थीम सही रास्ता अपनाएं, मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार रही। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान धनवंतरी की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुई।

मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की जीएमएफसी सुश्री ऋतु प्रजापति ने बताया कि एड्स प्रभावित लोगों के प्रति भेदभाव करना अमानवीय है। उन्होंने कहा, एड्स पीड़ित व्यक्ति पहले ही अपनी समस्याओं से जूझ रहा होता है, ऐसे में हमारा कर्तव्य है कि हम उनके साथ सहयोगी और मानवीय व्यवहार रखें।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रविकांत उइके ने एड्स के वायरस और उसके प्रभावों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एचआईवी वायरस शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर कर देता है, जिससे व्यक्ति1 को गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि एकीकृत जांच और परामर्श केंद्र (आईसीटीसी) पर एड्स की जांच और उपचार मुफ्त उपलब्ध है।

कार्यक्रम में विधि अधिकारी

सोमनाथ राय ने बताया कि एचआईवी और एड्स अधिनियम संक्रमित लोगों के अधिकारों की रक्षा करता है और भेदभाव रोकने के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा किसी भी आधार पर एड्स पीड़ित व्यक्ति के साथ भेदभाव करना गैरकानूनी है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ऐसे मामलों में प्रभावित व्यक्तियों को सुरक्षा प्रदान करता है और सरकारी विभागों से सहयोग करता है।

जिला एड्स नोडल अधिकारी एवं जिला क्षय अधिकारी डॉ. आनंद मालवीय ने कहा कि एड्स जीवन का अंत नहीं है। उन्होंने कहा, जिस प्रकार हृदय रोग और डायबिटीज के लिए नियमित उपचार आवश्यक है, वैसे ही एड्स के लिए भी है। उन्होंने यह भी बताया कि एड्स की जांच और उपचार जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, और एआरटी सेंटर पर मुफ्त उपलब्ध है।

कार्यक्रम के अंतर्गत चित्रकला, रंगोली, और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इसके साथ ही शहर में जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में उप जिला मीडिया अधिकारी महेशराम गुबरेले, डीसीएम कमलेश मसीह, एपीएम प्रकाश माकोडे, काउंसलर सह डाटा मैनेजर दिनेश भावरकर, सुपरवाइजर कृष्णा पाटिल, शहरी क्षेत्र बैतूल के विनक पवार, काउंसलर शिल्पी कश्यप, आईसीटीसी काउंसलर अनिता लोखड़े, राजकुमार सराटकर, गणेश साकरे, राहुल बिंझाड़े, योर्स सोसायटी के जिला समन्वयक निर्देश मदरेले, काउंसलर सुश्री वर्षा खातरकर, छाया प्रजापति, अभिषेक सोनी, श्रीमती भाग्यश्री नामदेव, शहरी आशा कार्यकर्ता, और लक्ष्यगत हस्तक्षेप परियोजना के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जन भागीदारी से जगाई जागरूकता की अलख

बैतूल, देशबन्धु। एड्स जैसी गंभीर बीमारी को जागरूकता से ही रोका जा सकता है, इसी संदेश को फैलाने के उद्देश्य से मां शारदा समिति के तत्वावधान में विश्व एड्स दिवस पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने एड्स की रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान चलाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में शैलेंद्र बिहारिया ने सभी को शपथ दिलाई और लोगों को एड्स के प्रति जागरूक रहने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। प्रमोद अग्रवाल और अमोल पानकर ने बताया कि हरित कुंभ अभियान के तहत प्रयागराज कुंभ को पॉलिथीन मुक्त बनाने के लिए एक थाली और थैली भेजने का आह्वान किया गया। इस अभियान में सभी से सहयोग की अपील की गई। सुदामा सूर्यवंशी ने जानकारी दी कि 16 दिसंबर को विजय दिवस के अवसर पर सैनिक संघ द्वारा एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम के अंतर्गत सुबह 9 बजे कारगिल चौक पर सैनिकों का सम्मान किया जाएगा और इसके बाद एक भव्य रैली निकाली जाएगी। दीपक सलूजा ने बताया कि 16 से 22 दिसंबर तक केसर बाग में भगवत गीता आयोजन किया जाएगा और 22 दिसंबर को विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया जाएगा। तुलिका पचौरी ने बताया कि 13 से 15 दिसंबर तक योग शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में योग और प्राकृतिक चिकित्सा के माध्यम से विभिन्न बीमारियों का निशुल्क इलाज उपलब्ध होगा। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों और संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर प्रमोद अग्रवाल, सुदामा सूर्यवंशी, दीप मालवीय, निमिष मालवीय, पिंकी भाटिया, डॉक्टर सागर बिंझाड़े, धनंजय सिंह ठाकुर, अनंत तिवारी, नवीन मिश्रा, गिरधारी मालवीय, पूर्व सांसद सुभाष आहूजा, अतीत पवार, प्रकाश मकोड़े, शैलेंद्र बिहारीया, राष्ट्रीय सेवा योजना, हिमांशु सोनी, विशाल मिश्रा, समाजसेवी अनुराग मिश्रा, प्रकाश देवडे, राजेंद्र कटारे, मदनलाल डडोर, रोहित देशपांडे, नेमीचंद मालवीय, तरेंद्र साकरे, महेंद्र मालवीय, मनोज तिवारी, संजय शुक्ला, तूलिका पचौरी, निमिषा शुक्ला, सोनम मिश्रा, कृष्ण अमृरुते, चंद्रप्रभा चौकीकर, सरिता राठौर, रुक्मणी सोनारे, दर्शना सोलंकी और ओम प्रकाश साहू उपस्थित रहे।

जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

बैतूल, देशबन्धु। विश्व एड्स दिवस पर यथार्थ मनोचिकित्सालय बडोरा और एक्सीलेंस कोचिंग एवं लाइब्रेरी के संयुक्त तत्वावधान में एड्स और मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य, एड्स से जुड़ी भ्रांतियों और आधुनिक समस्याओं से निपटने के उपाय बताए। कार्यशाला में मनोवैज्ञानिक टिकासिंह पटैया, काउंसलिंग साइकोलॉजिस्ट शिखर मायवाड़, मेडिटेक कैरियर इंस्टीट्यूट के संचालक डॉ. राजा धुर्वे, डॉ. जयसिंग, डॉ. सुमित मदरेले, डॉ. प्रदीप बिहारे और एक्सीलेंस कोचिंग के संचालक डॉ. सोहन पंडोले उपस्थित रहे। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को मनोरोगों से बचाव, इंटरनेट और पॉर्न एडिक्शन से उबरने के उपाय, उचित करियर चयन के लिए मनोवैज्ञानिक चरणों का उपयोग और प्रतियोगी परीक्षाओं में सोशल फोबिया से बचने के तरीके बताए। साथ ही उन्होंने व्यक्तित्व विकास और तनाव प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। डॉक्टरों ने एड्स से संबंधित भ्रांतियों को दूर करने और इसके प्रति जागरूकता फैलाने पर जोर दिया। उन्होंने एड्स के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव और युवाओं की भूमिका पर भी चर्चा की। इस आयोजन में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और विशेषज्ञों द्वारा दी गई जानकारी को सराहा।

तापी तीरे

सार-समाचार

आमला भाजपा मंडल अध्यक्ष के प्रबल दावेदार है शैलेंद्र राठौर

आमला,देशबन्धु। भाजपा के संगठन चुनाव को लेकर नेताओं ने अपनी दावेदारी करना शुरू कर दिया है। उम्र का बंधन आने से युवा नेता अपनी अपनी दावेदारी कर रहे हैं। शीर्ष नेतृत्व का कहना है कि इस बार साफ सुथरी छवि के लोगो को संगठन में

जगह दी जाएंगी, जिसमें शैलेंद्र राठौर का नाम सुर्खियों में है। शैलेंद्र राठौर युवाओं में लोकप्रिय एवं पसंद किए जाते है यही कारण है कि वर्तमान में उन्हें भाजपा युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। शैलेंद्र राठौर युवाओं में अपनी खास पकड़ रखते हैं , चाहे वह शहरी हो या ग्रामीण। शैलेंद्र ने वर्तमान में भाजपा युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष पद पर रहते हुए आमला और ग्रामीण अंचलों में युवाओं को भाजपा की रीति नीति के बारे में बताया, जिसके चलते कई युवां शैलेंद्र राठौर का समर्थन करते हुए भाजपा में शामिल हुए। वार्ड में प्रभारी रहते हुए पार्षदों को विजय दिलाई। शैलेंद्र, राठौर समाज से आते है। राठौर समाज के कई पदों पर रह चुके है एवं समाज में जिला संगठन मंत्री रहते हुए समाज के सभी कार्यों में अपनी सक्रियता दिखाते आ रहे है एवं समाज में अपनी खास पकड़ रखते हैं। राठौर समाज भी शैलेंद्र राठौर का समर्थन कर रहा है। समाज का कहना है कि इस बार मंडल अध्यक्ष राठौर समाज से चुना जाए। शैलेंद्र शहर के सभी धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी अहम भूमिका निभाते आ रहे है।

मुनि श्री का ससंघ नगर प्रवेश, की जोरदार अगवानी

चिचोली ,देशबन्धु। निर्यापक श्रमण मुनि वीर सागर ससंघ चिचोली नगर मे मंगल प्रवेश हुआ। नगर के जय स्तंभ चौक पर मुनि श्री की अगवानी करने ढोल बाजे और उत्साह के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुचे। मुनि श्री की आगमन के लिए चौक चौराहा पर रंगोली से नगर को सजाया गया। इसके बाद मुनि का पाद प्रक्षालन किया। निर्यापक श्रमण मुनि वीर सागर नेमावर से चातुर्मास के बाद ससंघ पदयात्रा करते हुए चिचोली आगमन हुआ है।

इंदौर नेशनल हाईवे पर दूसरे दिन भी सड़क हादसा

चिचोली, देशबन्धु। बैतूल इंदौर नेशनल हाईवे के चिरापाटला आलमगढ़ के बीच बाईक सवार डीजल टैंक मे जा घुसा इस दुर्घटना में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को 108 की मदद से चिचोली अस्पताल लाया गय। घायल युवा की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जानकारी के मुताबिक रविवार को दोपहर आजमगढ़ निवासी मनोज पिता बिरजा तेकाम उम्र 30 वर्ष रविवार को साप्ताहिक बाजार के लिए अपनी बाइक से चिरापाटला आ रहा था इसी दौरान आजमगढ़ जिला चिरापाटला के बीच डीजल टैंक से टकरा गया जिसमे बाइक सवार मनीष तेकाम गंभीर रूप से घायल हो गया आसपास के लोगों ने डायल 100 एवं संजीवनी 108 को को सूचना दी। सूचना इमरजेंसी वहान घटनास्थल पहुंचकर घायल युवक को चिचोली सामुदायिक स्वास्थ केंद्र लाया। प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हादसे के बाद युवक को सर मे गंभीर चोटें आई है एवं एक पैर एक हाथ हड्डियां फैक्चर है।

साहू समाज की विधवा एवं परित्यक्ता महिलाओं को सिलाई मशीन वितरण 25 को

बैतूल, देशबन्धु। युवा साहू समाज सेवा संगठन जिला बैतूल के तत्वाधान में स्वरोजगार के लिए साहू समाज की विधवा एवं परित्यक्ता महिलाओं को सिलाई मशीन वितरण करने की योजना का शुभारंभ 25 दिसंबर से किया जाएगा। अखिल भारतीय साहू वैश्य महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रहलाद साहू ने बताया कि समाज के कुछ परिवारों में दुखद घटना के कारण परिवार की आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण महिलाओं को विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है महिलाओं को ऐसी विषम परिस्थिति का सामना ना करना पड़े इसलिए संगठन के द्वारा समाज की महिलाओं को सिलाई मशीन वितरण करने की योजना का शुभारंभ किया जा रहा है। समाज के अजय जीतपूरे ने बताया कि 25 दिसंबर को पाथाखेड़ा सारणी से इस योजना का शुभारंभ किया जाएगा। संगठन का प्रयास है कि समाज की गरीब विधवा परित्यक्ता अधिक से अधिक महिलाओं सिलाई मशीन का वितरण किया जाए।

मां चण्डी दरबार की ऐतिहासिक विरासत को लेकर आदिवासी समाज का बड़ा दावा

• प्राचीन किलों की जांच पुरातत्व विभाग से करने की मांग

• प्रशासन ने मंदिर के सुचारू संचालन के लिए 11 सदस्यीय प्रबंध समिति का गठन किया

बैतूल, देशबन्धु। जिले के चिचोली तहसील अंतर्गत ग्राम गोधना स्थित मां चण्डी दरबार के ऐतिहासिक स्थल पर विवाद गहराता जा रहा है। तहसीलदार कार्यालय की जांच रिपोर्ट में राजस्व दस्तावेजों और पुरातन अभिलेखों के आधार पर बताया गया कि मां चण्डी दरबार का ऐतिहासिक महत्व प्राचीन राजस्व अभिलेखों में स्पष्ट रूप से दर्ज है। वर्ष 1916-17 के राजस्व दस्तावेजों के अनुसार, खसरा नंबर 537 की 14.91 एकड़ भूमि पर गेदाराम, पन्नालाल, लम्बरदार जैसे भूमिपतियों का स्वामित्व था, जबकि जोतदार के रूप में पतिराम वल्द मंसू गौली का नाम दर्ज था। पुरानी मीशल नक्शा शीट में दो मंदिरों के चिह्न बने होने का उल्लेख मिलता है। वर्ष 1968-69 के अभिलेखों में खसरा नंबर 549 की भूमि, जो अब 6.034 हेक्टेयर क्षेत्रफल में विस्तारित है, गोपाल पतिराम के नाम दर्ज है और नक्शे में दो प्राचीन किलेनुमा संरचनाएं भी दिखाई देती हैं। मौके पर की गई संयुक्त जांच में ग्रामीणों ने बताया कि ये किले राजा ईल के शासनकाल के हैं, जिन्हें गोंड राजाओं ने बनवाया था। इसी भूमि

पर स्थित मां चण्डी दरबार मंदिर को स्थानीय लोग आदिकाल से पूजनीय मानते हैं, जहां रविवार और बुधवार को हजारों श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए जुटते हैं। इस ऐतिहासिक स्थल की महत्ता को देखते हुए ग्रामीणों ने पुरातत्व विभाग से जांच कर प्राचीन किलों और मंदिर की स्थिति का अवलोकन करने की मांग की है। वर्तमान समय में खसरा नंबर 549/6 रकबा 0.246 हेक्टेयर भूमि हरिदास पिता राजाराम गौली के नाम पर दर्ज है।

प्रशासनिक रिपोर्ट के अनुसार, मां चण्डी दरबार के संचालन हेतु 11 सदस्यीय समिति का गठन किया गया है, जिसमें मंदिर की देखरेख, दान-दक्षिणा और अन्य व्यवस्थाओं का जिम्मा समिति के पास है। वहीं, आदिवासी समाज चाहता है कि प्रबंधन का अधिकार समाज को दिया जाए। तहसीलदार चिचोली के आदेशानुसार, वशिष्ठ दुबे को पुजारी नियुक्त किया गया है, जो वर्तमान में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। वर्तमान में इस समिति के पास दो बैंक खातों में कुल 40,38,534 रुपये जमा हैं। 1998 में इस मंदिर का पंजीयन मध्यप्रदेश सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम के तहत हुआ था। ग्रामीणों ने कहा कि मंदिर की ऐतिहासिक और धार्मिक महत्ता को ध्यान में रखते हुए इसे आदिवासी समाज को सौंपा जाए। वहीं प्रशासन का कहना है कि शांति व्यवस्था और लोकहित को प्राथमिकता देते हुए मंदिर का प्रबंधन समिति के पास ही रहना उचित होगा। ग्राम पंचायत गोधना के ग्रामीणों ने लगभग ढाई महीने पहले कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा था। सरपंच संतोष टेकाम ने बताया कि मां चण्डी दरबार आदिवासी समाज की कुल देवी का स्थल है, जिसकी स्थापना राजा इल और उनकी पत्नी ने की थी। उन्होंने इस स्थान को आदिवासी समाज को सौंपने की मांग की।

जेंडर आधारित हिंसा उन्मूलन के लिए कानूनी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बैतूल, देशबन्धु। जेंडर आधारित हिंसा के उन्मूलन के लिए चलाए जा रहे हम होंगे कामयाब अभियान के तहत शनिवार को परियोजना बैतूल ग्रामीण के तत्वाधान में ग्राम भारत भारती में कानूनी जागरूकता पर एक परियोजना स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत ग्राम की जनपद सदस्य कचरा भूमरकर और सेक्टर बैतूल-2 की पर्यवेक्षक अर्चना तिवारी द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पूजन के साथ हुई। इसके बाद आंगनवाड़ी कार्यकर्ता दीपिका बरदाहे द्वारा कचरा भूमरकर का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर की शिखा भौरासे ने सेंटर की कार्यप्रणाली और महिलाओं को दी जाने वाली सहायता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वन स्टॉप सेंटर की ही सोफिया पीटर ने उपस्थित महिलाओं को सरकार द्वारा महिलाओं के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों और नीतियों के बारे में बताया।

पर्यवेक्षक दीप्ति मेश्राम ने लाडली लक्ष्मी योजना के बारे में जानकारी दी, जबकि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की विस्तृत जानकारी ज्योति भालेकर ने साझा की। इसके अलावा वन स्टॉप सेंटर बैतूल की टीम ने भारत भारती हाई स्कूल के बच्चों को पॉक्सो एक्ट, बाल श्रम, घरेलू हिंसा, और चाइल्ड लाइन नंबर 1098 के उपयोग के बारे में जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान पर्यवेक्षक अर्चना तिवारी ने जेंडर आधारित हिंसा की रोकथाम के लिए सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी दी। हम होंगे कामयाब अभियान 26 नवंबर से 10 दिसंबर तक चलेगा। ज्ञात हो कि सरकार जेंडर आधारित हिंसा के उन्मूलन के लिए इस अभियान के माध्यम से महिलाओं और बच्चों को जागरूक करने का प्रयास कर रही है। कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाओं और बच्चों ने सक्रिय भागीदारी दिखाई, जिससे जागरूकता फैलाने का उद्देश्य सफल होता नजर आया।

संबल योजना की राशि न मिलने पर भूख हड़ताल आज

सीटू नेता कामरेड कुंदन राजपाल ने दिया समर्थन

बैतूल, देशबन्धु। संबल योजना की राशि न मिलने पर ठेसका निवासी सुनीता उइके पिछले छह वर्षों से परेशान हैं। संबल योजना के तहत उनके पति की मृत्यु के बाद परिवार को 2 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई थी। यह राशि श्रमायुक्त कार्यालय से जनपद पंचायत भैंसदेही के खाते में तो डाल दी गई, लेकिन आज तक मृतक के परिवार को यह राशि नहीं मिल पाई। सुनीता उइके ने जिला कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ, जनपद पंचायत भैंसदेही के सीईओ से लेकर मुख्यमंत्री और लोकायुक्त भोपाल तक शिकायत की, लेकिन न्याय नहीं मिला। अंतत: न्याय की उम्मीद खो चुकी सुनीता ने 2 दिसंबर से भूख हड़ताल पर बैठने का निर्णय लिया है। उनके साथ सीटू के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका एकता यूनियन सीटू तथा ऑटो चालक एकता यूनियन सीटू के संरक्षक कामरेड कुंदन राजपाल भी धरने पर बैठेंगे। कामरेड कुंदन राजपाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जिला प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय राजू उइके की विधवा पत्नी सुनीता को उनकी स्वीकृत सहायता राशि के लिए छह वर्षों से अधिकारियों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें न्याय नहीं मिल पाया। उन्होंने प्रशासन की लापरवाही को उजागर करते हुए कहा कि यह शासन और प्रशासन की कथनी और करनी के बीच बड़े अंतर को दिखाता है।

बौद्ध युवक-युवती परिचय सम्मेलन और सामूहिक विवाह समारोह 22 को

बैतूल, देशबन्धु। दि बुद्धिष्ट सोसायटी ऑफ इंडिया जिला बैतूल के तत्वावधान में 16वां बौद्ध युवक-युवती परिचय सम्मेलन, सामूहिक विवाह और पारिवारिक मिलन समारोह आगामी 22 दिसंबर, रविवार को आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन पंचशील बुद्ध विहार (डॉ. अंबेडकर भवन) सदर बैतूल में होगा। इस विशेष कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूज्य भंते नागदीपांकर महाथेरो उपस्थित रहेंगे। इनके साथ ही सोसायटी के ट्रस्टी चेयरमैन चंद्रबोधी पाटिल, केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्यमंत्री डी.डी. उइके, स्थानीय विधायक हेमंत खंडेलवाल,

आमला विधायक योगेश पंडाग्रे, सोसायटी के प्रदेश अध्यक्ष सी.एल. बौद्ध, संयोजक कमल घोगरकर और बौद्ध समाज संगठन इंदौर की मालती झरबड़े भी इस कार्यक्रम में भाग लेंगे। इस कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन भोपाल स्थित वांटेड टाइम्स समाचार पत्र समूह के हेड ऑफिस अलकनंदा कॉम्प्लेक्स, एमपी नगर प्रेस कॉम्प्लेक्स में किया गया। पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में समूह के सीईओ संदीप एच. मानकर मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर दि बुद्धिष्ट सोसायटी ऑफ इंडिया जिला बैतूल शाखा के पदाधिकारियों में जिला अध्यक्ष संदीप पाटिल, उपाध्यक्ष धर्मदास दवंडे, महासचिव कमलेश उबनारे, कोषाध्यक्ष शिवकिशोर पाटिल, दिनेश पाटिल और विनोद दवंडे शामिल थे।पदाधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में विशेष रूप से बैतूल और आसपास के युवाओं को जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने समाज के सभी वर्गों को इस कार्यक्रम में शामिल होकर इसे सफल बनाने का आग्रह किया।

भारतीय मजदूर संघ ने किया श्रमिक संपर्क अभियान का शंखनाद

बैतूल, देशबन्धु। भारतीय मजदूर संघ के स्वर्णिम 70 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित श्रमिक संपर्क अभियान का रविवार को बैतूल जिले में विधिवत शुभारंभ हुआ। भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री पंजाब राव गायकवाड और संपर्क अभियान के प्रभारी चाणक्य राखडे ने बताया कि यह अभियान 20 दिनों तक चलेगा, जिसमें जिले भर में 50 हजार श्रमिकों से संपर्क करने का लक्ष्य है। बैतूल जिले का मुख्य कार्यक्रम बिजली कर्मचारी महासंघ कार्यालय में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में भारतीय मजदूर संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ता भगवानदास भारद्वाज, पूर्व महामंत्री और श्रमिक शिक्षा बोर्ड श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के क्षेत्रीय अध्यक्ष मधुकर सांबले, विभाग प्रमुख विनय डोंगरे, संपर्क अभियान प्रभारी राजेश मंसूरिया और जिला अध्यक्ष संपत दरवाई की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में भगवानदास भारद्वाज ने भारतीय मजदूर संघ के इतिहास और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। मधुकर सांबले ने कार्यकर्ताओं को अभियान के महत्व के बारे में बताया और 50 हजार श्रमिकों से संपर्क करने के लक्ष्य को सफल बनाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने इस अभियान को महाअभियान बनाने की अपील की। इसके साथ ही, श्रमिक संपर्क अभियान के तहत ब्लॉकों में भी कार्यकर्ताओं ने श्रमिकों

से संपर्क किया। शाहपुर में प्रमोद कुमार, भीमपुर में राजकुमार चढ़ोकार, चिचोली में सचिन राय, आठनेर में राजेंद्र कनेरी, मुलताई में पर्वत राव ठाकरे, प्रभातपट्टन में चंद्रभान पंडाग्रे और सारणी में राकेश नामदेव ने अपनी टीमों के साथ अभियान को गति दी।अभियान के पहले दिन बड़ी संख्या में श्रमिकों से संपर्क किया गया और उन्हें भारतीय मजदूर संघ की ध्येय यात्रा के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर भारतीय मजदूर संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ता और विभिन्न अनुषांगिक संगठनों के कार्यकर्ता भारी संख्या में उपस्थित रहे।

20 दिन गांव में पहुंचेंगे संघ के कार्यकर्ता

चिचोली , देशबन्धु। भारतीय मजदूर संघ के स्वर्णिम 70 वर्ष की यात्रा का केंद्र भारतीय मजदूर संघ द्वारा निर्धारित योजना के कार्यक्रम श्रमिक संपर्क अभियान जो 1 दिसंबर से प्रारंभ होकर 20 दिसंबर तक चलेगा, जिसका प्रारंभ आज चिचोली में किया गया। श्रमिक संपर्क अभियान की जानकारी देते हुए राज्य कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष सचिन राय द्वारा बताया गया कि संगठित व असंगठित क्षेत्र के लगभग डेढ़ सौ श्रमिकों से आज संपर्क किया गयौ। इस अवसर पर भर्ती मजदूर संघ के 70 वर्ष की यात्रा किस प्रकार से पूरी हुई इस संबंध में सभी को अवगत कराया गया इस अभियान के तहत संगठित व असंगठित क्षेत्र के सभी से लगभग 20 दिन भारतीय मजदूर संघ राज्य कर्मचारी संघ के कार्यकर्ता गांव गांव जाकर श्रमिकों से मिलेंगे और उनको भारतीय मजदूर संघ के 70 वर्ष के बारे में बताएंगे और उनकी जो मुख्य समस्या है उनको चिन्हकित करके जो हाल हो सके उनका प्रयास किया जाएगौ। इस संपर्क अभियान में टोली द्वारा भवन निर्माण के कार्यकर्ता आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आशा उषा कार्यकर्ता राज्य कर्मचारी बिजली कर्मचारी कृषि ग्रामीण मजदूर रेट खदान मजदूर हमाल स्वास्थ्य कार्यकर्ता सविंदा आदि मजदूरों से भारतीय मजदूर संघ मिलेगा।

केन्द्रीय मंत्री नड्डा ने उज्जैन में सिंहस्थ-2028 की कार्ययोजना देखी, बोले-

अच्छी सोच और बेहतर प्रबंधन के साथ बनाई गई है योजना

क्षिप्रा जल से ही होगा सिंहस्थ में स्नान : मुख्यमंत्री

उज्जैन/भोपाल, देशबन्धु। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा ने रविवार को उज्जैन प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में सिंहस्थ-2028 की कार्ययोजना और तैयारियों संबंधी प्रेजेंटेशन देखा। केन्द्रीय मंत्री श्री नड्डा ने सिंहस्थ के लिये तैयार की गई विकास कार्ययोजना के प्रेजेंटेशन की सराहना की। उन्होंने कहा कि जिस सोच के साथ कार्ययोजना तैयार की गई है उसे जमीन पर उतारा गया तो उज्जैन अपनी संस्कृतिक, धार्मिक, पौराणिक विरासत को संजोने में सफल होगा। उज्जैन अपनी धार्मिक, सांस्कृतिक और पौराणिक विरासत को समेटे हुए हैं। सिंहस्थ के लिये तैयार की गई कार्ययोजना से उज्जैन का पुरातन वैभव पुन: लौटेगा और राजा विक्रमादित्य की अवंतिका का स्वरूप प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रेजेंटेशन के दौरान कपिला गौशाला और शिप्रा को प्रवाहमान बनाने की कार्ययोजना की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस कार्ययोजना से कम से कम कीमत में क्षिप्रा को अविरल एवं स्वच्छ कर पाएंगे। सिंहस्थ 2028 में क्षिप्रा नदी में क्षिप्रा के जल से ही स्नान होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गौवंश को सुरक्षित करने की कार्ययोजना के संबंध में बताया कि सभी प्रमुख शहरों में 10 हजार गौवंश को रखने के लिए गौशालाएं बनाई जा रही हैं। कम से कम खर्चे और कम से कम मानव शक्ति का प्रयोग कर इन गौशालाओं का संचालन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस बार सिंहस्थ में क्षिप्रा नदी के दोनों ओर बेसाल्ट पत्थर से स्थायी घाटों का निर्माण होगा, जिससे आने वाले समय में क्षिप्रा नदी के स्वरुप को स्थायित्व मिलेगा और आगामी सिंहस्थों में अतिरिक्त घाटों के निर्माण की आवश्यकता नहीं होगी। सिंहस्थ 2028 में श्रद्धालुओं के सुगम एवं गतिशील पहुँच के लिए रोप-वे रेलवे स्टेशन से महाकालेश्वर मंदिर तक, रेलवे स्टेशन का उन्नयन, सदावल हेलिपैड तथा एअरस्ट्रिप का उन्नयन तथा बहुदिशात्मक रोड परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। प्रेजेंटेशन में संभागायुक्त संजय गुप्ता एवं कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने जानकारी दी कि रेलवे स्टेशन से महाकालेश्वर मंदिर तक रोप-वे निर्माण किया जा रहा है। इसकी परियोजना लागत रुपये 199 करोड़ है तथा इससे 1.76 किमी के निर्माण किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत 10 यात्रियों की क्षमता वाले 48 केबिन के माध्यम से श्रद्धालुओं का आवागमन होगा। इसके साथ हीरेलवे स्टेशन का उन्नयन व उज्जैन-आगर-झालावाड़ की रेलवे लाइन पर भी कार्य किया जा रहा है। जिसकी लागत 2836 करोड़ रूपये है, साथ ही यात्रियों की मूलभूत सुविधाओं के लिये उज्जैन जिले में 30 करोड़ रूपये की लागत से सैटेलाइट स्टेशन विकसित किया जाना है। यात्रियों की सुविधा के लिए सदावल हेलीपेड तथा एअरस्ट्रिप का उन्नयन एवं विकास कार्य भी किया जा रहा हैं। सदावल में 13.52 करोड़ लागत से चार नए हैलीपेड का निर्माण किया जा रहा है। इस अवसर पर नये कलेक्ट्रेट भवन, यूनिटी मॉल, श्री महाकाल भक्त निवास, मेडिसिटी के रुप में उज्जैन में बनने जा रहे मेडिकल हब की कार्ययोजना, विक्रम उद्योगपुरी एवं आई.टी. पार्क का भी प्रेजेंटेशन हुआ। साथ ही एमपीईबी के कार्यों, क्षिप्रा नदी पर 6 नए पुलों का निर्माण, जावरा फोरलेन को दिल्ली-मुम्बई सुपर हाईवे से जोड़ने की कार्य योजना तथा उज्जैन से अन्य शहरों को जोड़ने वाले मुख्य मार्गों को फोर लेन एवं सिक्स लेन में परिवर्तित करने की कार्ययोजना का प्रेजेंटेशन भी किया गया। बैठक में सांसद वी.डी. शर्मा, सांसद अनिल फिरोजिया, उज्जैन जिले के प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, स्थानीय विधायक, जनप्रतिनिधि सहित अधिकारी मौजूद रहे।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और मुख्यमंत्री ने किया शुभारंभ

महाकाल मंदिर में श्रद्धालुओं को एटीएम से मिलेगा प्रसाद

उज्जैन, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केंन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को उज्जैन के श्रीमहाकालेश्वर मंदिर में वैदिक ऋचाओं की गूंज के बीच लड्डू प्रसाद वेंडिंग एटीएम का शुभारंभ किया। इस नवीन आधुनिक तकनीक से श्रद्धालुओं को सुविधाजनक रूप से प्रसाद प्राप्त होगा। उज्जैन का श्रीमहाकालेश्वर मंदिर देश का पहला ऐसा मंदिर है जहाँ श्रद्धालुओं को वेंडिंग एटीएम से प्रसाद लेने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

लड्डू प्रसाद वेंडिंग एटीएम द्वारा क्यूआर कोड स्कैन कर पेमेंट करते ही प्रसाद के कूप से लड्डू का पैकेट मशीन से बाहर निकलेगा। मंदिर समिति ने कोयंबटूर की 5 प्रतिशत टेक्नोलॉजी कंपनी से यह ऑटोमेटिक मशीन ली है। इस मशीन से 100 ग्राम, 200 ग्राम और 500 ग्राम लड्डू के पैकेट श्रद्धालु प्राप्त कर सकेंगे। यह हाईटेक सुविधा देश के किसी भी अन्य मंदिर में फिलहाल उपलब्ध नहीं है।

उल्लेखनीय है कि विश्व प्रसिद्ध बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक दक्षिणमुखी भगवान श्रीमहाकालेश्वर मन्दिर प्रबंध समिति द्वारा लड्डू प्रसाद निर्माण इकाई एवं निःशुल्क अन्नक्षेत्र संचालित किया जा रहा है। मंदिर के लड्डू प्रसाद एवं अन्नक्षेत्र में निःशुल्क भोजन प्रसादी को एफएसएसएआई द्वारा 5-स्टार रेटिंग के दर्जे में शामिल कर केन्द्र सरकार द्वारा प्रमाण-पत्र जारी किया जा चुका है। वर्ष 2021 में श्रीमहाकालेश्वर मन्दिर प्रबंध समिति द्वारा लड्डू प्रसाद के क्षेत्र में हाईजीनिक उत्कृष्टता में 5-स्टार रेटिंग प्राप्त की है। मंदिर का निःशुल्क अन्नक्षेत्र हाईजीनिक उत्कृष्टता 5-स्टार रेटिंग प्राप्त करने वाला देश का तीसरा धार्मिक संस्थान है। विगत दिनों भारत सरकार की एफएसएसएआई द्वारा उक्त दोनों इकाइयों का निरीक्षण कर ऑडिट किया गया। मूल्यांकन उपरान्त दोनों इकाइयों को उत्कृष्ट माना गया। श्रीमहाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति को सेफ भोग प्लेस का प्रमाण-पत्र भी प्राप्त है।

इस अवसर पर उज्जैन जिले के प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, सांसद वी.डी. शर्मा, सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक अनिल जैन कालूखेड़ा, सतीश मालवीय, महापौर मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, जनप्रतिनिधि संजय अग्रवाल, विवेक जोशी, बहादुरसिंह बोरमुंण्ला, संभागायुक्त संजय गुप्ता, एडीजीपी उमेश जोगा, कलेक्टर नीरज कुमार सिंह, एसपी प्रदीप शर्मा सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने दीं सीमा सुरक्षा बल के स्थापना दिवस पर बधाई और शुभकामनाएं

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सीमा सुरक्षा बल के स्थापना दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लिखा है कि जीवन पर्यंत कर्तव्य के वाक्य को चरितार्थ करते हुए सीमा सुरक्षा बल के जवान, विषम परिस्थितियों में देश की सीमाओं की सुरक्षा को समर्पित हैं। साहस, शौर्य, सजगता एवं समर्पण के साथ मातृभूमि की रक्षा के लिए जिन जवानों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया, उन्हें सादर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ।

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर पूरे प्रदेश में हों कार्यक्रम : कुशवाह

भोपाल, देशबन्धु। सामाजिक न्याय दिव्यांगजन कल्याण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा है कि 3 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर पूरे प्रदेश के दिव्यांगों की क्षमताओं और उपलब्धियां का उत्सव मनाते हुए एक समावेशी समाज के निर्माण में प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए कार्यक्रम किये जाये।

मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि सुगम भारत अभियान के अंतर्गत हम सबको मिलकर सुगम वातावरण निर्माण और आईटीसी पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने का कार्य करना चाहिए इससे दिव्यांगजनों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आने का मार्ग प्रशस्त होगा। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर राज्य के प्रमुख पर्यटक स्थलों एवं सार्वजनिक स्थान पर दिव्यांगजनों के कार्यक्रम आयोजित किये जाएं। ऐसे आयोजनों से न केवल समावेशिता को बढ़ावा मिलेगा बल्कि जनता को सुगमता के महत्व के प्रति हम जागरूक भी कर सकेंगे। अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस हमारी समाज के इस वर्ग के प्रति प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करने वाला दिवस है। दिव्यांगजन, समाज की मुख्य धारा से जोड़कर आगे लाना और उनके लिए समान अवसर उपलब्ध कराना हम सब का दायित्व है।

समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी आज से

भोपाल, देशबन्धु। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि खरीफ विपणन मौसम 2024-25 के लिये धान की खरीदी 2 दिसम्बर से शुरू होगी। धान कॉमन का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 और धान ग्रेड-ए का 2320 रुपये प्रति क्विंटल है। किसानों की एफएक्यू गुणवत्ता की उपज इन्हीं दरों पर उपार्जित की जायेगी। मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि धान का उपार्जन 2 दिसम्बर से 20 जनवरी 2025 तक किया जायेगा। उपार्जन प्रत्येक सप्ताह के सोमवार से शुक्रवार तक होगा। केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित मात्रा के अनुसार समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी 45 लाख मीट्रिक टन की जायेगी।

विकास के विभिन्न विषयों पर हुई अनौपचारिक चर्चा

राज्यपाल पटेल से बिहार के राज्यपाल आर्लेकर ने की सौजन्य भेंट

भोपाल, देशबन्धु। राज्यपाल मंगुभाई पटेल से बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने राजभवन में में आज शिष्टाचार मुलाकात की। दोनों प्रदेशों के राज्यपालों ने परस्पर विकास के विभिन्न विषयों पर अनौपचारिक चर्चा की। राज्यपाल श्री पटेल ने बिहार के राज्यपाल श्री आर्लेकर का शॉल, श्रीफल एवं स्मृति-चिन्ह भेंटकर स्वागत किया। राज्यपाल श्री पटेल का बिहार के राज्यपाल श्री आर्लेकर ने अंग वस्त्र एवं स्मृति प्रतीक भेंटकर अभिनंदन किया।

भाजपा ने प्रदेश गठित की सौ प्रतिशत बूथ समितियां

भोपाल, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने मध्यप्रदेश में सभी बूथ समितियों के गठन और सभी बूथों का डिजिटलाइजेशन पूर्ण हो जाने पर प्रदेश के पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि संगठन पर्व के दौरान प्रदेश के पार्टी कार्यकर्ता नया इतिहास रचने जा रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने संगठन पर्व में कठिन परिश्रम कर रहे पार्टी कार्यकर्ताओं के मार्गदर्शन एवं उत्साहवर्धन के लिए पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया है।

- सभी बूथों का डिजिटलाइजेशन पूर्ण
- राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा और प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने की सराहना

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि देश में 2 सितम्बर और मध्यप्रदेश में 3 सितम्बर से पार्टी के संगठन पर्व की शुरुआत हुई थी। शुरुआत से ही प्रदेश के कार्यकर्ताओं ने संगठन पर्व के प्रति अभूतपूर्व उत्साह दिखाया। चाहे प्राथमिक सदस्यता की बात हो या सक्रिय सदस्यता की, पार्टी कार्यकर्ताओं ने हर बार लक्ष्य से अधिक काम किया है। प्रदेश के कार्यकर्ताओं एवं पार्टी पदाधिकारियों ने पूरी गुणवत्ता और संपूर्णता के साथ समय सीमा में 100 प्रतिशत बूथ समितियों के गठन को संभव कर दिखाया। बूथ समितियों में भी 33 प्रतिशत महिला कार्यकर्ताओं को शामिल किया गया है।

पार्टी कार्यकर्ताओं के इन प्रयासों और परिश्रम की राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने भी सराहना की है और उन्हें बधाई दी है। श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश में संगठन पर्व अभी जारी है। इस दौरान विभिन्न नवाचारों के जरिए संगठन के रचनात्मक कार्यों को धरातल पर उतारकर हमारे संगठन ने आदर्श स्थापित किए हैं। विभिन्न जिम्मेदारियों को संभाल रहे पार्टी कार्यकर्ताओं तथा पदाधिकारियों के उत्साह से यह स्पष्ट हो चुका है कि इस बार मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी हर मापदंड पर शानदार प्रदर्शन करते हुए नया इतिहास रचने जा रही है।

रतलाम में हुआ प्रतिभा सम्मान समारोह

हर सरकारी स्कूल की प्रत्येक कक्षा को बनाया जायेगा डिजिटल

भोपाल, देशबन्धु। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि प्रदेश में अगले 5 वर्षों में प्रत्येक सरकारी स्कूल की हर कक्षा को डिजिटल करने का प्रयास किया जायेगा। सरकारी स्कूलों के बच्चे पढ़ाई में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें, इसके लिये राज्य सरकार हर संभव कोशिश करेगी। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह रविवार को रतलाम में चेतन्य काश्यप फाउंडेशन द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि रतलाम के सीएम राइज विनोबा स्कूल ने दुनियाभर में पहला स्थान प्राप्त कर मध्यप्रदेश का नाम रोशन किया है। स्कूल शिक्षा मंत्री ने फाउण्डेशन के अनूठे आयोजन की भी तारीफ की। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लक्ष्य है कि देश का हर स्कूल एक्सीलेंस बनें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जनजातीय कार्य मंत्री और रतलाम जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. विजय शाह ने कहा कि प्रदेश में जनजातीय वर्ग के प्रतिभाशाली बच्चों को अच्छे कॅरियर के लिये श्रेष्ठ संस्थानों में कोचिंग दिलायी जा रही है। उन्होंने कहा कि रतलाम का यह समारोह प्रदेश के अन्य जिलों को भी प्रेरणा देगा। फाउण्डेशन के अध्यक्ष और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य काश्यप ने बताया कि हमारा यह फाउण्डेशन रतलाम में कक्षा-10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर रहा है। सम्मान के रूप में विद्यार्थियों को टाइटन की रिस्ट वॉच एवं शील्ड प्रदान की गयी है। वर्ष 2024 के सम्मान समारोह में 2024 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया है। कार्यक्रम में 93 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को मंच पर बैठने का स्थान दिया गया। सम्मान समारोह में जानकारी दी गयी कि फाउण्डेशन पिछले 10 वर्षों से मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान कर रहा है।

परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 4 को, विद्यार्थियों का होगा मूल्यांकन

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश में 4 दिसम्बर को चयनित सेम्पल शालाओं में कक्षा-3, 6 और 9 में पढ़ने वाले विद्यार्थियों का परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण किया जायेगा। सर्वेक्षण की रिपोर्ट का केन्द्र सरकार द्वारा नीति निर्धारण में उपयोग किया जायेगा। इस बात को ध्यान में रखते हुए राज्य शिक्षा केन्द्र ने सर्वेक्षण कार्य में पारदर्शिता रखे जाने के निर्देश मैदानी अमले को दिये हैं। राष्ट्रीय सर्वेक्षण-2024 के संचालन की जिम्मेदारी एनसीईआरटी के पास है, जबकि सीबीएसई को सर्वेक्षण के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी दी गयी है।

प्रदेश में सर्वेक्षण के सुचारु और निष्पक्ष संचालन के लिये स्कूल शिक्षा विभाग ने स्पेशल ऑब्जर्वर नियुक्त किये हैं। यह ऑब्जर्वर जिला शिक्षा अधिकारी और जिला परियोजना समन्वयक से तालमेल रखकर सर्वेक्षण की व्यवस्था को सुनिश्चित करेंगे। स्पेशल ऑब्जर्वर की जिलेवार नियुक्ति की गयी है। इसके साथ ही जिले में डिस्ट्रिक्ट लेवल को-ऑर्डिनेटर भी बनाये गये हैं। मैदानी अमले को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये हैं कि जिन सेम्पल शालाओं में सर्वेक्षण का कार्य किया जायेगा, उन शालाओं में दर्ज विद्यार्थियों की उपस्थिति शत-प्रतिशत हो।

माधव नेशनल पार्क टाइगर रिजर्व घोषित

प्रदेश का आठवाँ टाइगर रिजर्व होगा

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर शिवपुरी जिले के माधव नेशनल पार्क को टाइगर रिजर्व घोषित कर दिया गया है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की तकनीकी समिति ने माधव राष्ट्रीय उद्यान को टाइगर रिजर्व के रूप में अधिसूचित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। यह प्रदेश का आठवाँ टाइगर रिजर्व होगा।

अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य-जीव) एल. कृष्णमूर्ति ने बताया कि एनटीसीए की तकनीकी समिति ने प्रस्तावित बाघ अभयारण्य का कोर क्षेत्र 375 वर्ग किलोमीटर, बफर क्षेत्र 1276 वर्ग किलोमीटर और कुल क्षेत्रफल 1751 वर्ग किलोमीटर होगा। समिति ने राष्ट्रीय उद्यान में एक नर और एक मादा बाघ को छोड़ने की भी मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देश पर राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) को माधव राष्ट्रीय उद्यान को टाइगर रिजर्व घोषित करने के लिये प्रस्ताव भेजा गया था।

श्री कृष्णमूर्ति ने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार द्वारा की गयी संरक्षण पहल माधव राष्ट्रीय उद्यान और कूनो राष्ट्रीय उद्यान में वन्य-जीव प्रबंधन को मजबूत करेगी। इससे स्थानीय समुदायों को अपेक्षित ईको-टूरिज्म का लाभ मिलेगा और क्षेत्र का विकास होगा।

उप्र के मंत्री अग्रवाल आज आएंगे, कौशल विकास गतिविधियों का अवलोकन करेंगे

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश में चल रही कौशल विकास की गतिविधियों का अध्ययन के लिए उत्तर प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल 2 दिसंबर को मध्यप्रदेश के प्रवास पर रहेंगे। मंत्री श्री अग्रवाल अपनी टीम के साथ भोपाल में एडीबी परियोजना से तैयार विश्वस्तरीय ग्लोबल स्किल पार्क का भ्रमण करेंगे। मध्यप्रदेश में कौशल विकास के क्षेत्र में चल रही योजनाओं एवं नवाचारों के बारे में जानकारी लेंगे।

कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री गौतम टेटवाल सुबह 9 बजे संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क में मंत्री श्री अग्रवाल का स्वागत करेंगे। मंत्री श्री अग्रवाल प्रशिक्षण केंद्रों का निरीक्षण करेंगे। परियोजना और संस्था के अधिकारियों द्वारा कौशल विकास के क्षेत्र में चल रहे विभिन्न योजनाओं और नवाचारों पर प्रस्तुति दी जाएगी। दोपहर 12:30 बजे मंत्री श्री अग्रवाल कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन केंद्र के लिए प्रस्थान करेंगे। मंत्री श्री अग्रवाल का यह दौरा मध्यप्रदेश के कौशल विकास प्रयासों को जानने के उद्देश्य से किया जा रहा है, जिससे दोनों राज्य में कौशल और रोजगार के अवसरों को बढ़ावा मिल सके।

भाजपा सरकार लोगों के अधिकारों को कमजोर कर रही : प्रियंका

वायनाड, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव और केरल के वायनाड सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने रविवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार लोगों के अधिकारों को कमजोर करने की कोशिश कर रही है और उन्होंने लोगों से संविधान के मूल मूल्यों और देश के बेहतर भविष्य के लिए एकजुट होकर लड़ने की अपील की। श्रीमती वाड्रा हाल ही में हुए उपचुनाव में भारी अंतर से संसद के लिए चुने जाने के लिए लोगों को धन्यवाद देने के लिए केरल आई थीं। उन्होंने वायनाड की अपनी यात्रा के दूसरे दिन मनंतवडी गांधी पार्क में एक जनसभा को संबोधित करते हुए लोगों को भारी अंतर से सांसद के रूप में चुनने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, मुझे आपके समर्थन पर गर्व है और मैं इस बड़ी जीत को यूडीएफ कार्यकर्ताओं और वायनाड के मतदाताओं को समर्पित करती हूं।

श्रीमती वाड्रा ने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों को आश्वासन दिया कि वह हमेशा उनके साथ खड़ी रहेंगी, संसद में उनके बेहतर भविष्य के लिए उनकी आवाज बनेंगी और उन्हें कभी निराश नहीं करेंगी। उन्होंने वायनाड का लगातार दौरा करने, सभी वर्गों के लोगों से मिलने, उनकी जरूरतों के लिए लड़ने और उनकी समस्याओं को जल्द समाधान के लिए सरकार के समक्ष रखने का भी वादा किया। श्रीमती वाड्रा ने कहा, हम उन ताकतों के खिलाफ लड़ रहे हैं जो लोगों को बांटने और लोगों के अधिकारों को नष्ट करने की कोशिश कर रही हैं और लोगों से भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ लड़ने के लिए विपक्ष के साथ खड़े होने की अपील की। उन्होंने कहा कि उनका पहला काम मलयालम सीखना था।

प्रथम पृष्ठ का शेष

स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार.... ने समाज के सभी वर्गों का आहवान किया कि वे इस दिशा में लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पुन: संकल्पबद्ध होकर नई ऊर्जा और नई स्फूर्ति से जुट जाएं। आयोजन के आरंभ में केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की सचिव सुश्री पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल तथा जगदीश देवड़ा, सांसद विष्णुदत्त शर्मा, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, प्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, अपर सचिव एवं महानिदेशक नाको सुश्री हेकाली झिमोमी विशेष रूप से मौजूद रहीं। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संदीप यादव ने आभार व्यक्त किया।

केन्द्रीय मंत्री व मुख्यमंत्री ने..... कार्यक्रम स्थल पर अभिनव प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया, जिसमें नाको द्वारा अपनाए गए डिजिटल इको सिस्टम, सामुदायिक जुड़ाव, अभियान-आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से हासिल की गई उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर नाको के थीम गीत को जारी किया गया। इसके मूल गायक देव नेगी, मोको कोज़ा और एग्सी ने इस गीत की कार्यक्रम में सुरमयी प्रस्तुति भी दी। इसके अतिरिक्त लाभार्थियों की प्रेरणादायक कहानियों और नाको की पहल के परिवर्तनकारी प्रभाव को प्रदर्शित किया गया। साथ ही संगठन के मिशन को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण प्रकाशनों का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों ने लाभार्थियों को सम्मानित भी किया।

संभल हिंसा : न्यायिक आयोग.... प्रशासनिक निर्णय लेने के लिए और विस्तृत जांच की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा, आज का दौरा सिर्फ इस उद्देश्य के लिए था कि स्थल और वहां के हालात का अवलोकन किया जा सके। कुछ सवालों का उत्तर जांच आयोग ने मुझसे पूछा, और मैंने उन सवालों के जवाब दिए। इसके बाद उनकी जांच प्रक्रिया और कार्रवाई का पूरा विवरण हमें नहीं दिया गया। हालांकि आगे वे इस पर और भी विस्तार से चर्चा करने आएंगे। यह दौरा सिर्फ निरीक्षण तक सीमित था, और उनकी योजना आगे की कार्रवाई की जांच करना है। उन्होंने कहा, पूरे आयोग की टीम में दो सदस्य, यानी अध्यक्ष और एक सदस्य ने आज इस क्षेत्र का दौरा किया। बाकी की टीम के सदस्य जब आएंगे, तो वे विस्तृत जांच करेंगे और उनके कार्यक्रम के अनुसार अन्य पहलुओं पर भी विचार करेंगे। आज के दौरे में टीम में लगभग 10 लोग शामिल थे। इस दौरान उन्होंने उस जगह का निरीक्षण किया और घटना के प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया।

SBI भारतीय स्टेट बैंक
केंद्रीय भर्ती एवं पदोन्नति विभाग, कॉरपोरेट केंद्र, मुंबई
ई-मेल: crpd@sbi.co.in
आवेदन के लिए क्यूआर स्कैन करें

संविदा आधार पर विशेषज्ञ संवर्ग अधिकारियों की भर्ती

संविदा आधार पर निम्नलिखित पदों के लिए भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं.

विज्ञापन सं.: CRPD/SCO/2024-25/20

पद का नाम	रिक्ति	अधिकतम आयु (कट ऑफ 01.08.2024)
प्रमुख (उत्पाद, निवेश और अनुसंधान)	01	50
जोनल प्रमुख	04	50
क्षेत्रीय प्रमुख	10	50
आरएम - टीम प्रमुख	09	42
सीआरटी (उत्पाद प्रमुख)	01	45

पात्रता मानदंड (आयु, अनुभव, जॉब प्रोफाइल आदि), रिक्ति विवरण, आवश्यक शुल्क एवं अन्य विवरण के लिए बैंक की वेबसाइट https://bank.sbi/web/careers पर लॉग ऑन करें, जहाँ उपरोक्त विस्तृत विज्ञापन उपलब्ध है. इसके साथ आवेदन को ऑनलाइन जमा करने और साथ ही साथ आवेदन शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करने हेतु एक लिंक भी दी गई है. आवेदन करने और शुल्क भेजने से पहले अपनी पात्रता सुनिश्चित करने एवं अन्य विवरणों के लिए विस्तृत विज्ञापन पढ़ें. कोई अन्य पूछताछ करने के लिए कृपया "CONTACT US" → "Post Your Query" लिंक के माध्यम से हमें लिखें, जो कि बैंक की वेबसाइट (https://bank.sbi/web/careers/post-your-query) पर उपलब्ध है.

- आवेदन ऑनलाइन जमा करने और शुल्क का भुगतान करने की तिथि : 27.11.2024 से 17.12.2024 तक.

स्थान: मुंबई
दिनांक: 27.11.2024
महाप्रबंधक (आरपी एंड पीएम)

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमिटेड फौजदार गैरेज पवारखेड़ा इटारसी रोड नर्मदापुरम से मुद्रित एवं 45, वार्ड नं. 6, कसेरा मुहल्ला नर्मदापुरम म.प्र. से प्रकाशित, संपादक: पलाश सुरजन, फोन 422297। ई-मेल deshbandhuhbd1@gmail.com समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।